

1

সহিত কুশক্তিকাদি সহজিত পুস্তুক।

বিমারাধ্য পুদ্ধাপাদ শীযুক্ত দারকানাথ বিজ্ঞারছ ৩০ শীযুক্ত মধুরানাথ ভাররন্ধ च्छाठाया खर्जीक महामग्रज्ञ बांत्रा मुश्टमाबिङ

(पार्छ-व्यायनश्रक्त-पानगाए।, प्रकृषामि रहेर व्यक्ति। প্রমাধনাথ স্তিনত ভটাচাধ্য কর্ক

3) नर, वाद्यानमी त्यारवह क्रीडे ; माक्कानम त्यारम শ্ৰীপঞ্চিৰ মকুমদার দারা মুখিত।

किलिकार्छ।

मन १७०२ । यह खांका।

मुना । । । इस जाना माक





ষ্টেনিংশিব এবং বাবহা ও ভগবিফুক্ত টীকা দহ দাধারণ কুশভিকাদি লোখা হইরাছে। মূলা। 🗸 • ছয় আন।। দিননিধিয় প্রভৃতি সহ অভায়ে সংকাবদি এবং বুবোৎসর্গ, বভাদি প্রভিত। ও বাস্কুয়াগাদি পূজার

ीत हां भा खाक छ हेट्टा म्या ।√॰ काता, विः। ध्य संस्कत्रग २स जारग,—मरावशः जर्मा, खिरगी थ फाक्रिकी-नक्षा, छामामि मृत्रनिक निका

्ष्या मध् अष्ठ, जार्म, न्याष्ट्रयोग-स्वय मध्क, गर्जनाम, निषदाजि, क्याहेगी, बामन्यमी, मीनाक्षिण ख वडाप्रमाणि मंद्री भारको मुन्ति। अन्यामी है विकास १०६० व्याप्त का विकास १००० व्याप्त का व्याप्त का व्याप्त का कोगः ७ जाबिको श्रुवामि, कमजिषि, त्काकाश्रु वराः महोहोदमर्तामि लाया जाह्य। मृता श्री ह जामा।

ंत्र, भर, धर्व ज्ञारत, -- माख्रताम यश्चिष्ठक, मनिष्डव, ष्यामिकोश्वमत्र, भिष्णीकदम, मुध्य कुछ, मदमाष्ट्र, ्रमा निर्देश अर्थ कारमा नाष्ट्रवाम-मवावक्। नामरवनी अ वर्क्ट्रविती भार्षेत्, खारकाणिके अ जाकाशित-कामि वार्क को थे, व्यक्तका, उपन्यत, वृष्योरम्भे ६ जरुकान्त्रिक क्षापि ८ तथा व्हेबार्क। । ज्याना।

यावजीय केटमोठवारीक्षा,गमात्र काक्टरक्म,टेवडत्नी, ठठ्डामाडि,डिलकाकम ड ममानिष्णमानामि १० कामा

২য়, সং, ৫ম ভাগে, — বিবাহ লক্ষণাদি প্রতীব, সাত্ত্বাদ-সাম ও মতুর্কদীর সম্প্রান প্রকরণ, দাজে।-

 मायति को छाएम, —वेश्विक क समास्त्रील खात्र कावलीत्र नारणत खात्रिक्छ, (मा-त्मिन), खिछिमा गंगमन, बाम, (माल, मोनविधि, खराखि, कराटाचारम, गांबविकराट ७ व्यीकराति। मुना। । जना।।

शृक्षांत्रिक्रक्षांव खबर सांत्रांविष कावका ७ कर्नामि गर कानिश्कांति ताथा रहेशाए। मुना ७० एव ज्याना।

भम्, छाएल, -मन्त्रवृष्टा क्मानीपूचा, विष्ठुङ प्रकड्निटाना, सन्धानी, सम्पूनी ७ कार्छिकगुका खरः मुख्तिषठ मर्वण्डाभ निक्छ यात्रका यह दृश्यमित्कथत श्रात्माक ह्तीपुकामि तन्। बारह १०० षाना । विटमेष विकाशना

স্কগ্ৰহেয় বছকা প্ৰচায় মান্দে সাধায়ণ ব্যক্তিদিগকে জানাইতেছি যে, আপনাদেয় কোন প্ৰকেষ

'হিনুপ্তজ্ঞকালয়ে' পত্র লিথিলে, প্রাহ্কদিণের অভিপ্রায় মতে প্তক নির্বাচন পূর্কক শীঘ্র প্রত্তক পাঠান गोहैर ता (ब्यफ्र अरत्त्र श्रामिन थाकिरण, एरन कार्ड भव ताथा बारमांकन) पद्म मूरनात श्रुव्यक्त क्रम ब्रायमुक्त इव्रम, ष्यामात्र नात्म किश क्रिनकाडा, -- क्रमध्यानिम् श्रेष्ट्र ३३१३ नः मच यानाष्टि अध का हिकि भारीहरन, किः भिः बन्छ। नारतना, वृक् त्यारे भुष्ठक भार्यन यात्र।

क्लिकाजा, —(नाः, —व्याह्नमंत्र, भानगाष्ट्रा শ্রীমন্মধনাথ স্মৃতিরত্ন ভটাচার্য।

	7-86 °	, a 10 el		7		
বিষয়			146	विषय	*	- -
टबॉधम	:	:	^	হোমদক্ষীয় জ্ঞাভবা বিষয়	:	187
ज िश्वात्र	:	÷	9	সামাক্তকশন্তিকা	•	5 ;
गक्षमीथ्का	•	÷	÷	প্ৰকৃত ও উদীচাকৰ		9 4
সন্ত্ৰমীর আধ্যন্ত্ৰণ	:	: ,	ž	विवाइ-(क्षांश्राक्षि		* :
मशाहेयो	•	• :	À	नाष-(हाम	:	9 .
গভিপ্ৰা			Á	महामाने अध्य	:	5
गवयोश्का	:	:	*	of the state	•	6
विक्यामन्त्री	:	:	*	ভিম্নত বিকাশ	:	A
শ শরাকিতান্তব	÷	:	â	शिंदिश्य	:	٠ •
मा अष्टका <u>तक्ष</u>	:	:	3°			555

विटनिय ज्येवा

এত জ্বারা মকঃফলবাদী ব্যক্তিদিগকে জানান বাইতেছে যে়বাঁহাদিগের ইংরাজি বাদনা ব। স'জ্ব

কোন প্ৰকাৰ পুত্তক কিয়া চেক্বিল প্ৰভৃতি ছাপাইবার প্ৰয়োজন হইবে, ভাঁহারা বিশেষ বিবরণ সহ জায়াকে পত্র নিথিনে, নিজে ভষাবধারণ করিয়া, বিশুররণে ও স্থলত থরচায় পুশুকাদি ছাপাইয়া দিব।

শ্রীমুমুধনাপু শ্বতিরত্ন ভটোচার্য।

ংগাই—ব্রাহনগর, পালশাড়া—চতুজাঠি।

श्कि-मदकर्ममाना

वकेंप-ভाग।

ट्यायम *। शुक्रक निज्जाकिया नमांथा शुक्रक चिक्रवाधन कत्रिया, महस्र क्रित्रक কালিকাপুরাণোক্ত ছ্রগাপুজা পদ্ধতি।

(१म जारी, ७৮ श्रेष (मथ)। गरत, तमरवारता--श्रकमञ्ज भिष्ठा, घटे-

৩৫ পুৰ্যী ইইডে যুহ্মনিয়ুকেশ্য শুয়াধোক্ত পদ্ধতিতে দেখিতে হইদে। * नवनी त्वीषन अस्त कन्नातक अञ्जित आत्रात ७ वात्रशामि अस्त इत्तीपनव त्रवद्धीत विष्णव आवश्रीति वस चाहित

কীলিক। পুরাধোজ পুজায় যে কিছু বিশেষ জাহে, ভাহাই দিখিলায়। পুলক মহাশলের। যুধাসময়ে হুর্বেধিসাৰেরু लाई ग्रवाम ज़िल्मा नाहित कतित्रहे हतित्त । 'हिस्मुष्कर्भग्रामा' अस् हहेछ हम छोत्र निर्मुख अक्षर्ण अस् कुर्माकोन এই পদ্ধতি ভালপ্তাণ দেখিয়া য়াখিনেই অনায়ানে ইহা দেখিয়া কাৰ্য্য ক্রিচেড পারিবেন। জানাদি জভ্যান না ক্রিয়া এই সকল বৃহৎ পুজাৰ হতকেশ করা উচিত নহে। বে সকল বিষয় লয়ণ নাহয়, ভাহা বে ভাগেয় যে পুটায় উলেপ আন্তে

(नम ज्यान, ७७ श्रेष) कतिया, 'डी' मत्ये लागायाम, कत्रनाति भ जमनाति कत्रनामध्य घटि गटनमामिटक शंकश्रकामि बांता श्रका कतिया, ध्रतीत थान धवर विस्नवाद्या श्रामनामि कतिरव (भम ज्ञारभ भर शृष्टी श्रेरेड तमथ)। "धं घूरर्म घूर्म तम्मनि याश ही" धं घूर्मीरेम क्रांगम पे श्र्यंक मामानार्ग, जायम्बन्धि, क्ष्यंशिक, (ब १९ गुंश) माध्यमानार्म, अधिमान

নম: "এই মত্তে ছুগার বোড়শোপচারে পুজা করিবে। পরে, দলোপচারে বিশ্বর্তশার

मात्र अक वरण दीवाहें। ४ हरेदन। अरे हुरे वंश कारह द्राविद्रा कांग कतिता कांग बादाववा प्रहित्य ना। अरक विषय श्रेता। षारुक्तभाषित्व मह्मार मामाटक त्यांभग्नामि तेत। महकानाभि ह मरत्यांभा काखर ভাষানডিজ ব্যক্তিশা একবার উপত্ত আক্ষণ প্তিতির বিক্ট যুষ এয়েজনীয় বিষয়ভাশি বুঝিয়া লইয়া শিকা করিবেন; আধিত উক্ষতে বার্মবার সিমিয়া হান নই করিয়া এমাহকের কৃতি ক্রাজনেকছা বরাত দেওয়াভালা। বিবয়ী বাসংস্কৃত में जावनाथ वंशिय त्रायाध्यास्थास्था ह। मनाति बमाना व्यापा त्रापा त्रियाचित्र कुछः श्रमा कतिया, वामाध्वनि श्र्यक कत्रत्यात्क भिष्ट्र,-

र स्थितिको घटेशांश्य श्री १८ श्रीमा अत् र सक्टर्स्सी घटेकाश्य गत्र खार्स १० श्रीमा तथा।

त्यहर्ष्ट्र बहनक विषश्च मिर्निक छैनात्मा अध्या सार्थाका

मिक कत्रोहरव (नेय कोग, क मुक्री तक्षेत्र)। मन्तर मान कर्मका हर र मान कर्मका मधिव जारियन शटा मनोष्य-खरेथत नाजन् विनिशान्त्रापि । जरभरत,काल न्जूहेय बारताथ-त्रांकार भूतावरम् । जन्मार षार प्रार क्षितियासम्। विकृष्टि-त्राका-अञ्जिष्टि-(तर्छाः

STATE OF THE STATE रिका दिश्या पांता '७ क्वार्शि कडामाश्री करेच या काम का मुरम्राक्ष्मी अम्मकार ज्यभारत, त्वाथन चाडे अवर नम भावकांत्र त्येशेत आवादन कतित्रा, आधिवात कतित्व। ्यिष्टियां मूर्यक महस्र क्रिया (१म छात्र, १७ मुझे एन्से)। शहर, मामामाधि, स्तामिषि (या जात, १२ श्री) श्रक मुझा कतिहा, विषहात्कत वर्षामिक शुक्ता कतिहता (क्रिक्ट्स) तक नहता, –७ तक्षात्रीर हुटायदीर –१७०।पि । बीचा नहेता, –७ जिन्हे एक जामम्बद्धि, कुछल्डिक टाकृष्टि वर्षाम्बिक कंत्रनानकुत्र भटनमामिटक शक्ष्युम्न किया, दक्ष्योत म्डामाम्। षम्मा रिडन-स्तिम्। षम्। डम्मम् माम् वन्।विकामान् क्राधिन्मनम्

नकी के भक्ता व्यरक्षत्रीत्व शार्ष्य सक्षविति क्रभम्बिटने वार्थि हेक्क्तिनानाम् भन्नीमानः नर्कत्वाकर महीनानः। भदत, मही शकामि विरम्धि खरा कांत्रा विरम्डि मख (भम जात, ाफ शर्धा) भाठे श्र्विक बनाटक गात्रखी भाष्टिता, अधिवामन कतित्व। भटत, विषश्तकत শার্কোণ ও শৈঞ্তকোণ ভিন্ন দিকের ফল ক্লা সমন্তি (অভাবে অনির্ম) ছেল্ন-टेकनाम हिम्सिक्सित गिरतो। ज्यां डिकनत्रम घर व्यक्तिमाः मन् थितः। खिरेनत-ওঁ জুতাঃ ইহাগজ্তাগজ্ত—জাবাহন করিয়া, এতোমগুজে ও জুডেভেড়ো নয়ঃ। এব মাবভকতবি ও তুতেভো নয়:। তৈ তুতীঃ পেডাঃ পিখাচাশ ৰে ব্ৰক্তাত रवांगा भाषात्र निष्टुत हिस्स क्रिया, क्रतायाए जामखन मज भाष्ट्य, — ७ रमक्रमक्त मिंबरत करेंडः क्रियनः जिन्हरूउनः । त्मछत्यार्शन त्रमा गक् शूरका इगीयक्रेनछः ॥ क्उंटल । टिश्केड मन्ना मरिंडा विमित्तमः समाधिकः। श्रक्ति गक्र-श्रमारेमार्नानिङ-ভাপিতাত্তধা। দেশাদশ্যাৎ বিনিঃস্তা প্ৰাং পশ্যন্ত মংক্তাং। । এই মান্তে খেত সৰ্বণ্

শক্ষেপ ক্রিয়া, আর্রিক ক্রিবে। পরে, ব্যবহার বশতঃ বাদ্যধ্নি পূৰ্ক প্রতিমা-

大学の アントラインをはんして、 あっている 一般を সমীপে আসিরা, পুর্বোক দ্বাবারা গায়ত্রী পড়িয়া, প্রতিমার অধিবাস ক্রিয়া, প্রতিমার চতুকোণে কাণ্ডাং—ইত্যাদি (নম ভাগ, ৭৬ পৃষ্ঠা) মত্রে কণ্ড চতুষ্টয় আরোপন धदः श्रुक त्वष्टेन श्र्मक जात्रक्रिक कतित्व।

मध्यमि-शृष्टा ।

किट्क त्रिवि अस्किनीपर्टकर्व । जुक्त वृक्षि अमुष्किष्मक निकासिक। १०० १८०० थे व्यक्ति अह नक्ष पिछना, वाह्यालिन पूर्वक हित्र विष्णांथा मिछ्छ नम पविकारक एनती-मेपीरिक किक्न नेबी-नुकक जिङ्डाकिया भेगाया भूसक विष्ठक-मगीरण राहेश, पर्शागगीर विष्टेष्ण सुना कतिया, ग्रेस ! कार्या कार्या में कि कार्या के कार्या कर्मा वाचा । देमरेनस्थीया एक आधार अवर्गा कर्मा निकासिका । जे कि कि कि कि कि को पाना।" अहे मध्ये निक्न कि निका भीका दक्ष कि कि निकास निकास का निकास का क्बर्साए मिस्ट,—" ६ विष्टुम महाजाभ मा वर मध्यक्षितः। जुहीम क्षेत्रावाक सुनी पुर्वार कर्मा ड श्वाध्यम्बार एत्यापि छिकामसः। विषयात्तः मम्बिक्तं नधीत्राभ्मं व्यवस्था पाण्ड

ক্রিবে অবং নবগজিকার ও দর্গ-প্তিবিদ্ধে দ্বীর ভাগাহ্ন ক্রিয়া, তৈতা হরিত্র। মাধাইবে; मरिना विकास कृत । ७ व्हिर्ट व्यक्तामि नक्षक महाथिए । क्षणकाणि सम्यो कर मही कि ানবণাত্তিকা স্থাম ৷--বিভৰ কণগ্ৰামা,--ত ° ক্ষুলীতক্সংস্থাসিং বিজ্যের ক্ষত্ৰমাজন্ত +ি এখতে नवनीय पर समस्य छन्नातिक । ७ कि घर स्वित्रश्मितमा निष्धिमात्रिती । स्वीक्रमा नक्ष দাড়িম্য বিনাশায় জুলাশায় সন্ধা ভূবি। নিপিতা ক্লকানায় অসীদ খং ক্রপিচেয়। ওঁ কিয়া ভৰ সদাহ্রে শিল্পোকে শাকল্রিকী। ময়াম্বং প্লিকাল্বে ফ্রিলাভন হর আব্যে। ওঁ মাধনা মাকোরু ভ আহিলন আনিচেততোহ্দি সদা বিজয়বর্ষনঃ। দেহি যে হিডকামাংশত প্রসলো তবে সকলা। 🥦 ध्यस्क त्याः के कत्रकी कत्रक्रशीय व्याकार कत्रकांत्रिते। वागत्रांत्रीक तमत बार कत्र तमकि गुरक्तका यज्ञ,— जामाजगरत्व त्मित्रम्बाष्टि । वस्तिनामामात्व विवासात्व विवासात्व विभागति

रिन्-महकर्पमाना।

 गमाजीयमात्री पटनटक्ट्र गमात्र नवणविकात्र जाम मात्र जान कतादेत्रा वानित्रा, तन्ती-मनीटण निर्धायक मर्गन महिक नक्गाजिकारक अधिष्रा, महाद्वान क्याहेश बारक्न।

बुटक्यू माननीशः स्त्रीय्टेतः। मानशामि महारमनीः मानः त्नहि नर्यार्ष्ण छ । भ नमी-भिः याच-ज्ञणाणि लीपिनाः लापमात्रित्। विदाजाकः हि त्या पृषा शृष्ट कांचलमा छव। ।।

७ गालिक गामारको मझ गरीको असवात वर्षाकरम माम क्राहिता भरते, नक्ष्मेया त्नांतम माझ छदनाटत, छ स्त्राब्धियण्डितिक्छ।—हेट्यानि [१म ভारणंत ৮৬ शृधित स्थेषम भरकि इहेर्ड ४म शृधिके চত্তক বা খারা কাষণাঃ আমন করাইলা, মধ্বাতা—মালে মধ্যার। লাম করাইবে। পঞ্জাত চ্বিজালাব त्यापुर हुन काता क्ष्म । अन्यनधिक। त्रक्ष कत्रित्व। नत्त, "गांत्रजी गांठे श्रुक्त ही 🅦 स्नीति मगड़" बाद्ध छम्मन षाष्ट्रक थर्न नेष्ट्रत कर्न ४ ६ (नक्षामुक्तिन) सास्ट्राक छत्त मिलिक बनाबाता भान केत्राम हेरत। गुरम्पोषक षांत्रा,—डे जविरता टेडबरकाम टब्बरम अन्यवस्तांत्र जिल्हिस्पिम मन्नदेसा टेक्यर्षाम ण तमक भा मिष्ठः अमत्यश्यतार्वात्रकारः शुरका रुखान्तार रुख्याभतः। कटनामक्षात्रा,—क महाक्षाना । - नमी खन भूप की बादा, - ड ब्लाएजारी जांबजी शक्षा वसूना क प्रमणी। नद्रम् मिंडमी श्री (पछनका ह त्कोनिकी। एकात्रकी ह भागात यार्थ ममाकिनी छथा। मन्ताः स्वनातमा कृषा विष्णात्र अवासात्र अधिवश्याय । हेस्र छिस्ति त्र वर्गात्र सिरे वर्गात्र सिरिकाति । क्रमार क्षात्र -कृषदितः माश्रम् ठाः ।

गिगरबामक, वारकाक खर्ग बिलि क क्षेत्रांता, — क मार्ताबरेगा निमारक अन्नरेका सीमार्क कर्या तिमार बहे दिविषिक मज उन्हें आ खारातिक भार्ड कतिया नाम कताहित्य। भैत्त, अहेकांभ माने कताहित्य है है इंड छवर्डडा नगः। छर गरत, नांतीर करनामक, (करनामक,) नक्करांत्र, मिनिते, क्यून्त्री, क्मेंबार्ता, - खे मांगताः ्राः मकीः मकित्याता महाख्या। मत्कीरिवितः नामकाः नक्षेत्राः मांगवि धिम मात्राष्ट्रि नीजटत नृपात्मार्थनोगिज्य मिर्यामा गर्मि निर्मित । यधुनात्रा, छ ही धनिष्णे नगरी इन्नांत, मुर्ग निवरं कारा। इंद्रवाता, मुं निवरंत नरहे। नातरक्तांककाती,-हिं केनछात्र हरा हे मूनम्माता, — हो जिन्न जाता दर्गिष्ट । मिष्मान, — हा जाना कि । जिन्हें अनेनित्रे हीं व्यक्तिरेत नमः। निकटेक्नमाता,—हीं ठाम्लादेतः नमः। नुत्मामक्षांत्रा,—हाँ एक्टिने नमः। र्गामक्षाम,—देई अठ अदिव मयः। न्याननमात्रा,—छ द्री हेअछ अदिव मयः। मिन्नतमानक्षामा शरहिक्तिर। अहे गर्ज क्यांन: मांन कताहरवा। मरसीमिति अवेर मरिविवि चिजिन क्याहीता, - ख रा एवरी: त्रांप्रवाधीरेखी: मजिविष्टकनाः। जानागिः निष्युख्याः जाकायात्र मध्यिषि महस्यभात्रा ८७। के जवरत्यक् अवातिनिवित-क्ष-कटेनख्या मङ्ख्यात्वा तम्तिः भागतामि भरण्यताः अक्षाध्यक्ष बांत्रा,—ई व्यक्तिगीत शृरदाहिकः—। के हरवर्षारक्ष्या—। के बंग व्यापिहि—। के परमा तबती—। ह।

अमासन श्रीजिक घटेवाता के — के चत्राचा गणितकक जन्म-तिक्-मरश्यताः। दिनामिना पूर्णत्न मण्डलीय स्रोहाखरम । निम्राधनाम्बान्धान्तिक्षम् छुडीय कनात्मम छ । ७ । भाषात्मामक भृतिक घटेषात्रा,-মেষাৰু পালিপ্ৰেন দিতীল কন্দেন কু দিং৷ শ্ৰক্তী দলপ্ৰিত ঘটদাৱা,—উ সাৰ্ব্যক্তন ভোৱেন जातकम कर्मातम कृ। । तृष्टिकन श्रीतक परिवादा,— उत्तकक्षा किष्मिक किम्पिकः प्राद्यपति। ठै मकाम्याकाजिक्छ त्वाक्णालाः ममाग्रहाः। नाभरवामकपूर्वन छक्ष्क्णरमन छ। ह। निव्यवश्यिष्ठवनकाता. — ७ वाषिना गिर्यहर्तम निव्यवश्यभविता। निक्त्यताकिविक्त बानाक

* এই অই কলত মানে বিশেষ বিশেষ ভালে বালোর এতলিত বা গ্রাম্থ বিশিলার বা। অধ্যা স্থীবাদ্য করিজা। মারীয় জন্ম বিশেষের অভাবে খালগ ভত্ত এতিনিধিয়তে একেশ ক্রাছ্য। gan stad and prints at the states the consideration of the states and the states.

गुर्धम माधिम कनारमन कू । ७। मर्काशिवाष्ट्रभृष्ष्णेषात्रा,-- छ मर्काशिवाष्ट्रात्म कर्मात्रम ब्राजमिति। कन्ताम छू। द। विव्यामक श्र् ब्रेबाम, - ७ क्षित्रक्षाकृष्ठी छा वाधिविक्ष क भ्रत्ताः। विव्यत्रक्षे

, **5**[4]

मत्तरमाणिविका क्रमः मधाक्त्राः। । । ज्यानामक मृत्रिक घर्षात्रा, -- ६ वनत्त्राणिक क्रमान-

मोडेटअंस क्। महेमजनमारमुख्ड हार्ग तनि मरमाश्व छ। छ।

महासाम मनाभनाएक (मोख्य बांता मर्गाभन कम मुहास्ता, केहांत मधाकरण निमृत मांबाहेता, विष्णेत बुक्यनग्रामा हो। दीक निवित्र, डाश्त डिनंत विकान ६ त्रानाकात्र मधन बाक्क कत्रिया, विकाशिकात

महें । कहें वह बड़ महानान हिछात्र मुर्कक, -- हे बनमर्गह एड कुछ। ति कुछ। कृषिमाननाः । कुछानाम-ब्निटब्रक्स धामाधिकः। शुक्र । शुक्र । शक्रम्णार्टेण स्निष्टिष्टिष्टिष्टा। एक्सक्रम्पिष्टिक्र शुक्रार नजि म्यस्थार । अस् मायस्थानि वे ज्वास्ताना नाः। नाः नाम तमा निषाषं ध्याम्का कृषा व चान्त विद्याद्यम क्षीपृष्टाः कद्रशामातः। धे दरजाताक निमाठाक प्राक्रणाक भन्नीक्षाः। ष्यनमर्भेष्ठ एक डैनव वाबिश, नवनविकारक चानछा ७ दिवव्शन महिङ न्छन बच्च्षांत्रा वीशिश, वज्ञ नवाहिश, षांतरमरण ारव, बामहन रिनश, ब्यान्यन श्र्यंक क्रुडानित्रम् क्षिरंत। 'क क्रुडिएडा नम्ध' श्यानकि गुषा শ্বিয়া, বাবভক্তবলি গ্ট্যা,—উ ভ্তাঃ পোডাং শিশাচাক বে বনভাত ভূতলে। তে গুছুত মগাশ্বিতা

ाखिकाखात्वम ।-- गएकानकारत्र "अ विषमाधात्रतिमा कृतीत्रि समा मुका कतिया, गीत्रकारक त्मरीज्ञण। किन्नाश्संक तम्बीत महरक म्स्रीक्ड मित्रा, तम्बीत चानम श्रित्रा, पष्टित,— डे डिथिएक डम मत्त्री कि क्वारक्षन क्वाक्रकाः । अहं मध्य करा हक्वाक्रेश मिरव ।

भिष्टेशामन, मामाआधा ७ भागमाणि स्वाकाम क्रित्। [१म काश्त ३० भूषा ६ माणि स्टेट्ड ३६ छरगत, व्यञ्ज्यिष शहिष ६ जिल्ल प्रवर्णत व्यक्तिम छक्त्रांम ७ व्याप्यिष्टिशं क्रिका, एषती छन ठानुब हालब कूरन श्रृक्षांतृक्षः व्यक्ति । अमाकाः मण्युरक् एनती क्षेत्रीचः मक्ति। मृत्याः निम् वादद शुक्रार करवासाहर । एर शक्ता शवमानकिष्यामन निवयवणा । विषयित्राक्तांबात्ररकृष्यमद-छीन। यूरण गूरण। छ छे ही कार बी कमनियन क्रिया कर। बाहे मनक मात्र पाकान्नति कतिका, शृक्षां यूसुंच मस्कनाम् एक्टरा । जामक्क मस्मृत् एति मस्माजनाजिता विकि कि बरक्ष मुकालन शुक्रक तम्बीतक कांगन कवित्रा, नवर्गाककातक शानानात्र गांत्र कार्यन किर्वात ।

۶

भूकोत र गाकि भरीखात्मत्र]। भात, त्यकप्रयंभ नहेत्रा,-"के व्यभूत्रभेद्ध क कृष्णात्म कृष्णा पृति यातिहा। त कृता विश्वकतियत्व मध्य निवास्त्रा। अहे मध्य त्यान्त्रां पूर्वक कृमित्क

সন্ধানী-পূকা।

कतिया "हो" बटब लागावाय शुक्रक, सत्तामि छात कतिरव, यथा,-(षण्ण क्षीवश्चण) नावत ब्रिशिखी-गरत, कृष्ण्यि थि ११ शुर्व। त्राष्ट्रकाजान ७ निर्वतन (१६ णास्त्रक ०० शुर्व। प्रवेष्ण (१९६) कटना इर्गारमक्छ। ठठूर्वभिष्या विनिष्यातः। चित्रम नायमक्षराय नयः, मूरक गायबीक्ष्यारम नगा. বাদ পদাঘাভত্তর ও উর্জোক্তানত্র এবং হুড়িঘারা দশদিধন্ধন করিবে।

অধি হ্ৰণিটৈয় দেবতাট্য নমঃ। করভাদ,—ও হূৰ্ণে অস্ঠান্ডাং নমঃ, ও ছূৰ্ণে কৰ্জনীত্যাং বাহা,ও ছ্ৰণ্টির मधामोजार वन्हे, ७ क्रां क्रज्यक्षि क्यामिकासार क्र, ७ क्रां त्रक्षि क्रमिकाणार तोष्हे, क्रां क्रां तकानि क्यवन्त्रविक्रीः खाबात्र करे। ' छ स्तर्भ बम्यात्र नयः-वेष्ठामि करम खन्छान कत्रित्त।

গণেশ্বট হাগুন করিয়া, 🗳 ঘটে থথাশকি গণেশের গুড়ানভয়,—"ওঁ এক্দতং ঘঢ়াকার: লগোল্ক गवाननः। विज्ञानकतः तत्रः त्रत्रमः अन्यामासः।" धरे बत्र स्थाम कत्रितः। शत्र, क्रां, विक्रुः . छ९्गेरत, छ कोंकों नमायुकाः—हेगामि [१म जारभन १२ भुधे।] शाम कतिया, मानत्नानिहारत थुका ७ दिल्यम्बादाश्यनः शुर्मक त्मरोव नर्सात्क शक्यांत शुन्माश्रील मित्रा, गर्शवन्त्र मन्निहरू ब्राद्ध শিৰ, অৰুণ, নৰপ্ৰহ, মহানত্তী, সৱস্বতী, জনগা ও বিজ্যার ষণ্শশক্তি পূজা ক্রিসা, আন্ধারণভাগকি गीठेटसवरुमिटशत्र [१म जात्र ७७ शुर्ग] शुक्षा कतिरव ।

गरव, श्नक गाम शुक्तक "हो" नरब श्लाखान निया, - उ छ्छ्रदः वरुशवि हर्त-हेब्गानि । भ्यं ३० गुर्की ৮ गाकि हरेए ३१ गुर्कात त्मन माकि मर्गक । मास जावारम कतित्व। রোড়শোণচার প্ৰাঃ - ভাষাধারে আসন রাধিয়া, --বং রজভাসনায় নমঃ, আর্কনাদি করিয়া, "हेक्: अक्छाननः के कृत्र्य पूर्व तकनि यादा हों के क्नीटेंक नमः" के जाननः छाक्छा कृति का गृहान मम

- 1

बहारि मस्यानश्वर ७७:। शृश्वाक्रमीयः षः मत्रा छन्। निविक्ति । स्मा आप्ता मत्रा छन्। छत्र गाविकतम्बर्गिकाः। ज्यात्रामत्र मश्रात्मित खीका गाविः व्यवस्त्र त्मा मधुनार्क,— के मबूनक्र कांबलः। यत्रा बिरविष्णिः कक्ता भास्ति षः कार्योक ए कार्याक्षि क्रेंग वित्ति,...'से कार्याक श्रृह सक्तिमार्थ मर्कान्यां निकानि । खांत्रच यत्रां (मनि नगर्ज भड्यां विद्या । कार्या,-- 8 मुक्तांक्र महारमित बचारेष्ठः शहिक्षिष्ठः। यत्रा निर्विष्ठः छन्त्रा शृक्षा प्रदाप्तभित्र ॥ शुन्त्राह्मनीत्र मित्रा, त्रामार्थ कम क्रिय, - ७ कनक मैठनः प्रक्रा निकाः छकः प्रामार्थः। त्रामार्थः एक क्षत्रकाषि वात्मात्वानि स्टब्स्म श्रीन वस्तिनिता कष्मवानमध्का अभिकः अभिकाना ग्रेनिक्स कृष्ट याग्डः अमन्त्राहत्तव त्राव नाष्ट्रामिष्ठ अकत्ता कतिया मित्रा या निक्रत,—नाष्ट्र,—नाष्ट्र, ममामुख्यः विष्णाकार छवानता । त्माज्या मच्यामाज्यमः गृहाणात्राः स्त्रांखाता । मामा स्थापाध्या यात्रि कृक्ष्यानि स्मीज्याः। श्रानाष्त्रिमः त्मित वित्यवत्रि नत्यात्ष्व त्क्रा। मक्ष्यम्मयकृत्याः नित् मुन्नीर्थनाथिए । विषयाकुछारास श्रृथावाधिर स्मृद्धित ॥ चाहमानिया मन्नाकियां क्रिका व्यक्तिव्यक्ताः ॥ (व्यक्तिमीत्र विश्वा,) यत्त्र,—७ यस्कृष्ट नगावृष्टः गहेत्र्वावि निर्मिष्टः। विकि यानेए गत्रिमीयकाः । (बाठमतीम निम्न,) जनकारम,-नियानकमपामुक् । मृत्रिकाश्चिमम्बाकाः।

नश्मी-भूमा।

,

८म्म् मिलिटाः क्षामकुरुमारमञ्ज्ञातम् । मन्तरं ज्याम्कोरः॥ निमम् जिनम् । निमम् गष्त्रक मुना विषयः। विषये विष्यः अयकानि गविषः उ काउन्नित्तः। पुन मिन्ना-छ वनामांकि करना (कोशिकीतिवाक्तान्तिक व्याक्तानिकदेष व । ः त्वानिकामुक्तमाः इत्तं मीरमारमः ः व्यक्तिमृक्काः॥ ख्यकास, —-के नमाध्य भक्ताराती नमास्य गङ्गाधितत्र। চक्क्यायक्षमः व्यक्ताः स्वाधि मिरम्ग गक्कमित्रत्वाष्ट्रमः। यत्रा निर्वाष्ट्रका ज्वा य्राथार्तः व्यक्तिय्वारः। कीरण,- कंष्णा দক্ষ: প্ৰস্ততাং । কলস্তানি সৰ্বাণি প্ৰায়ারণানি যালি চ। নানাবিৰস্থান্ধি ময়। মিবেদিতং ভাজনা বৃহণ প্রমেশ্রি । এই সময় মোদক এবং লভছুকাদিও দিকে)। ठ गरमगर मिरक्रिकान् श्रदान् अखिश्क विविषाकार ॥ जुरुण, — अ शुक्रार मरमास्वतः मिस्रार क्ष्माक गृष्ट्र (मिनियमां जिल्ला) व्यामाध्येत्र वतमा, — जै जामात्रः वजनस्त्रकः त्रोतः विक्रिः नगिष्टः। গাৰাণি শোভমিয়াছি অলকাষাঃ স্বেশ্রি। গমে,—উ শ্রীরং তে ন জামামি চেইছ ঠিবব ৮ হৈন্ (ज्जान्यनीश किया,) भाषां विकास.— ॐ कनक भी उनः च छः सुशक्ति सुसरना हतः। यहा निरदि किछः खका। गांनांथी खिल्कुण्डाः॥ भूरस्य खाद जात्यनीय किया, टाष्ट्रन किर,—— के कनश्वनेपाक्कर क्रमुरंडन क्यांतिएः। यज्ञा बिर्वानिष्ठः चक्का छात्र नः व्यिष्ठिमुक्छाः।। उद्भारतः मर्का विक्यान्यानाः

ত্ৰক এই কালে দেবী সম্প্ৰদানক উৎসৰ্গ ক্ষিয়া দিবে ।। भूणात्रामा अभिमृत मित्र, भूणाक्षमि मात्र नहा,—क निष्कति तिमृत्र जगरतेषु नीयिक फरमा रमिनी व्याकामधार । [स्मितीरक मर्नन समाहित्य जन र तिमानाम जा, क्ल क जानाका विश्व जिन्नामा

भूतः टीलाक्षात्राम् सम्मानसम् नर्मनम् नम्मात्र नामितिक नमम् न निष्ठा परिकम्। १ १०६६ कर्नाहरू है। महास क्षाणाश्रम भूतिक जाही छत् । मह मन क्षाण क्षाण , क्ष्यांकि महत्र क्षा निधा,

जारतारक है जारियन भूका नयाननार ब बिनारन अन क्रम ना कतिया, अहे मून भूकार है है परिश्र

★ 機械機 「実行機能ない」を記述を示している。それでは、それでは、これでは、これにおいてのできた。ない、これをはは動き機

का का का का का का का का महिमीय ज्यां वर्ष-भूषा । का ওঁ চাৰ্প হৰ্ণ বৰ্ণ বি অপ্ৰায় ফট্। নোক পানা—ইহাসজ্ঞাপজ্ঞ ইডাদি আবাহৰ প্ৰশ্ন স্থাদি अहिमिटक नात्कानिहाद भूका क्रिटित, वथा,- खे हैलांत्र मन्जांड मदाहननिवदादात समः। (अहे क्रांम) क बाराज मनकरम-। क यमात्र मनकाम-। के जिल्ला मन्त्राम-। के बक्रमान मन्त्राम-। नैयोगानि व शामि (कार्ष, - बाक गम-गूरण के घरने खावाव नंबः। (अहे करने) के बूर्ड निविधि माशा । से मुनीटेत्र मिथाटेत वन्ते। से मूत्रन त्वत्रकानि क्वांत्र कर। से मृत्ने मूत्रन प्रकानि व्यव्यविश्रात विमित्ते

ত বারবে গাতুশার-। ও তুবেরার সগগার-। ওজিশুশার সশ্লার-। ও আমতার সভজার-। नवर्गीयका शुका।--जक्षांगीमत्र हेश्मत्रक्रजागक्ष्य--कांगिहम क्षित्रा,--ठ दक्षांपिबारेखा जन्नारिका ওঁ একাণে স্পায়ার—। [এই অইবোকশান প্ৰা আবিষণ প্ৰায় শেধে অনেক প্ৰতিতে আছে।]

नमः। [मटमामिक्टात या मासमिक्टात शुक्ता कतित्व]। खनाम मध,-- छ ध्टर्भ टमिन मनामध्य কালিকালৈ নমঃ। ও মহিবাহের ব্বেছু কচৌক্তাদি ছেবতে। মম চাছতীগাধীয় আগিজাদি इन्निधित्ता २। उँ रिक्ताविकीरेका क्रीटिन नयः। उँ रुक्तिस रुन्नभाति खेबाक्रणाति खेबाक्रणा नातिकामिक कन्नता वकान्नरमा नर्मव माखिर कुन्न नत्माश्व छ। ।। (वर्षे क्रांत्र) विक्षणामिक्षित्वा मन निमानामान प्रकार शुरू सनीम त्या ७। के मतकारिकोटेना कार्किटका नमः। के निकक्ष कष्णमधान त्मरेखरम् वन्नरेथः मक् ः क्ष्मकि मृक्तिज्ञानि प-मन्त्राकः वज्ञम्। ज्या ६। छ विषाधिक्रोटेखाः मिनरिक्र मन्तरः। अ महारमग्रीकात्रकटता थाण्यारतियातः मना। ज्याक्षीत्र कटता ब्राक्षा विव्याप नामाक्ष्ण टकाक।

विस्-नरकर्षमाता।

 माश्चिमांतिकोटका अस्त्रमिक्काटेत नयः । ७ माश्चिति यः श्रुता यूरक अस्क्वीक्ष अस्तुरम । केंका-কাৰিং জুভংবমাদ্যাকং বয়গুভেব। ও অংশাক্রিটাট্ডা শোকরছিভাইয়া নমাং। াও হর- विशेटिका- ठामुखादेन नमहा। अंत्रक भाव नत्मर तम्बी मानवृष्णः महीविष्ठाः। इस ठामुखर्माषीत्र गुक्त शृष्ट क्रोन ट्रा । छ। छ शक्तिविद्या गरेशा नयः। छ क्षण्डः ट्यावक्षण्यं वर्षता निविद्यःशृता। जिम्बीजिक्तर शंखर जनावर त्रक मार मा। ३। ७ नवर्गाजकावानिटेक ध्नीटेक मनः। भे निजरक

नवर्ष्टली कर मर्गालावमत्मात्रतम । शुक्रीर ममल्डीर मर्श्यक क्रक मार विवादणवाति ॥ कतिका, मेरमान्द्रात (ममर्थ नरफ दर्ग एरमान्द्रात) धनः महिनांच्य, निरह, नर्भ, महत, मृषिक ७ हिक्कि विक् अध्विति एमस्कात्र मधामास्कि शुक्षा कतिहत । क्रशास (बह्मान क्षांत्र मिन्ना, स्तिमान [ान्य ३১६ गुर्का है ड कार्तिक कतिता, खद गाउँ [गय ३२० गुरे।] श्र्यंक व्यमाक्रप कतिता, "के ही बि" यह छकाष्ट्रनान्त्रेत ख्याम कवित्व धवर छ्यीमाठे ७ ध्र्मा माम म्यापि क्रित्ना । विके मित्न मायकाम महक न्त्य, व्यक्तियांच मत्यांम, नम्मी, नत्रपञी, कार्षिक व्यक्ति एमत्यांमिराज्य गाम (१४ १४ ११) भूमीक मार्थाम्म खबणदत, "& गाटकानामारेत्र मन्त्रवादित ननविनात्रादेश कृषीदेत नयः" अहे महत्र भूष्नाश्रतिकत्र पिटवे। मर्काछ। एक मधन मिश अभिरव]।

गर्गर्भा-भूषा।

माएकाधान, क क्षेत्रभाम [१४ ७० मुद्रा ৮ नरक्ति स्ट्रेए] कत्रिता, तमरीत्क किया मुस्क मध्न आक्षित गविकास यिन मसुमीयक क्षिए, बर्ट, भरवम, त्रमा ७ नविधारत व्यामक्टि श्रमा करिया, व्यामाधाम, নিড্যাঞ্যা গ্ৰাধা পুৰ্বক উল্জোদক সহিত বিষশাধা নিজিত দককাঠ নেইয়া এই মজে দিবে নাও আইনলিং বলো বৰ্জঃ প্ৰদাঃ প্ৰ বস্নি চ। বনা প্ৰজাক নেগাক ভলো থেছি বনস্পতে । পৰে, নাবাচ ब्यावानी कार करें " धरे महत्र भूमा निरंत्रमानि व्यत्नाकम भूसक मात्राक्षांता, कामनवित्त, क्रक्रिकि, मुन्। कृति तक किया, के कर्नात देवन क्रिया अकन श्रीक जात्माक मत्त्र नक्षेत्र काक भाग क्षाहित, [७ मुक्ती क्रेटिक एमध | व्यक्त क्षणीय प्रशास्त्रा वीषमञ्जातियम्। विकाधिकात जिनमे मासिर्य। कर्षारव, अग्रामिनग्रम, कक्ष्माम ७ व्यक्ताम [३३ मुद्दा ३२ न्यन्ति तम्ब] कतिर । नरत, त्मनीरक ग्राम िगम गर्र मुक्की । पूर्वक मानरमागिष्ठारत शुक्ता धावः विरमवाद्याणि स्थानम ७६ चावात्रमाक्ष्याणिक शुक्ता धार श्रीमार्ध सोन केतिहा, एन्योहक दाक्तमार्थहास्य ि १३ शक्ष स्क्रिक प्रका काम काम्यार मार्थक

लिवेधां के वर्षा काकि मुक्ता का ब्रिट (১९ प्रै:)। भटत, (बाहतात छा। क्रिया, क्रांशांकि बीनकान, (१म खांत्र, मराहेगीत का वतन शुका।--अधराम मुख्यी शुक्रांत्र कथिত यकुरम्म धनर नवनिविक्ता शुक्रा कतिरत। পুলাক্ষিণি এর দিয়া, এতিমাত্র গণেশাদি দেবতাদিশের বোজ্শোণচারে পূলা পুর্বক শিবাদির ও চিক্সি 588 मुद्दी) मुस्कि कांत्रविक, अमिक्न, खर्ताति गाउँ (नम् जात, ३२- गुर्ता) उज्जाति, इत्ताताम, बन्ना क क्यांदी भूकानि कतित्रा, ट्लारभारमनीनि कतित्व। जन्मे रख्याराजद हाथ पादिरल क्रमध्यिका कि विद्यास विकिशानमानि कतिता, धुटसिक्चि विवशक बादा,—"डे झुर्त झुक्ति यारा" मध्य पथीनकि उदमात, मखनग्राम् भाषा भ्रमात भ्रमान महेमान ६ मारा देवांडामा न्यमानित मार्गाह्न भ्रमा क्षिया, इष्ट्रायिक त्याणिनी खाज्जित शुखा इहेएड नव टेडतायत शुखा भराक्ष कत्रिक (नम खाराजन ३०६ भरत, मखरी शुकांत जायत्र क्षिड हेसानि लाक्नारमंत्र भूषा (১৫ भृः) क्षिता, एक्ष्रीरक मुनमध्य out to the said of the state of the state of the state of the said of the said

मिक्श्यिकात विराम विवस्तालि । म जारणात ३०० श्रीत तम्या कामिकाश्राप्ताला कामुखाक भाग

Ceta eface 1 Se

थर्षा, -- ७ कामी कदानतक्ष्मा विभक्षान्तात्रभाष्मी । विध्ववद्योक्षत्रा भक्षमाभाविकृतमा । वीनिष्ठर्षत्र । क्यांने श्रेषा धरा रहीय ७ मिक्शिक करा कर्डा (भ्य जारनत ३३) भुन रम्स)।

্মহামব্মী পুলা।--নব্মীপুলা মহাইমীর ন্যায় ক্রিতে হইবে। এইদিন প্রভৃত বলিদান ও ভ এগাম করিকে অহ দৰিহুক নাকাও পদ্ববিত লগনি ভোগ দিয়া, আর্ত্তিক ক্রিক। ভংগায়ে, ধানা ভক্ষাংসাভি ভৈরব। অভিবিস্তারবদনা জিফ্লাললনভীবণা। নিমগ্লা রক্তনগ্রনা নালাপুরিত দিলুবা। ্বিজয়। দশ্মী।--নিত্যক্রিয়া সমাধা পূর্বক ষ্ণাশক্তি দশোপচারে দেবীর পূঞা করিবে। পারে, नेक्टल विटानवब्दल किव माठे शूर्तक (नम छाता, ১२० श्वेत) टामिका कतिया, जिस्ताम क्रमाकिनि≈हान कृषाबानि रहेश। पिष्टित, 🕳 व प्रशीमः क्रिशाशीमः विषशीमः वमस्टितः। प्रति स्वत् । अर्थः स्वतः प्रव धीनोबोनास्थाति॥ भटः देवरीत्र व्यास्य व्यवता एवकतिहरत्व नत्र किन्छ। कत्रित्।, 🐣 क्टर्न स्विति व्यवस् विजित्र, चटडे खेल क्रिया, देशां मेमूटा (मथाहेया, मरश्व मुझाबाया निर्माता तहेता, झेलाम (कारन झेड बिकिना मकत्वत छनत "७ हरकमहेश नगः, ७ निर्माता वानितेम नगः" ग्राम मुमा नावित्त । नाम, প্ৰতিষা চালনা পূৰ্বক ধৰিয়া পড়িৰে,—ও ভতিত্ৰ দেবি চাষ্ডে ভভাং প্ৰাং প্ৰস্তুত চ । জুক্ৰ মৰ 中国打造和副打造、新门面打造、对西门、外面、外面、外面、西门、西海山、西海山、 (4) (4) अभियमांत्र छ। यद्यमिक्य महारम् विभीष्तं कमक त्या। जम् पर त्वाकमि मृत्तु कि विराह জ্ততে । বাদ্য কোলাহল প্ৰক্ দৰ্শণ বিশক্তন করিয়া,—ভ'নিমজ্যাভাদি সম্পুল্য পঞ্জিং থিজিউপ

गरीख) मान टीकराशांक यह निष्मा, श्रदा "७" महाराम त्यरा अपि - वेट्यानि माराज्य नारिक घड मजिष्णक नेरेडामि नेर्यकामार्थनिष्ट्य हैडाल (१म डार्जन ४० श्रीत ५म भाष्टि हरेष्ट । भाष्टि লতে। প্ৰাহুণিযুদ্ধাৰ্থ হাপিডাসি ময়। কলে। 🔸 ছৰ্ণে দেবি কৰ্মান্ত মহামণ গ্ৰছ চিভিকে। मक्ष्मव याजीत्क क्र्यम्बाशयमात्र का क्ष्मार श्वार महा तम् क्ष्मामिकामिकामिकामिकार क्ष नमानोत्र खेलन कानमूख्यः। छदनात्त्रं, व्यक्तिमानवात्रन् छ देनछन्। नमान्त्रंत्र कत्तिः अवतः "ध" क्षाचान (অ ৮৬ পুটা) পাঠ করিতে করিতে দেবীষটের জলমারা স্পরিধার ব্লহান অস্তিজ্ঞ স্তত্ আভিয়েক 中代多利權利用 幸福的 计多数表示器 网络阿拉尔斯人第十四周 经数据 医线 经存储的 医电影 医线线线 医线线线 医线线线 医多种性病 医乳球虫虫虫

POSTER OF THE SERVICE

ं ७ ७६ फ्टिकिमार्काम् १ ठळारकाति-यमी उनार । चाउन-यत्रक्रकार कुत्रवित्रमान्त्रकार । माराध्यक् मस्कार ठक्क बाटेक क द्विकार। वादर शाह्मर मधानीत्मा क वजाबन क्षिकार

मरधा-कृष्य-यत्रदाम मामार्ष्य ८६ व्यक्ति । ७ मामार्थ्य (७२५३३-मिर्श-माम्य-माम्य-म्बर्श-म्बर्श-म्बर्श-म्बर्श-म्बर् দিডাই গীঙবাগনে বাস্চেৰ-সম্বৰ্ণ-প্ৰয়ুগানিক্দ-ক্ষলীৰ-মহাব্যাই নগুসিংই-বাসক-ব্ৰিক্তিক্ষ-শ্লাম-শ্লাক্ रेखा - निमाध क्षा थ-निष्-रमाभिने-काकिमी-कम-शुरद्राशाम् अरु-मक्षेत्ररम्भाम् अरुक्षेत्राक्ष्मे दक्ष गर कर गठ गठ मध मध निमान विभाग विभाग विष्यीक विष्या विष्याक मध्याक मध्याक मध्याक मध्याक महाज माहा (त्वमत्राम) विधि-प्रस्थे थे, इनः खीष्यभन्ना किछ। तम्बा ने ने विके क्षत्निष्ठी निक्र क्ष नीर्वात्र कीरिशामार्थिनमहित्त । त्मयण्डाशाश्रीकात्र शक्कृदाह्मात्र कलाज कांक्काज व्यक्तिकात्र व्यक्ति गुलन गमत्री त्रवालन राजन मानत छत्री क्र क्स यात्र। अ महत्रपाद्धां महाधाद्वानुक्षा के मर्ताणीशिष्य करण विनित्ताशः ॥ यार्क्ट ७३ डिमा । ज्युष्यः मुनक्षः महक् मक्कायार्थानिक्रिक्षाः জর বিজয় বিজয় অভিত অভিত অনিত অসিত অপরাজিক অপুতিইত সক্রাম্থ্যাক্রিকাশ্রেকাশ্রেকাশ্রেকাশ্রেকাশ্রেকাশ্রেকাশ্রেকাশ্র कामिकमाधिनीः एमतीः दिक्यतीमभन्नाकिछाः । ७ नत्मा स्थावत्स् वाञ्चत्वाद्य महामारुष्यमञ्जाद्य महस्य क्ष्मम विकास निष्काम रक्षतम मध्रमम सर्वित्रार्थात् मृतिः म्यार्थात् म्यार्थित स्वत्रार्थित स्वत्रार्थित निम्नां असिक्ष क्षांत्रमा क्षांत्रमक्ष मार्यामद स्वीरक्ष क्ष्यंत्रांत्रम् नर्मास्त्रक्षांक्रमः मेर्ककृतक्ष्यं

वा छत्वर । व्यक्तिमान्नमान्तेषः विदेवः मानिष्यु किरेडः। उत्तर्षाः ७ जन्मान्त्र आकारक केटम.अस्टर चक्रफाठ मार्थित शात्रीक काष्ट्रदम्ति मांगटन्तर नृत्रपछि धम्मि बाम्नि बर्माक बाम्नी बाम्नी मानेन क्राफ्रिक नरमार्घ ७ याहा। व हेमामन्त्राक्तिः नहस्ति नक्षि क्षिति नक्षि पदम्बर्गा क्षात्रक्षाः म् अवस्थाः म् मर्गस्थाः म् योजनस्थाः म् मगुत्रस्थाः न*्यास्*क्रासः वाः स्थानस्थाः मछास्रोधिन अस्ति अस्ति अस्ति अस्ति अर्थानि अर्थान्ति अर्थान्ति अस्ति। मत्त्रीतिहत्तातिहत्त्वति माठः मूर्यम् विद्यात् व्यवत्त् व्यवत्त् व्यवत्त्र मानिति व्यवसूष्टाः जाना मान्त्रः नाम्भित्रक्ष मिलार सस्तिमार कर्नाङ नर्गाङ न्रामाङ न्यात्रिक भावत्रिक भोर्द्राक नाम्ब्रीक नाम्ब्रीक नाम्नीका सरक निविधानिक में किन्या निविधा ग्रह योगित्र वा कम निविधानु नहाम निविधान क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क क्षित बालाककार और विक्वादिर बार्गित (शद्रम) शत्रम् सरुत वभीकद्रप विवासका स्वाक्षीकः व्यक्तिकार् ধয়ৰি ধাবীৰি সোজাবিনি জাৰতি দিভি বিনতে গোৱি পাজাৰি শ্ৰাৰী কিবাজিকি নাডি ক্ৰাক্ত মূকে মূকে মূক্তি লল্ফে জ্বিডে জ্যাতি অণ্ডে জ্পুর্যিতি পঠতি নিজে (বিন্যে) সুরজি সিজে খ্রাবিদ্যে অক্সান্ত্রে क्त्रतीकः ज्ञत्रतिकः क्षयतीक्षत्रकः योः उक् उक्तात्रक्षकः महत्रीन्यरप्रकाः घोष्टाः वर्षाः वर्षाः

निविधा श्रीशतक पर । जरन त्रावकृतन माउँ मध्यारम त्रिशुमश्करन । जनिकार শালিনাজিক আমিজ্ব সভতজ্ব বিষম্প্র অহ্নক্তদোষ্ট্র এহাংশচান্তান্। ও হর হ্র কালি শর শ্র त्मीन बम क्ष विरम्। जारम मार्ज मार्ज कारन अरक (वरक) नंड नंड विरम्। मुष् मृत्र माण्य मांग्र मांग्र मांग्र भूनार शरकी यो नेकास शिमा। विशरक योगका मध्याः कांक्यक्षांठ यां चारत्। कुर्णनाय्विष्यार विष्णाः विविधा शहरत्रः नम्। विद्यारियां निर्णाक शुक्ता शुबिने स्टावरः। कुक्तारक कृत्याम ककः सहात्रो : ज्यापर । महाक योत्रत्र कार्य क्वियमित्रो । 'क्यु-मूर्वाकि-द्रांथापार क्रिक्र व्याहिक हाकूर्विक बामिक रेष्यामिक रेष्यामिक टाक्सामिक वाचानिक प्रोक्षिक बाकिक रेन्छिक्रोधक क्रम्यमस्य भवनविम्हिष्ठ क्राय्यव्यत्य क्रम्बिमामिन स्रोम्यभिन मध्ने मध्ये भवति भिन्निस् मामक्षण माषाः। मिटबादबान-खन्नामा मामिनीः मन्तिमिताः। अत्यम्।--जेकाकि मामिक মানসবেশে শ্ৰেদি চঞিল ব্জিণি গ্ৰিনি শ্নিনি অপমৃত্যবিদাশিনি বিধেষ্ণি শ্ৰিকি-আধিক্ मार्डामिन मरहमति हैमानि बन्धानि वादाहि मारहिक त्कोमानि डिज डामुर क नत्माक्ष कि। के हा हीं हैं कि हैं कुछ कुक चारा। उस मार बियदि अछा भर भारता भर ना जान मन्त्रीमें श्रम हम सम्माम भागर कृत देश हो क्षा हो क्षा में विकास विकास मिल कार्यमा निर्मात कार्य निर्माण कार्य कार्य

0

हेष्टि विक्रुशः मीष्टतं छुडी अकारत (जारमाष्ट्रेवक्षी) देवरणाकारिक्षा

শণরাদিচা জোবং স্থাধং। ও ভংস্ক ০।

उँ नमाछ भारामा भिष्य माझकाण, समाख कर्मग्राभिन विषक्रामा। नमाख क्राष्ट्रमा भार

माहि कार्य ५७% जात्राती तरण मोक्टा मंक्यार्था-रुन्तम मौगटक जोख्टा बोक्टागट्ट। परमकोगिकार्षित विस्म, नमहत्व समित्राति जारि श्रती। ।। नमहत्व मशिक्षामानम्बर्ग, नमहत्व मश्रतिनि कांबंदाता। नगरक नगरक नगनमन्त्राण, नगरक मणकानि वाहि कृत्ता १.१ चनायक मीनक क्यापूरक, बतापूरक टीटक तथक बरवा:। एत्मना शिंडाकीत निष्ठातकती, नगरक बनाबाति मिछोत्ररक्ष्मंनर मग्रमात्रि वारि धर्मा । ष्मारत महाप्रधात्रक्षायरमात्र, विमध्मात्रात - नामा त्मात हार्ड मिए क्षेत्रमार मत्रष्टाक्ष्यात्रामण्ड कारण। विकृतिः मही का मधी कालगाबि नम्द्रत मग्रह्मीत्रि जाकि क्रानी। नमक्षित हल्लाक्षित्रीता-मक्ष्मिष्का मध्नाद्रमक्ष्माताः। महमूका मिक्तिमार्जक्ष्यी, नमात्य क्रमुखातिनि वाकि घृत्मे। प्रामक्षिक्षात्रिका मुख्यानिका-ट्रनिशिष्णामामिका द्वापनित्री १। हेड्डा गिमका मः यस्मा ह नाड़ी नमस्य मनधानित बाह्र कर्तना १।

্ৰতি বিশ্বামুভতে শাবিদা বিভয়ে পাবিদ্ধার করে। বিশ্বামুখ্য বিশ্বামুখ্য বিশ্বামুখ্য বিশ্বামুখ্য বিশ্বামুখ্য বিশ্ব (र्हामभष्यीय व्याज्या विषय । গুৰণয়নি সুৰাধাঃ দিছবিভাগৰাণাং সুনিমস্থল-ৰমাণাং ব্যাধিদি: পীড়িভানাং দিন্দ্ৰ ব্ৰথকীত্ত্ৰভাৱাং नोव मत्महरा मृति मत्ती बनावतन । नमकः त्रानत्मकर ना नः गत्रेर जिन्छन्नमा। अस मन्त्रुम्बर रुषा ज्ञाद्यांति नेत्रमः नामरः। अर्थतार यन्त्रः तम्त्रः त निकाण्डि कृष्णद्वः। ज्यत्राण्यिकः एति STORTH STORE OF THE STORE STORE STORE SECTION स्कामि ।--कीम मुकामूर्टीय गिलम ब्यम्टन चर्गार क्यूरे श्रेटि ब्यम्पियानात चार्याता नरीक भिमार्थ 'अक कार्ड हत । वसमारमत क्खामित स्थानिहे मन्द्र आधि, ज्यकारि वासर्कत सम्बन्ध (क्ष्राकः) गांगाव क्षापित थानापते बाय स्टेरन। कामन मन्नि मनीड मध्यम निकृत्यान म्याध्यातिकातिकः, स्वति मदनस्यक्षां स्ति कुर्म स्वति । १० । १००० ३० ३ ४५६ ३५ ५०० ४५६० क्षा त्याबः महात्याक माणक्षात्मधेकः। विमहात्मकमक्षाः या मध्यतिक मृत्रतिका महिति

घक्षे क कथानी म बर्जामान महिमान कार्यात "व्यापन" कर्ण । "मुक्कियुक्त" समिन महिन्द्र कर्ष्य क्षेत्रक स्तिध्रोस्तित क्षकात्र नर्ज्यः नतिशानत्क 'क्षत्रक्षे दर्जा। क्षिकानित्क क्ष्णानित्र क्ष्मानित्र क्ष 我被傷人不過過過 一日一日 軍人都是明日 一日日本 क्षणा कास, के मून्या क्षम हैयाता यात्रिता महेटन।

শরিষ্ঠত বারুফাবিশিট অভ্যক্ষাণিত ভৃষিবহিত গোষরোশবিধ কৃষিকে 'ভৃতিপ' বলে। । ক্ষ মুডিকার तमी।--ममष्क्रकां रख्यान देक धनः ठक्रवाना मेर ७ वाक धनः मूर्व क्षेत्र कार কিঞ্ছিৎ নিয় চল্লাভগাচ্ছাদিত গোম্রোণীলিও পরিয়ত ভূমিকে 'বেদী' বলে। হোষাধ কাল্লাক হত অব্যাণ দীহঁত এয়ে সমচতুলোণ এবং কেশ তুম মাদার ও শক্রাদি দয় য়াজিক। আপুণ্ডি রহিত ইপত্ন ছোবাদি ক্যা নিবেধ একত একণ হলে স্ভিকা ৰেপন ক্রিয়া লঙ্যা উচিক। সুক্ষ त्यामसिएक कुंच मात्रमात्र कृतिएठ एष, अष्टान जमांत्रजेक रिस्तवनाष्ट्र केरा सिविनाम जा हा छ । ं क्ष्मीकि।--ज्याह दुशाहा ख्यार्त क नमना कहे गानि मनाक राजनाम धारिकोर्ति क्षाणक एक्ष निविध्यक स्थाकरम यस्थ कवित्यतः। मध्यात्र ७ मुका अकृषि कर्षाक (कारम स्वयः माहेरः एकार न्यिक्य শাভাই ছ্টালে, "ভরবন্ নারায়ণথং সদজো ভব" এই অংকাদের নারায়ণের উপর অভিনিধি দেওয়া ব্যবহার मारिक्षा दिशानीत करने (सोकात करु यो व्यक्त किया कर्मिक व्यवश्रोकक गतिमन्दे ट्वक्स उपवर्शक

3

माधिएक मिष्य पटन। दशमीत मिष्य प्रकृतिक चाविक दो ज्ञान कुन क्षेट्य मा अपर अक्षाना क्ष्यति विका मीजीमि मुख्य दा हुन १० वक्षतमुन, नमान, ४५ (रम्बामानामे) ७ क्षिन कर्नित मात्र अवस्थानामान नांको बरलन करन लग्निम्छक क्षमस्ति ग्रामक मात्र मात्र क्षांत्र प्रमान क्षांत्र मार्क क्षांत्र क्षेत्राएक । ज्या व्यक्तव हत्त व्यम् व व्यत वर्षाम् क्षिय वर्षाम् (राजार क्षियम । म्बिकार्टः वाक्रक्कः म्बापि नाउम्। करिष्टि माहाम कान्तिक 'ज्यमेनक' परका. रहाधा अधिक जाक्षि ! - जातिए हास्कृत बना रहामीत सर्गाक 'जाक्षि परन । नामाझ्मका मधनामीत क्रिंग्रक जार एश्मिक क्षा अक्ष्री मंद्र वाका कि मान क्षा वाका क्षरिक मा লেম্মটনদীদিমের অনিনিদিট সংখ্যা হেতু অন্তন ভিনপাছি । যায়। সচিত ক্ৰমন প্ৰাশ্ব কিছা অনৰ্থ नम्छम् को अक्षिकमान क्षत्रा होताक छन्। यद्भार विष्या विष्या क्षात्र क्षात्रा क्षात्रा क्षात्रा क्षात्र क्षित्रां काक्। क्षित्र । अञ्चन क्षमुक्त् निर्मान त्राधिक कृत्व अपर क्षत्राक्त न्यक्तिक क्षित्र ्टिंगिक्टी शोककरक 'ट्रांडी' यता । डेड्रांशीन निर्डिक कड़ मुख्का कामन वहाक 'डिड्रोक्' ब्रांडा नुष्ट का क्षित्रपत्त क्षेत्रपत्त विश्व तमान्त्रक भाष्ट करहा 'जक्षी' बरला ' 'अहे जक्षा क्ष्मिगा थि नवाड (योजी हहेता जिसिंहे क्षान्य क्षाक्षित मुस्क बरहाज

गोंको (जास्तास्य व्यतिव्रम्) औरक्षण स्थमान मानिको हसम्म भून्तकः कार्ण विश्वतिकः जनिवकः कविष्टत हाः सून्त এম কুল্যতা অত্তির আহতি ত্রিগতকণে গ্রহনা ক্রিতে ‡ প্রিক্ত বিষ্ণত ভ্ৰক্ষীরাভিত্তুশ একং সর্পন্তই আন্ততি সুক্ত জানিত জানাদি পাহাকি মতে। হোম ক্রিচে হয়। বিশেষ আছিতির গাজ, ভিজ, বব, গোধুমাদি শত ও নাকা এবং চক প্রভৃতি এব্য কার্য বিশোষ আধ্যতি । ব্রক্ষা এইকেই। अस्ति क्रांत वर्गतम् वागान क्रमावहे वाक्तित्यं वांच् वांच् हेत्। त्यात्रीक्षेत्रक्षात्राहे व्यक्षात्र क्षित्रे পাজিলে, গন্যকুত মাত দিয়। হোম কয়। ব্ৰায়। সব্য যুকেয় ভাতাৰ ছগে সাৰ্থ হৈত্য খামাও হোম मित्रा (आक्रम गुर्म क्षक कदिश वात्रहात कतिरत । "एत्रीम कतिरक" एकरन खरे वाक्राहः जारहन क्या नाहना मार्थिक नाटन, मक्ति वास्तास्य बहे या वाहीतिस्यक्ति किया जिल्ला व्यक्त क्षेत्र, क्ष्रेया, व्यक्त

aliere alpfe ancientus nife ceta blaca i niacablical fovette few view eters लकृति सक्षण नामित्रकाक गर्मामाथी नामिका अन्य अकृति मृत्य अकृते त्यांच कविष्ण अकृत्याती क्षांचा वासिक क्षांत्र कविद्य । रक्षांत्रीत क्षक कांत्रतीय ताथारे वानक निक्ताति रेक्कन नायब जरूर मूक्त इक्षेत्र मारजित कुछ काथा वातकात ज्ञाहक । प्रजामि तक जन्म मार्जाताणि कुछ भ कि कि के क्षेत्र कि मिक्कि थाम शहेरक किथिय ज्यान कदित्व, प्रवाणि गामाहेना शिकिना भिष्टमा अप्रमा ज्यान

ð,

কিছা বিষক্তির বা পদির কাঠের অথবা গলাশ কাঠের বজকাঠ হইয়া পাকে। হগুরামাণ্ড কৃতি ব্যক্তুনি ् सम्बद्धा स्टिम् दे दे व काम, केष्ट्यम मूनमा त्यक्ष वाकृष्टिक सम्बद्धा वत्म । मार्गाभाष्टा सम्बद्धा নিভ্তন হাজাক নায়ত্ৰ, জন্তহাগ এবং চতুহজুল বিভ্তন্নলোশ ৰে কাইণভ খায়া আৰম্ভঃ খুডাদি এইৰ ক্ষিতে ব্যুতাহায় নাম "ক্ৰক্" এ কৰ্ বামা গৃহীত স্ভাদি অধিতে আছতি দিখাল অম্ क्क अभाग मीर ज बच्चार अञ्चलका का अन्यन निष्ठ (मानाम कर) मर्क नमिष्ठ प्राधिक শালে ্ট্রগুলাদি কাপন করিতে হয়, তাংগাকে তক্ত্র বর্জা। তক্ত, তার নামক ছুইগাদি পান্ত আক্রান্ত করিও বেগ্যুত্ত কর বার দেবোদেশ্রক প্রস্তুত হতের অবশিট ভাজিট যুক উচ্চতে সংলগ্ধ থকায়

डेवा जाकाशास्त्र मा स्थार को छिन्छ अवतः ठक (बार्मानिएस्ट डेबार पिटनेव वाद्यानका । व्यक्ति पुरासिक संक्रोकृति कालि क्रिया, छेश मध्यस्य पात्रा शास्त्र पूर्णक घर्णाक संस्था करिया बारमधूरेल नोस्ति स्त्रोशं कतिवत्। अधित केविवास्त सतामि यांगमायं त्यापित सात भक्षिक स्तारमः सम्मानः कार्यनः कार्यनः শাজকে "চন্দ্ৰ" বলে। হোমীয় ততুলাদি পৰিষ্কার কবিবার জন্য পাশ্চিম আনদেশীয় মন্ন বিশেষের জ্ঞান गतिक वाह्यन् अमान् कार्रे (कषत्रक 'केष्ट्रथन म्डन्तै क्टर् । जामान्त्र रहामान्तिक नेनामनंक निष्णा-कष्ट গতে নিৰ্ভিত ককু কৰ ছাবাঙ হোম কবিবার বিধি জাছে, অজ্না কক্ কাৰ্যদিষ্ঠ পাৰ্বহৰ্ত ক্ৰী এক্

ध्यरत्रव महिवदक्षं कम क्षांत्रजाव दिनामा अस्ति मार्बास्त्रक लक्ष्यन मार्बहात क्षेत्र । कक्ष द्वारत्रत्र क्षेत्र ल्यातसः विश्वां कोक्सिकारक "त्रम्मक्" श्रमा । त्रमान १ वन्न भरत त्रम्म बांश्राक माम्राज्ञाम क्हेरकः पुक HORIS SHI STIR !

्कारोहे कार्का-कांग्राह्म, कायगृष्ट (वृत्ति व्यक्ति नार्व कर वृत्त्वाचीत जाना, नातिस्था ा ट्रस्टमारमध्येक व्यंत्रक माजारमिष्टे स्टान्त्र पुरु क्षिक्टे व्याप्त स्क्रांत्र के ट्रमजटरा द्रियामानिक 大学 湯 ないので はん からら これ amer mpfe wie anteln niels ait teten eine noe, feutfe ninein bitte afrifen हेर्। क्षे कारण कामि शुक्षणित्यात्व त्यत्। ्ट्रामीत्र काहे क्षण पाता - ट्रामण संवित्र। तावकाण कतित्याः नाम गोष्मध्येष क्षिकात प्रकार भूरताहित्त्वता देश नहेरन कर्षक्रांत केशाफ कार्माक ना क्षाक् केंक्टिक किन्द्र मुख्याविष्टमा (मानाकाष्ट्र क्षेत्र) हिरास ग्यका कृतिश प्रज्ञासका कर्निटम,दास्त प्रमान्त्र क् रामस्वितः । काक्षिक्यक्षेत्रः विदल्यः कृतं कामेल लानवा । स्वित्तक् रहात्र चात्रक् विश्वतक्षात्रभयक्ष्याः व्यक्षि ्रक्षि — मन मन्द्रोत क्षीत, ठा तः नाति, मध्यतात, मध्यताति, सम्बिताति ध्या क्षीतातिक सङ्गाताः कार्ड मक्कीय अधि क्रेट्टक क्रीड्स मांब्रक्षात्रा क्रिक्स अधि क्रम्भ खम्मु, अक्टीटन मुख्य मधीन क्रीय क्रीति भाष The late waster |

3

मक्तम में का राज्ञ । एवं व्यक्ति केंक्य निवादिनाने या एमानामात्र निवा माधिक वाक्ष्य मिना छक या त्य सिक्ति कृता सह द्वाराणि युक्त वर्षता श्रीवाण यत्र नार्वपूर्वक द्वार्थ क्टबन, विका त्रिक्षांत क्राप्त angennen mitte cein vern. foln unimen mu erne : en, ww. wilnun, ninind. मामित्य ते शांकि त्यांत्र करता, जिति मामधानु शतमाः त्याति मानित्य पूर्ण, वय, राजम क्षिणा कृमविका स्वेरम, खाछाक अक्त कर्यात्रएक् विरम्प विरम्प नामकानानि कृतिए स्वेरम, अक्षरम अपिnaces offen minigo an tiels say for a respect one as a personal properties. Gelaufu, proinfifft, port fin nifes, pfuge fort pfierfinein-fittige स्मित हुए ग्राम् । त्रम् मक्षात क्षित्व मा क्ष्मात्रात्ता भवि धामन क्षा धनका। uft pingute ufer ce atrese ent en, siet af auft einer er auffe affebt fon ग्रंताम्ब्रीति (त (कांत्र कट बाकांड क्ष्मीतिवृक्ष शत, कटर के चुटनरे व्यक्ति वित्यम् त्रांत्रकृत्य अगः ধূশিনাটেই ভোষ: আকায় নামকুষানিম প্রয়োজন নাই, কেচ্ কেচ্ কুলুণ মূলে জুনি স্থাপনানসূত্র पिषक्षणे सावक व्यक्तिक मारावत मारत मायकानाकि कवित्रा, अकृत क्ष्यांतरक विराप जातानित्र विद्यान अहै नारम मानासम मुखापि कमा कर्चना, जरत्य नह मध्यात ना दर्शित अधिकाणि नामा क्ष्मीमितिमक्

্কাৰ্য বিংশংক লাখির নাম ৷—ংনাকিক কংগু কারির নাম পাবক, গ্রন্ধানে মাক্ত, প্রোধানে क्षणी कर्ण देशकिन, गीनरकाशहत मश्तम, काछकर्ती व्यात्रम्त, नाबतार, भावित, फाबव्यागरन क्रि, कृष्णि वास्तु जिल्लास्य महस्य (जानानाम्) मन्त्राट्ड क्री. (कर्णाकाष्) सरक्षात्र व्यक्ति (बर्शाम्यत्य) रेम्बास, विवास तावक, छक्ती त्यांत निनी, इतिशाम नांत, वात्रक्ति (वात्रक्तिकाम प्रकाapiefie chieffers frig, borgeipe celte mate greiens a aus bistisco nien, nweetete स्क्रिटकोध्य क्यामन, जुर्गक्षिक मुक् माविकाम (राष्ट्रपामक (क्षामाष्ट्रक) त्या, त्योक्षिक (steffnnntifffnnntige ceten) ann, wiselte colle, bottb man, forsinten wien, und mitten ं सुनिक्ताम गोरह, विक्रीहः क्षांचरतत बना ले जाति शानांचरत गरेवा;फाशास्त रहाय क्षित्रमा क्षेत्रमात्र केष्ट [करारात 'तम्म, मामकात्रीक मगावर्षात के।सम्बद्ध मारक्]। अस् तस् १५६ १६६६ कारका क्षिएक, खेनपुक्त कृतिहान, त्रवाकत्तन स्केट्ट (त्रवा सङ्ग्रकन (यश्चितावात यूर्त) नक्षक कृतिरमावनकन

4

ः अन्तिवा - मार्ड मुक्टित अस मृतिक। स्त, मार्ड मृतिकाव मुक्त स्त, में ठाति मुख्य सर्वात, यक्ति pfilen, us genta auchmites nien volen : dras seine finen eine han कृतिकात शूर्वगात तकेता थारक। अन्नमं शाम विभिन्न (काम्का सामित्य कृतिकातन्त्राता अकुम inie nenta efte : Gete gia efterie bon solle nentaigen colur nenn ben-क्षिता । जिल्ल द्वाका (किंग व्यक्त कर्षद् ग्रंकत) गरेरत । मृंबना व्यक्त प्राथतिक प्रिक प्रदेशना

aufmin angama ubiblieft aleften daffeitel einelben, wien muin ein genen erfiene मा क्षेत्रण ग्रामिक स्थान क्षायोन कतित, सरेक्ष्ण क्ष्मक्ष प्राधान, जक मन्त्र तक्ष wantift i- ance ningtalfe nites muna feets mein nien unter unte, ware KA AR AR AR STREET WITE .

रामगणकीय कार्यका दिवन

নাৰাজ্যকুশণ্ডিকা বা বারুষাণুঝাদি।

শ্বতিদ। – প্রধাস্ত কুশাসনোপবিষ্ট উষ্ণীয় ও তিলকাদিধারী কোতা আচমুন করিয়া, খী। সন্ধুধে (আধুমানিক হন্তমাত্র হান ব্যবধানে) নক্রাদি দশ্ম মুভিকা ও কেশাদি রছিত পরিক্ষত এবং চন্দ্রতিগাছাদিত ভূমিতে সমচতুকোণ এবং হলপ্রমাধ (কুশাছার।

मालिहा) गेषि ६ टाच कृष्टिंग वाल्कावाता त्रवना क्तित्ता भारत. त्याचा थीत बाह्र म শ্ভিলের (পাসুমানিক প্রাদেশ প্রমাণ) উত্রভাগে ত্রিণত ও সুশ সম্বিভ ক্রপাত शानन मंतिरंथ। अरनात वर्षि शाननाष्ठकारी त्यत्र ना दश्ता नरीख, ते बाजुन्यन • नत्या बार्सानाः नक्याम नम्बद्धम् धकानाः नरसम्भितः। रचाव्यविष्यमुष्या धार्मा अधि ক্ষীবাকঃ। স্মুবিদ ভারতর ফিনাত্মধীতা বেদং ন দিখানাতি বেদেধং। আব্দিন স্কলমগ্রস্তে नाकार्यकि ज्ञानिवृक्षनीन्ता । भट्टा यज्ञावकात्म रक्षिक्याः। यथा त्यारश्यमत्तिकार्यक्षात्मा रुक्ष्यक निविद्यात्त्रमेन महत्रमं अभिद्रशंस दा दर्जाठ दासर्क सा मनीहरू च्यात्रात्त्रक या उन्हेस्कचनपण्डाच्यात्त्र

. 5

aitun einis spilatogo unbo fronte famin pffun uiffre निम्ह सन्।। व्या निकाम क्रिय क्रियोध क्रमा महक्राह कांत्र कृष्टित माना ६ बामकाष्र किष्ण आष्का कैनास्त्रमंत्र कृतिता

the tradition while attentations posters unter our est atta und con an affertigitation caniq unto universitive nutili auty : vairevita un un fentato urundune (त्रमासत्रत ।-- a क छ क्या तरेता, (पण्डेगाता) छाश यात्रम प्यकृत कारिति। शहन भूसंक (कृतिहास माहित्व कामूकात्र मिक्न न्यारक प्रकृषे मात्र मात्र न्यांकित न्यारक प्रदेशकृति मात खामि कतिया,) देशबंक दिन व्यत्ति क्ष्रीवित्रुत्व के कुन्त सुर्गत कृतिरथ १७। असा बक्क कृमा महैता शूर्त्वात करम धक्षिश्लीक प्रकृति मानिक्का । युधितात निक्यकार्ष क्षे पश्ति बनः क्षितः पाकृते बांत योग छात कतिता क्षेत्राधिमूच काणम कतित्व। १। जनत वक्षि कृषा गूर्वक् भवाकृति मानिका (विक्रीत दबरात हाति व्यकृति देवचात्म क्षपत्र कृतात्र बात शतात शांवता) क्षणाण्यिक

क्षेत्रकाण क्रेटड क्रिकाछित्राय नामियन अयर क्षेत्रक क्षेत्रकाष्ट्रक्रिक मुक्तिकारम अक्षे आस्मित्रमाथ कुमा जामा कतित्व। ४। भूनकात भूकत्वाक धक्ष अधाक्ष क्ला नहेता, विकीत मधाकृत कुमान উखन्धाछ स्वेट उ उँछन्नाणिबृद्ध भाषित्य स्वर केशत छेडत काछ दहेटक श्र्वाञ्जिएथ षाणत अवकि आधामन क्षणान क्षणा श्राणन क्षित्व । ६ । छ ९ भटत, मिलन कर छत्र बनामिका ७ बाह्र काह्रा बाना बनाह्र कुना नहेता. नुसंसाशिक (यावशान निमधक नकाकृत विनेष्ठ किन्न) मामन चक्रीन व्यक्ति মুগিন ক্রিবে, এবং দুগার তেত্রপান্ত হবতে, গ্রাভিয়ুগে একটি এথাফেন্স্রাম্থ कुमा, सर्मिद्धत । १५३१ १९ श्रुक्तकट्य अक्कट्य अक्किंग नक्ष्म नक्ष्म, जानम मक्ष्मकुरम्

continuita alvoan is anche unfalavioratio unfalavenila a scal parinderi affe. निवास तारताम द्वारानवत्व म्याकतम् भीति मञ्ज भिन्दत्र, म्या,--CHABLISTACHIN TERM STREETER!

नी 16 के कुम्मात क्षाप्त के मुलरक्षण करेट अन्य नवी हु। नवाकरण नी 16 त्रावी क्षा क्षा क्षा क्षा कि

क्षरकत वित्रत्यापि । - वृष्टि प्रत्यत यमानिक। अ षण्डेवात्रा टावम त्यवा वृष्टिक adiante de cocaramente prosto produce de cocari entrevelte e acen selenates head 151 o cacen ufrenufal entire AMAN IS I SO GILLER CHITCHISTED CONTO

बाहक कहिता, मधाकरम नीडडि तहमांत्र मृत्रामान किंकिर किंकिर (क्षेरकमझन) राजुन। महैता.- "अमानिक म बिहत्रहे न इत्माधिरामंत्रका खेरकत मित्रमास विमासाधा । o fragging angage 1 2 de and angage de protested management of the

मुक्ता प्रमित्र मुक्तिमार्थ (।)। जन्मार्थिकारिं। जिसे एक समा करिं। वार्थानिका ergut mifte, mifter bien feldering i. mand i mir jen. entorven: affeinife * un vangarfen f e laue, eglen; i agfariter, geriffeelne beentlapten

क्षास्त अद्रक्त कतिहत । भरत, क्रियात केक्सारत द्वाभित क्षायाता तत्त्रा तक्स म्बारम् के क्षित्र ।

अक्रियानक म्-अविधित नावय अपि क्षेत्रेत संबंधित कार्क अवेत्रा, स्थापनाति

aften an un-tolatin eren fibligeern ein urrien | caieren affend urrien affene Bir. . negging genfalls orgen fuch cronics urgens pen is fourmoneren genes fich cronicates 5 の できる できる こ

अमानामि विकृष्टः अधारत बाममात्मातः बत्त्रो मात्मम् -मध्मिनशीकाममात् पर्मावाः सम्मानिकान् नमपूर्विकृष्टः मिन्द्राह्यः मिन्दरं नामः वानमजीति विकास्तः। प्रतिजयः कर्णाशास्त्रा काण्यसम् utomicaiefen, blen creeton; aufr anfe etinne aufrang aufrain alle finne aufreit unter nn mainementalet. gas . Contails attiers suglette staties another authoren

अहे गरत पृश्वि कांश्रद अधितात हैनात प्रक्रियावत नामियान नुस्क कृष्ति है। स्थाप क्रिंटरा "भूत्रक प्रवृतिष्ठ (गांव तरप्र) क्रव्यांन्छ प्राप्ति महेता,- "स्वयंत्रांकिक कि ब्रूक्टीक्षमः टाकाम्डिट्रियका प्रतिष्यागटन विनित्तामः। ७ कृष्ट्रेयः परताम्। yat nuginet time faelaje: j' ab und d' mille

क्लाएमन कामान) तत्रवात्र केणात्र काज्याकिमूर्य मत्यालम कत्रित्व । भटत, मुर्क्याणिक

रहिद्राणम ।

nong bie nofen go ante nem Glanfapten erbeten ufne geretenf peri alleng. Buft. वाग्रस्थ छेट्छातत नुर्वक क्रजाकृति हहेता लिएट.--(क्षणानिक निष्कृत नृष्टाणा-श्रीर्यंत्रका व्यक्तिमान्त्र विनित्यातः)। ७ देश्याद्यिक्तता कोक्त्यमा व्यव्यक्तांच्या वक्षे कामानन् । इ ि " . में मंबर भादिनामातः मर्बाटकामिक मिरवाम्बः । विषयाना

angriffen neinfinfaftentrennet wafer : et farer fallet. . . enffere ne करकाष्ट्रमा काकार्यः । जत्यन बह्म कर्णाम्बतः निकाम् महक्ष्मात् मध्येकार्याः

मनमिति स्मीतः मर्कत्रम्य । जिथ्नि शाम क्षित्, म्या,- के निष्णाम्बर्धान्यम् पश्च नामाति । नामकत्त्व । ६६ शृहाद्र तक्ष्या नुव्विक ष्यायास्त्र क्षित्रा, - बर्ड শীকাং অভ্যাপন।—বোডা উধান প্ৰক গুৰীত জনশাৰ হচতে জন্ধারা কিছে निनामकेक्ट्रतिकृतः। हात्रतः नामन्युत्वाश्यः मधार्किः मक्तिवातकः। "पाट्य प्र विक्यात्म के चानुक नामाश्रत नमः, हमः इतिनैरिवमाः उ चानुक नामाश्रत नथः। मिटक जातित किस्तारन हहेट अनिकतावटर्ड मिक्सरम्हन खर्शर जातिरकांन मंत्रीटन जातित्रा विद्यास क्षित क्षेट्ट शुक्षां चित्रत्य जनांक साम काम चाहत नवाद कामाता क्षिता बर्कमा कतिया, धकि इन्त्र्क मधिश व्ययतक प्रदित्त प्रित् ।

विन्यु-नवसर्वजाताः

for the aftition printente felicates of artents pera After [august with ধিবাপতিও বিধিপেধত ২৯০তে । অধিদেবত একোপ্ৰেশ্যে বিনিয়োগ্য। তে একুন্যুত্ত স্থিকালগ

নেই প্ৰাভিমুখ জনধানার অভ্যানে একার আসন নিমিভক ক্তিণা প্ৰাৰ কুৰা

কুশাসৰ ছইতে এক গাছি কুশা এচন করিয়। — একাণ্ডিক বির্গিধিক। কুশ্মরনানে अका त्माक्ष्मक मानिक जागरम नुस्ताएक चन्द्र मीत जागम महीत्म बाबिका मिक्यां हिन्त । क्राव्यान शांक्या, यायहरक्त बनायिका ७ चन्ने था वि विकास कांग्रेस माथिता, १९०१ए४ अस्टिमास्य महास्यान कांग्रिया विरुप्त

कहिएक। परित, शिक्स दछवाहा अन्नाम कहिला, यात्र नारम छन्त मिल्नाम माक्यन नुर्वक याण्य कतिहा, छहताम क्षेत्रा, नृत्याणिक थीन क्रामित क्षेत्राहा

विनिद्धामः। ७ मित्रकः भत्रायमः।" এर मध्य ते कुमा निक्षादिक्षात धारक्षा

tar erofiete braceier, note poramerca die fos area verborfeit eine Orgian gingeffenfiebt etenfiefe femegeren gege ner unfaufgagute geefen ein Ber क्षित्रांश त्रवृद्ध मेत्राधि। ७। वह यज भाठे कतिया, के प्रांत्र अंकर्यात्र क्रियांत्र क्षेत्राक्ष क्षांत क्षित्र, क्षेत्रां क नगर केष्ट्राधिकुर कार्वक्षात नाकरवा बकुन्यन कतिया,— धन्नागिष्डिक वित्रिधितंत्रा दाकाणत्वनत्त विवित्रामाः । कं

बाईना कतिरव। गरत, स्थाका ज्यानका व्यत्नक मित्र ग्रंथक्र्यमितिकः) मञ्ज प्रिट्यम, मथा ;-- राज्ञाण्डिक निर्मात्रक्रीकृत्मा विकृत्मेयत्। व्यवक्रीय म् कृत्मन गर्कक, - बट्डर क्रम्भदार ७ वक्षान मधः, बट्ड प्रकृत्म छ बक्षान ब्रमः। बात्राय नुस्तिष्टिमृत्य छन्द्रयम् कतित् । उद्भात्त, यका क्ष्मितिक सृष्टक माञ्चे वाका फिन्न चाना दोका विश्वतात्र नक्षत विश्वधनात्र, छएकाव भारिषात कमा अहे (चावक्षीत शंपक्रम निविध् करने विनिष्यानः। ७ केमः निकृतिकत्म जिना निवृत् भेषः मन्त्रमञ्ज তংগলো হেনার উপর জনত্রক ক্তিগর কুশা দিরা, একবার ক্রাবারা # 401.4.P

वेकृत्रिकाणि। याज्यीय दिक्षण्यका व्यव्जीवराष्ठ्यमिष्ठकत्य विमित्रका। विकृत्राणिकः प्र beaty ber wor faboren winteria vanimietia us con on foren official attica बार्ज छ नम्बद्धमानिकतान् वेछान्। जारबार्ज नारकान नारकारक नृतिकार नम् नमूक्त महाकृतिकार। mund: | fom: pulfminnfinor fanne ejeniminigig Gem ent pufft nuts fafebt

क्षित्वत, न्तत, बीत्र किन्तीत या कमापूर् क्षोपि किमा कुणमत दाष्ट्रण मुखांत क्षित बज्र भारे नवांच बीत कर्पना अन्त जन्मात कर्पना कर्ण मनग्रे घर मूर्तक नवांक्टम | פַּאַנוּן אָ אַאַנוּלָל,-נוּוּפֿן פֿניג נינּכּ פּינוּפּעוּ איניין פּ

अधिकार, को मत्रत हज्जाक कतिएं इहेटन, यथा, --मृत्यांता उत्तुतापि महेता. कीव aten erration pfreste vente ni pfinfun nord minfentitel quiettelb in भक्ता कवित्र, भूतिन्त्। व्यक्तवन भूतंक शाजानगन्तक कीड वात्रदेन भूति। किसूर्य ्डिक्रमांक। – सक्र कर्म बनार व्हाफाड कुर्माठका तम् संशाम कर्म इस्टिश्म मुस्माणिक वात्रात कानन कहिरदता। उद्गारिक, त्वाका केक्किक कडिनाइ कूना (काराजिके) किसी, — केडफ क्रमणीयर 6 डामरव नम्हा, वरड शक्तारम 6 डामरव नम्हा ब्लिका, चलक्कीत बाधकम जिमिष्ठ मछ (se प्रदेश्य) यहर नाठि के बिरंदम]।

dregenfrenfre, rucultufrenzifere ufenferur pieterer falegen e comen uteralgen

कार्डमात त्योहो या सुमत्र जिल्कत छन्त्र थे ठक्रणाज कार्यन कतिया कार्य मित्य । छन्ति । मक्ति गार्थ कुमात्र खेनत ताथिता, रहायीत राम्येजामिरतत डेरमरन डाक्स मुक्ति धरून कियां मूजन कृत्रत भारत काका-पूष ଓ किकिश कन मिता, कृष्टिन मरधा सानित जिन्हि भूबंक बामकृतक छेतुचरत भूतनशाता अववाछ कत्रक ଓ कृर्णशाता छिनवात्र धरकाछन बक्त छिनदात्र सूक्षकालन कत्रित्रा द्वावित्य। भटत्र, जाज्यम्य या भिक्षमापि रेडकम भारत

रिकाम सोकाम रेशन है। रेगम जातम एकन मिश्मतन करित्व मा। गरत के ठक्ष कमाराता च कुन-वक्ष गायक विषयां कतिया थे पातीएक त्राभिषा, शृतकांक उद्देश किया, किथिए मुख अहम्मन मुस्कि दमक्त बाता मिक्तावट्ड यहम् यहम् इतिहा मिट्न, कहे क्षेक्रीस भाक टन्ह शिरित, बनक काई छेटकात्म कतिया, ते आत्नाटक मानी यश णवटनाक्न कतित्न,

नशिक प्रक्रिता खरका म शक्कित देशर यहा फमांगत्य त्मयांगत्य मुशीय श्रीत शांवर मिक्नुकानिक छन्। क्यानिक्दा, सुम्कतः द्वानुष्टत्रिकार्थः। क्रमीयकि शुनक्षकात्रभवातः किकातः जनस्य

father pe foce : great effet age averfreifers on celcus vivi faces विश भवताम क्रिमा, गुनक ब्रम का के छाताम पाता मानो मना क्षम नुकर का THE REPORT OF THE PARTY OF THE

tan mutwe grieter us dent i fem ettengen nem frateifermoufe verfifte. prabber agels entrement seguin nale an lowes note inglanding that bein गत्। सम्बन्धि ग्रवहित्वताशृत्मारक्षे नगषः ग्रवहित्रात्कताम्। १। हेनः त्वाविक्ताहि। जन्नवीयम् कृषिक्षाण दिनित्तामः। छ देशः कृतम्डमानः रेषः फन्नाः सुम्मणः। नेत्रीयन्त्रीत् त्रोधन्ता-(जाकार विकास अनर । ৮। ' अधिककारल ब्रह्मणारि 'समर' माम्बन महिकार 'नक्ष' निकार । कतिहा, माधानुष श्रीक करकत छैलत करवानुन मामक्ष निममेष्टि भारत बाह्यां किन्दर शामन गुर्वक कृषि नाम क्रिया यह अफ़िटब,मबा,-"भहरशीक्षित्रकृष्टे न् श्रामाशिरिक्छ। थारक, छात्रा वृष्टरन्यक्टिएड त्नमा ब्रहेटन ।।

भाषाणि मुक्करक शिक्त में में में में ति महाभारत नहीं कानिस्ताम के मिनामितियान के कि प्रवा भेत्रवछी कुनात्र षाधानात्र। भाता श्रह्मवत्री कुनात मुन्तमन ष्याक्तानिक वाकित्य। काष्त्रकः क्षाति खुषीको नाक्षता प्रशासामनायां गानि नण्णाम्य यथा वहः पः पार त्रमिषः याति, बिक्किः नाइम्य ne bin co all wor bieten dannenteile verta vanienten wart mife bil mife गटकरमणि विकामिक मामिक्षि क्रमार्थ गिक्स सम्म्यानिक कथ्म माध्या शिक पाड-भाषिक बालानः ज्यास्त्राक्तिकामिक ष्युमानिकः उद्यमेति क्रम् काल्को अश्विमानीयाः मध्यमाष्ट्रः कुर्णाण्योगन ।--पुन्नामि काटकाक मिटकेन कना नत्र शाब्ति हिमादि छ्विम शाक्ति क्षि मून ए महानाव कूना मध्य कतित्व। जाक्षामत्न कान्डाक कुना भूकीय चीक्रिय अवत পুৰানি দেবান্ আনিছ আবাচ্য কি গলাভান্ আদিভান্বসংউগনি কামসামতে উদেশতাছেনেজ্যানঃ।

विन्-नदक्षमानः।

विश्वामानी क्रिकामास्त्रा १३०। मन्तिमान्त्रे देशकत्त्रो। राज्यिमा अन्तिमान्त्रा विभिन्नका मनित्र

व्यक्तिमान क्रमानात्मार्य (क्रिकिन छन्त्रात्म) डिक्सारम अक्नमाण सम्बन्धन सम्बन्धन नगर) प्रकाश कुमा ताथिता, एरशत नित्त जात अन गाहि जुन्नां कुमा शाभिन घात्रा

व्यक्षितकारनत (किकिन मिन्नारट्स) छक्ष्यान स्टेट्ड निक्छितम्ब किकिन निज्ञ कृति भक्षेत्र भूक्ष्मत्य भूक्षात्र भत्नत्त्रा भाषि कृषा यागन कतित्व। भारत, त्वक करकारणत जेमर केसरत (कृषितान निर्मारत्न) कि श्रीत प्राकृत्य किम माहि कृषा यापन अतिदेव । एक्ष्यद्व, कुण्डिलत क्ष्यतार्दम अमानद्रमान्त्र कुमीन मृत्र माक्षामन कृतिमा, अन्द्रम क्षाम मृत मासामन कतिरत । नाते, नुस कृपाकामत्त्र (मध्योषक) किन्दि मिक्टम नुसंबद क्षेक् बहेट उ ज्या कटन ज्ञान हिन गाकि क्या थानन केतिया। उदनात, जिमात्त्रत्र कुमात्र मुन्द्रम् माम्बाम्य कतित्व, भूत्र-६ मात्र अक गाहि कुमा बाता थे अकारत जिषकेट्य बाह्रटकाय भनाछ (मिन्न भारत्र नात्र) बार्त्रा गाष्टि कुना बापन कतिर ।

्सन्छाक्रा । जम्मम्बर्गा ११ मन्द्रिक कुना देनम्हरो निकृतमान्छार्क निकृते रक्षा-प्रकारक का कन्ना

তৎপত্তি, দশদিকে অমতক মাত্ৰণ ততুল বিকেশ কৰিবে। পত্তে, হক্তপ্ৰাণ দীৰ

हरुत्क বিংশতি কাটিকারণ সমিধ (থাকাপ্ডিকে মনে চিন্তা করিয়া } অমন্তক একদ। য়তসংকার।—ক্ষির পাব্য আহত কুলা চটতে ছুইটি সাথ কুলাবারা পবিত্র बाधिका,—"बाकाण्डिक किः णवित्य तमराज पविद्यासमान विभिष्टिताः। । । भाषित्यं त्यो रेवक्टनी !" अहे घटत के नवित सारमन व्यम्न नाथित, केशन मुरानत किटके (मेंच कि भा माता । त्यामन श्रीतम दिशा यात्र करत्यत्र प्रमात्रिका स स्कृष्ठे पात्रा वित्रता, - ''द्राक्षाणेति-के मिः निवरत स्मेवेट निवस्ताक दम विमित्त्रागः । ७ विद्यान्तिमा भूत्य कः । ५७ । १ वह महिल्ले गाविस कम्माना प्रकृतिक ग्रहित प्राप्त प्राप्ति प्राप्ति किवराज क्षित्राज क्षित्राज क्षित्राज क्षित्राज शाममानकत ने मिटक त्यामार केड मिथरत। भरत, जे भारतक केणत कामित बरिधामुध के विश्वमित्रका शुरक शः। जिल्लकाम्भागितिक बनामिकः शुरम्ब कृतार। ५०। के दम्बा केतानि माओनो मान्यकार (क्रमावर) (क्रमावर) का का प्राप्त अन्यतिका (क्षमावर) मान्यार मान्यार मान्यामी क्षमान्यार मिरिक क्रिक्रण क्रिक्र

रिण्-गरकर्षभागा ।

हाएक फ्रम्न मुर्गाम ब्रामात्यमिमा बन्तिकः क्रिमेशः वा मान्यम्बाणिकि मण्डा। मिरकृष्धारमात्रक-प्रकृति अधिकाधिक्यारक्षणंत्र प्रशासका गरिता नीवावरातीय राजारक्षीतकगठनः विश्व । ३४ । के अभिरक mennen i terfer miefeteabt minnyimte felnyett miefbietaid ni fe nen विश्यमाष्ट्र व्यव्यक्तिकाकोठावित्रमानीतावयमाम्बङ्ग किम रष्ट्र उन्तया उन्तयामाना त्राहिन प्रतिकाता-विविद्यांशः। ७ तम्ब्या त्रित्छारश्रनार्वाष्ट्रत्यन भरिष्यं यस्याः वैद्यास त्रियिकः किंकिर तहेंग्रा बक्रवात क्षिटिक हाम क्रिटिव धवर जुनक्ष के इन्छ के क्षांटव (क्षत्रह्रक) क्षणत्र प्रकेषात्र महेत्रा १ श्रेष कतिरत । जरणरत, जे गरियति याम क्ष्म पाता (गुर्मियर) श्रीवृक्षा, करणत्र किठी वित्रा, मिक्स्य करण सब्देश, व्यक्षित्त निरक्ष्म कत्रित्य। भारत, श्रुष्ट-बाहा। ३३। मह बटक निवद्यत मध्यमात्र भाता हरू जादनाइन नुक्क विद्या भाता जामाधिका ७ जक्षे वाता भतिहा अवर मृत्तिम वाम ६८छत जमाधिका ७ जक्षे वाता (विनश्रीउन्दर) श्रिया,—"श्रमाणिड् मिन्सियोक्ष्य जाकार व्यव्हा जदक्राश्रियदन

भाव नाम रुख माता डेट्डानन नुस्क डेरात उत्तरभा कन घाता मार्कना कतिया, जाध-শাৰ্শ ক্রাইয়া উত্তর দিকে ভূমিশাৰ্শ ক্রাইতে হইবে, এই প্রারে ডিনবার ছড-স্হিত भाव माकात कतित्व। अहे निहाम सहक् स्कृत माकाति कतित्व क्रिया। [क्रम भाकित्त চক্ষপাত্তের কিকিৎ পশ্চিমে বাম হন্ত ন্রিহিত কুলোর উপর ছত্তপাত্র রাধিবে, চক্স না

क्सूक्षाकः कर्ष क्सून् क्रेक्टिनाका कार्यक्ष मर्थका । १६। जे मध्यक्षि मध्यका । वसूतिक्षमध्यक्ति अमकांकतिरमक ।--मिक्न जानू कृषिट कालन सर वाम जानू उत्त द्वार प्रांता, जना-मिन वार्य भूत्र, "आमार्थाटक वित्रिमिटिन्यता उपकाश्वति त्राक विनित्रांभाः। " ७ ममिए अध्यमनाया । १० । वह मत्त्र मधिला मिन्निकार निक्षित्वा निक्षित কর্ণাছ্কাণ্ডে। ে আরিতে ৭ং মাস্থ্যতাৰ সতুলানীতি। ৭ং শোভনং কর্বুক ইভোবং আহি খুয়া टिनेट: पशुर्विज्ञीय (११वधाडी नर्कवर्षामध्यक्षी ठश ष्युम्डांनि कचीनि विषयापानि क्रमबद्धीठ পাঁকিলে ঐ পাত্র ফুণিংলর দক্ষিণাংশে পাভিত কুশের উপর রাধিতে হইবে।।

অধিতিক। অনুস্থিতির কাম্য পৌশ্মণিতিতে ক গণি পুৰ্বক্তিসাগতে। তে অনুস্থতি যামত-

क विवस्तर हिस्तर है। जिन्दा कि त्रास्त्र वित्रियामः। उत्तर्मास्त्र वित्रमास्त्र । रकाव प्रवाह क्रमांकी के क्रमांकी तेन भागी महत्व। क्रमांक क्रमांका निर्माण क्रमांका

मनाष भवनानीति माः कृत्रेत्रविष्ठार्थ : ३७ । नत्यश्रममाण । दक्षिकः नत्यत्री देवत्तर नव्यकी नाथ जांडा ब्रिक्सिकी नमी ना। नामि भूर्यक्ष प्रकानाटक। एक नवचांड योग्युषताय षष्ट्रकानीक्षीक। १९। रमास्य विभिन्द्रमातः । ७ नत्रम्यात्रमात्रम् । ५० । ७३ मध्य मृष्टिमत् छन्दत यात्र-(ममनिक: केवानि । महिन मिक्टेशनकः यहनात्र क्रियानम् अधिकानम् प्रमम्बिक् (के एक्स (क्षेत्रम्निक्षणोक्क मनिक्कः कथनार अमुस्रोक्षः टाग्नुत क्ष्मः कस्माक्ष्म अपक्रमाना कर्णामारक निक्य कतित्व। श्रमक कमाश्रीत संदेश,--"शक्षाणिक कि तत्रमाठी प्रविध विष्कां मि क्षकाणीं कर्णाशः मविका तमत्त्रां क्षित्रम् मित्र विभिन्ना । ६ तस्य मित्रः वास्त्र गक्कर अस्त्रुत मक्षण्डित ज्याष्ट्रा विष्ट्रा गक्षकः क्रिन्तः सुमाङ्ग बाठन्यास्थितिमः अहे महक्क क्षांत्रत अभिकृत्य निक्र उहकान क्रहें इ. बाबू हजान नर्षाष्ट्र खनकाक्षिनिधान्नी पात्रा रकान क्रेट्ड मेमानरकान नराष्ट्र कमाश्रीत श्रंक कतिरव। श्रंनीत्र क्लाश्रीन नरेश,-

यम् । १४ । वर्ष महत प्रशेष क्याक्षिमात्रांशात्रां मिक्सात्रं क्यांत्र प्रतिक त्वहेन कत्रि

नद्र, मिक्न कायू उत्कालन कत्रित ।

गानीकि। क्षिम् एकाष्ट्र कमकममननात्र प्रश् कमुकाटिक्युक्टिकमकामान्वरिक। मुक्त कमारक द्राशास्त क्य देखि क्षाक्रमियाशाहात खिंद क्ट्रिक: अवशत्छ। किथा मिरवा। अध्यत: मिविक्रवा मिया; (भो: ७ जनक-में आपि मजि भारे कतिरव, मर्टर मिटा देनिहिक (मरकार्तापि) कर्म नका क्षेत्रंत केंद्र कार्नुत्रामः कृषे क्षूमानीका क्ष्या मक्ष्यानिः सम्मानः क्ष्यंत्र मक्ष्यानिनः कृष्य-गुषिती खरक्षान् बिलात् वा ब्रिनिस्थितं ब्राह्म व्यक्तः व्याः। (कडा डिस्टा माहोडि क्टमाः न अवस्त्रः मिश्मीका एक अक्षा कि भूमा कु विमनी करता कु कर्मायम रामा है। कि के वाहण्मिक व्यापः मृत्रकक्षा म (माश्यकः बाह्र बाबैः यन् मृत्यान्त्रक्ते। (जाञ्जाक तमर्कानियम् व्यक्तिकत्रोत् काँया (काडिकामि) कार्या जिथितक तुना उका क्वेटन. क्रजाशनि क्वेंग्रा जिल्लिकि करबाफु केटार्कः। उत्मयमत्रामित्या शक्तमत्रामन् सामिकामन् । भूत्राज्ञा धामत्रापतमः त्यातिक्रिया ANGERT MENTER CONTACTOR CONTINUES OF A CONTINUES OF A CONTROL OF A CON

रा, क्रीर्गका, मकार क्यांवर्शिका, आज्ञाश अधिकृतियात्त्राति प्रमण् अनातः, ज्ञारणा शृशिष्ठक । शत्रक विश्वितिवित्रा श्रीः त्रीयनकः, शत्या रक्षकृतं, त्र्यम्य अस्तारकः श्रीः, वाष्ट्रमः, मनस्तिक-दित्योत, वांका एक्ष्यका, वक्ष मत्तेवका । क्रवाता नवण्यात्मका मध्कार्णाः प्राप्त कराः त्यक्ष्यीय कामि) वन वैन्यामि, एक्स धार्माच्या, सद्य क्षिण कामुमानम्बन क्ष क्षिकेष्णावृत्या श्री रमा,-- भत्रत्यक्ष कवि-सम्मत्राणाश्वात्त्वतः विक्रमाण कर्ण विभित्रामः। ७ कृष् वःpasaconeficiates founteuret festigen; i mund i jugur, morus obest mentellumife के शिक्ष मुष्टित मिरमत कुणा यात्रमुष्टि शाता शतिता, विकाणाक कणकृष प्रज पिकृत्व, विकाशीक-काश ।-कत, शुक्त दवर कहिलय क्या मिक्स कर्षा प्रकार मृति वाता भित्रता,

तीएक विस्तिष्ठः हित्रभवर उट्मवानाः अमग्रानायात कृष्ड्यक्षः मिष्टिशमि जानि वनकृष्ठ বরোধ্মহাত্মাত্মানং প্রপ্রে। বিরুপাক্ষোহনি দহাঞ্জিত্তসা তে শ্বা। প্রেপ গুহান্ত-वसन्ति तेकटिकोश्यमी व्यतियित्वर नहाः यदि वामनभूकात्व वा नवदनत्य नवश्नत

समित्रकारकारकारण क्यां क अनेकि अन्तर, भागिमाश का मस्टाक कि निर्धास्था किष्करण मश्मिति अविका बद्धिति है . व्याच्या अहक व्याक्षानश्यकः) मश्यकः क्यानिमण्याच्याचा स्थलिक स्थितिकरिक्षा विश्वनात्रमात्रिक नमें कर्ष । आहा (ब्रमाटकानि नकां कि मधान कर्मा के शवासी कि वकां कि ताक करा आहा आधारिक हैक। उक्त अन्त्रहें क्या उक्त नहां। महमक्षामा शार्थ जेनातमामामाम् भ्यामितिः माझठ कृष्ति। कृष्मी भीगमर्गातिक सर्वेतः । गृर्द्देकाोल्क भृत्या १८क गृष्टः शिवकः विमारम्। भृष्टः निर्मात्मातिक स्राप्त मधीयम् शेटक तम्मानाः स्रेखानीनाः सम्मानि विक्षेत्रीति तम्मः । टेल-त्क्रवस्टियः मस् अक्षेत्रिक्तिक्तिः किस्तामध्यक्षिक्षिः। क्षेत्रमः गुरः वित्यतः भारत्माः खन् । ठ क्षिः। अनित्यप्रियः <u>अनित्रमञ्ज्ञीक्षिति</u> नार्षाटक करा जुनकामार्थम् ए क्रियामार्थम् । व्याप्तामार्थक जिल्लामार, क्रियमित (शुरक्) व्यवस्थ (शिक्षाणिकृष्ठ देव कर्षप्रका महिल्लाचि नजी हत्ताचि एनतम् अम्मेशि नत्तकः मनमाक करणामा मे

Į.

अम्बद्धा देव जाम्बतमूर्णभावकृत्यंत्रा भावाधि कराष्ट्रा या या कार्टकांचीकृष्णका था या अधिरमेगीः ज्नेष्ठः या या अधिक्यातीष्ठाः शल्दम युत्रा श्रमुक्त केष कवित्रमापि ज्य क्रीश्रद्धित महिक्रम त्रिक्षित क्षेत्र क्षेत्रमाममधाष्ट्र के क्ष्यान महिन्द्र के

कांग्री:कुल्ला का का लीकिरकोती: कुर्कतका मां मां लिक्नावीतिक अक्क्य: कर्नका बर्गकावकर्षण वेक का men ewern ernentenn uimmer met nyeng ngrienteng i de nine nern afmed uimfin-संबक्ति अफ्लासा सामा सम्बन्धा मानुग्याकामि जनस्यापि जनस्याप अस्तिमा अस्ति। अस्ति । व्यक्तिविष्ट्यं व्यक्तिविष्टां व्यक्तिविष्टां कार्यः वृत्यं वृत्यं वृत्यं वृत्यं विष्टे वृत्यं वृत्यं विष्टे व भूतरक्ष शरक्षमाथिरद्वामाश्रमा शक्षमामः शक्षित्रका भूमक्षा काः जयव्यीः अष्णुकृष्ठमृत्रति खिनिष्णि । एक खड़ोशारको तक्षक: गानवट: दत्तमुग्ठम: दिस्त्रबोटि तगन्य जात्मजङ्गाया. जनः मामभूक एकार्डम्बोडि विरामाना वत्रत्यः। किन्नु सारवर्धः। महामन् महामान्ति महमान्त्राम्। महम्ममन्त्रम् तुम्बन्नमान्त्रं भूतः मीम्रान afregungen angeber vorgegenerife Sentia di pari micatife foromonife word unda una Co ma negatifica como appetato natifati: negata negata atenta atuales misente.

.

নাধাতাং তকে সমুধাতাং তম উপপদ্যভাং সমূলে। মা বিষযাচা এক। অনুকামাতু জুবে।

ষ্ক যাধ্যতাং সংসিধাতু সমুধ্যতাং স্থাভতাং উপপ্ততাং ক্লাগ্লাধ্য মতে । যাধ্যুক্তা বিরুণাকার দভাঞ্চর সমূত্রায় বিশ্বরাচনে তুণায় বিশ্ববেদনে খানায় এন্চেড্শেস সহস্থিকার व्यक्तियाः यो अवस्ति । या या केकि जित्रवश्वत्रम् जिनकार्यः ज्ञकाष्टिम् या क्वित्रम्भीके प्रावश्वतः ज्ञाषक्षाः क्षेगरक मक्तिविकाम्हः। ज्ञारा श्रष्टाङोदश्यकाङ हेन्। श्रष्टकः क्षे कतिवासि यक अन्य छातायः ख्रुष्टिन्दिन् শ্বগ্রাবার ইত্যুক্ত: ভাব্ নামারাগেগণ কতিচিদ্শ্রিতুমাত্। সমূদ্র ইব সমূদ্র: বিশং ব্যচরতি বিবিধং গচ্ছ-্ড কাগ্ৰে নঃ অমনেক প্ৰকাজঃ প্ৰাঞ্জকঃ তেলৈ ভূকাং বিজ্পাকাল দকাজনে সমূজাৰ বিজ্বাচনে সূপাল বিষ্থেদন মা বিশ্ববেদ। একণ: প্রোণ্ড্রানাকু মারোম। এনেচত। মৈতাবকণো ভুল্জানাড়ু ভিক্রৈ তীতি বিশ্ববাচা: ভবা একমামায়িঃ তথা তুখ নানাগিঃ ভবা বিশ্ববেদাঃ সক্ষেত্ৰ। তথা এজনঃ খুজঃ হবা শাত। ডশা এচেডা: অফুট্ননা: অগ্রি: তথা মৈতাবকুশা: স্পতি মান্স্কানাত্ অভ কর্ণি। অংভবিভাষা। भाग्नीक स्थाटिकटम अक्टमाक्कांत अक्टबी मुखाय नय हों छ मर्जात मणकतीतः। प्रत्यिकारक शक्त कांचिककारक कर व्यक्तिमित्रम्भविकि स्वाटक कमियमित्रमिति मन्त्रम काम्यमभाष स्थापनिक स्थापनिक स्थापनिक प्राप्त

একণ: পুরার ধন: |১৯৭ - শংশক লগাতে প্রাক্তি পুরার ক্রিবে এবং কন পূচ্ছ ব্যহাকে নিবে।

होड मार्थात्र द्यायात्रक कुर्माठका मयाका ।

क्षमतीति शूस्तर मनतः। कामध्यात्ति बां शुप्तत आस्थित्यूमप्रति कः गुणुर देशक क्षमि क वैकि धांगांगीक मार्श्रहातानाएन नग्धः राग्रिकार्णजातम मुस्त्रीति कान्यातास्म् अकारः। दिवनात गः जाताः कांक्याक्रमान्त्रक्षि मनात्रान्निक्ष्यकात्र नम्पः । ज्यामित्रन्त्रत्व। व्यापनीकि अवकार बनः क्षेत्रत्व। प्रणाणि क्ष्मीन द्वित्वी दक्ष्यादिकि मैकाडवाकातः क्षेत्राणकामनः मा अंताः अम्बर्गार्कार्षिकावाधिष्पण्याचाव्याच्याचा । मोजन्यां व्यव्धिक्षणस्यत्वि क्षाः । जैनः क्षींड विषय बाह्यकी बाटक्यांनकनिविधि काषाः ॥ ३३ । ब्रेडि क्षांकिक्यंत्राधाः ।

3

व्हार व डम्हास्य

নিকুপাক জপান্ত তুম্ভিকান পরে, একুডকর্ম অর্থ ব্যুদেশীক কুম্ভিকা সেই থাধান (এক বা বইট) কৰ্ম সমাধা ক্রিবে। কুশ্তিকায় জ্গির বিশেষ নাম করণাদি না ক্ষুত্র। আক্তিক মার্ডেক কার্রিনাম করণ আবাজন ও গুজা (বহুস্থাপন অকিস্তুৰ শেষ) করিবে। পরে, সকল প্রকৃত কর্মের আনরভেষ্ট একটি সন্থত স্মিধ बमहक व्यक्तिक मिश्तक विदेश, महावासिक हिया क्रित्य, मथा ,—

अमाणिक कि शावती करमाश्यात्रका महावतामित रहारम विनिष्ठाणः। e फूः বাংগ। অকাণভিক বি-ক্ষিক্ছদে। বায়ুদেবত। মহাব্যাকতি হোমে বিনিয়োগঃ। कृतः कार्ग। क्षकाणिक्य कि तत्रहे प्रमः स्त्रा प्रवा प्रात्राकि हि। বিনিয়োগ:। ৫ %: যাহা। [চূড়া, উপনয়ন এবং পাৰিঅহণ সংকারে, মহাব্যাহুতি হোমের পরে, বাভ ক্ষম্ম মহাব্যাক্তি হোম করিবে, বধা :---প্রসাণতিঐ বি-র ইতীছক্ষ: প্রকাপতিপেরত। বান্ত সম্মর মহাব্যাস্ক্তি হোমে বিনিয়োগঃ। ও সূভুবঃ বং বাছ। 🛚।

नम्पिम केन्द्रिया, शूनस्थात भूस्वय दशायास्त्रिक त्थाय कन्त्रममञ्जय अक्षा नक्ष्र निष् मश्याम्मामि एकाम छक्राक्षारमत जाएक कतिहार अवेहत ।। जहार, धाक्राक्र कर्णामक हिंगापि विकि अफ्रिक कटम ठिकाटनाम थोएक, ए।जा घनेटम कहे मित्र आफ्रिम मुन्तिक न्द्रित क्रम्यक दारकण् क्रिया

डिमीठा बरम क मधा, -- भाषांत्रिङ कमभारत रह डाविया, मध्का कतित्व, ष्यदमाध्यापि--व्यक्ति क्षीक्षित्रा-क्षीन यरेब्छनार काउर उरक्षायश्यन्त्राष्ट्रा यहात्राखिडिकः आर्त्री-६क् त्राममहर क्षियामि ।

खेरीहा ।-- अकुछ करर्मत रेवछनी कामानार्थ आव्यिष्ठक श्रामानि मकुण त्मम कर्माइक

 देनों। कार्य अराज्य कर्डक नाद्रीप्रय द्वाप माद। केक चारह, ढाहा जुलानाए अर्चअप अद्वीकाश शुक्रियहरूदित कक्षायांना या नायदरणी जिड्ड वानश्च निर्म मुस्क अपादिवर्ड सरमानमंत्रिमरहास बहावाझिंड द्वाय कृष्टियांत्र रावका मन्द्रोत करांत काहारी अस्टल त्यारी क्षेत्र, करान छेण महात्वात्र मन्द्री कांचानित्रम मन्द्रता जीता। কর্নোড়ে,—'অয়ে ডাবিধু নামাসি' বিধু নামালে ইহাগছাগছ—আবাহন পূর্কক অভিনাক রিয়া, আংমত্রক একটি ছত তালিক সমিধ অধিতে দিয়া,পূর্ববং (৬২ পুরু।)

মহাব্যাহ্নতি হোম করিবে। পরে, মহাব্যাহাতি ছারা প্রায়ণ্ডিড-ছোম করিবে, ষ্ণা ; — প্রজাপতি-ঋষিস্থিমীজন্দোং গ্রিপেবত। মহাব্যাজ্তিভি: প্রার্শিচন্ত-হোষে विनिद्धामः। ७ कुः मार।। टाकाणिक्य मिक्किक्टरम। वाबुद्धवा মহাব্যাজডিভিঃ প্রায়শ্চিত-হোমে বিনিয়োগং। ও জুবং ঘাহা। প্রকাশ্তিঋ বি-রস্থুপ্ ছদ্ম: সূর্যো দেবত। মহাব্যান্কতিতি: এগ্রন্ডিন হোযে বিনিয়োগ:। ও য: আহা। ধিকাণতি কাহিছ ক্ৰীজুকঃ প্ৰজাপতি কেবত। ব্যস্ত-সম্ভ-মহাব্যাক্তিভিঃ প্ৰায়ুক্তিভ (शास विजित्यातः ए कृष्ट्यः यः थात्। ।। शूनक मिथ कारकान नुर्वक मधावामिडि हाम (कर कुई।) कतित्व ।

নব্ৰাছ হোম ৷--- ও আহিফেন রজ্গা ব্ৰহ্মানো নিবেশ্যমূত্ৰ মৰ্জ্যক হিরণ্যয়েল

त्रविद्धा वर्षका (महता महिः कृतम्ति व्यात यात । १। ७ मोनास्य महित्र एक

मह्यारिक प्रदिश्मित मध्यात त्यत् कर्षक् वर्षमाना त्यत् व्यानिक मध्यान क्षीयत्वागाक्षति कृष्ण्या । व्यत्रम्थः यः मन्तिक। त्यन्यस्यात्याणात्र नावकाणस्य दः कर्षकृतिवृत्तियाः विक्यारहत्वकि क्यविकामिता क्रियावन्यक्षिति निगाडिकः। ३। व जानावय मध्यक् एव विवका मामकीर ज्या बामक नकरका . एक त्याम बृष्टिकामनीर छन्। छर नकार-मेछि। जुड़ीर जुड़िक्यकर मन्त के बाझटका तथाना वर्षमाहमा मिरमाधमान महीक शिरमाहमा मनिका त्रवमा (महन यानि प्रमानि मूबर्गरसम्। किःक्रीन कात्राति क्रमानि गधन क्रमम् क्रिया मह्मान अवाधिकाक प्रमुमानक्षेत्र माष्ट्रियशिक्षीयावा । उका मिरवणम् एवत् एकत् । मारवणम् ममारवणम् । यः ष्णमृकः मध्यक् एक्षान् कृरकान मन्तितन व्याप्तर्वशानः व्यम्भितः गत्रावर्षमानः । वारत्तन बाजिकाराज्ञ बानकाम्कृषां, ब्रुवक्तं कृष् नागभूवामाणी अकारः मगात्राधि क्टेष दश्यक्ताः कृष् । जातक्ष्यान जा-ग्रोकीति दादहित्वान्त्रनीम्बक्तः । नका। मिष्ठा चारिका चार्याक चार्याक व्यापकाडि (मरमामिक्प्यूका (क्य प्राथम क्रिक्टका हिक्स्प्रिम नागावशांक एडन एत्यमध्यातार महत्नात्रान्तमः। जुनः क्षिष्ठ करिका स्थला अधिकारणका अध् * mit Cuglustau uraie uraie ceinice ihr phier d'eile pien neutes nicules miales

निगडः जाम देहोर क्या वाकम्म मर्शाय योश् । २ । ४ व्याम् क्षा मियः कक्रदशिकः,

পুৰিব্য জায়নপাং রেভাংসি জিষ্ডি ফাহা। ৩। ও অগ্নে বিব্যস্থ্যস্থিত রাধোষ্মজ্য एक कर गत्मकू गमक्काः प्रस्नानिशः वृष्ट् ष्रकथ् निर्वट्ठा निष्ट् व्यानानियः ष्रक्षात् व्यक्तात् यास्त्रान्त्रः जिक्ता मण्यम् कम् छन्। दृष्टेद्रप्रमिष्टि स्ट.ट. ठस्यक्टित्यरः। जामग्रद्यिष्टि अक्टिगिरमाष्ट्रकार्थः मक्ष्यांकः। निष्ट के कि बामग्रमित्त हे हारमम बिशिष्ठो वितिष् । बुद्रोगिष्टि कर बासरमाहि यर हो सरमार प्रमुश्यान त्मागः । छता केछि वाटारेरुडिकशमिडि मीवः। मस्यम्मयः नमग्रताडी॥२॥ छ मधिम्की मितः कक्ष्माछः ग्रीवशा च्यावनार (ब्रजारति विविधि। भाषः (कोष्यारतमृष्क्षा भाग्यकाखाव्याक्षां निर्धावत्त्राहिष्ट-ধাৎ অধে: প্রান্ত্ত এব। তথা দিব আকাশত কহুৎ চিফুং ত্রণমিতার, স্প্রকর্ষণারশাং ক্যানাং গাঁভঃ জন্তএৰ গুদিব্যা সহাংশি বীকালি দিৰ্ভি শ্ৰীণাতি সফলং করোজীভাপঃ। শাধারতি স্পাংস্থ-ব্লুগিডাাদিনা ঙসকুল। ্বোবপ্রধনার্থাবিত্য সুমি শুপিজিষ্ডীভি রূপ্।।ও॥ ও আংগ বিবস্থ্য-मिक्डक द्रारम्भको ज्यामोक्टन ज्याकट्रदामा त्र्। दमकी। त्मरा केमके भः। ८० जारी ज्याकटनमः

হিন্-দংকৰ্মানা

জৌতমার্গামিরখ্যন: ছং উমর্কায়েনি উন্সি বুসালে আন্ডয়াত্তিগ্রাল্য জাগ্রি। জাতন্ত্র ভং

क्षितः अनिवासक्षरं छेखानदर्छ। विवयमिष्टि चत्तुक्। छेषण हेडि वस्ताः सम्मतीष्टि वस्तवनाथः मध्यमुहर्ष हम्पति गरतस्यीति चांदः भरत व्यात्त्राणः। चन्ता हित्र क्रमात्राते वस्त्रायिक मानिक्षक्ष क्ष नुषद्वत्याति त्योरेश्वति व्यास्य व्यानिकाकृतक्ष्यं व्यक्त व्यव्यक्षः वरस्त्राश्निकः व्यक् त्यवान् वीरांनकुकान् करित काझान् व्यक्तिहरको व्यकुत्रममानान् ककतान् भावर बानस । किन्नुक्षर बृदः ज्ञायः मात्रासतीयः। षमछाः त्रव्यञ्चन । क्ष्मावह विव्यव विक्रास्ड प्रशार्थः। मानो बाछोक्षिः त्रत्राभा-किछात्रणिबंदक देकि महत्वार । वस्ति। क्ष्मार्षक्तमाहिकः तार। जनकि किकुकार विवयतक खेवम छत्रान ग्रीहाराकां कि वाश्विमान्ने हेक क्या क्षा क्षा करामा मन्त्रमात्रका नामित्रमित्रमाना कि वष्टा वर्षा क्षा म्बन्तातानी । उत्तर्म हिन्द्र श्रिकार मक्ति (तकः। ज्यवस्तिष्यातः धक्षेत्रस्ति व्यक्ति युक्तराठ कमित्रः । ६ । छ वृह्ण्याएक गतिमीयां अत्यम अत्यम्हा मित्रां ज्यान्यास्त्रामः । व्यक्तकर त्यमाः रक्षी। बार हेडि क्यींत बळा। आश्राध्य हेडि शामक सात्र जाडशुर्तना निकेट क्यांत মাভাৰেন শ্ৰে। শৰ্ দেৱা ইতি দীবাদচিনমান্নণদ ইতি ককং। শভোহটনিভামিতি অধুনাদিকঃ রেকজ

5

नदश्रह-रहाव

ब्रह्मम तरकाश गिका व्यवनामानः। अञ्जत तमाः अभूत्। क्यान्याकत्यशाकित्यशाकित्यशाकित्यशाकित्यशाकित्यशाकि

नकम् वाप्ताधवातः। वार किन्नुकः त्राक्ताता त्राक्ततन्ता। स्था वास्त्रकाः विविधः कृतिकार स्थाना অসুলো মুদ্য লয়মমাক মেধ্যনিত। মধানায়। দে বৃহস্পত্তে সং মধ্যে প্রিদীয়াই প্র্টেন্ আমিতাস্ रतवाः रेतकानि कृष्टक समुरमा शक्ति । छषा कृषम् मन् ष्यमाकि कृषांचार षाषिका स्राधिमानहका खत हेर्स्टि एम्टेरक् अटक । गदिमोडा में 3 कटा गदिम्स व्यान्ति निक् राकाप्रटक्त प्रक्रेत्यामः त्रिग्धांष्टी त्रवानार जाश । ७ । ७ छक्टछभ्जम् तकछर एष्ट्रभद वियुक्तरभश्यनी एमोजियोजि । व्यक्तिया के के पूर्ववर द्वातितः। वाष्ट्रणा हि कृषिङ व्यक्तिणाल मृत्या क्ष्मकि व्यवनिष्ठ विक्षित्रकार किरोजार गरि कां रहत्क देकात्र ज वर्गात वर्गातः ३ ६ । जकार दर्भान कर्मात्र कर्माण्य कर्माण्य कर्माणि क्षार्थः रहनी (फोरिजानि । दिः कि मात्रा भरति यशायन् छम्रास्त णुत्रिकः अस्तित्रमः । दिः भक्ती पृत्ता छन्त महास्त्र क्रकार्कनः वीक्यां विक्वन्त्रां विक्वन्त्रां विक्वन्त्रां विक्वन्त्रां विक्वन्त्रां विक्वन्त्रां विक्वान्त्रां विक्वान्यान्यान्त्रां विक्वान्त्रां **এব্কজাৎ ডগা (ই পুৰন্** তে কথাহনজৎ ভনদারাধনপুমুক্তর্ৎ জয়ং শবঃ। ববিগ্রগনি লথা বা অক্সকে न केसी भूति। संवति के भूती सकता विकास के का में असमिक स्थाप्त (एक अस्पित ही) क्यांत्रसा तक जनपर्णायक

भूगिष्ठत्रात्र भीतात्र कल्यानित्रदर्शात छ छव्यक्तिमान्त्रावाक्रावि:। मनित्रत्मन खरुष्क नृष्याध्यिक हैकि एक्टबार्शः। त्मरीतिछ ना हम्मीति भूक्तर भवनः ष्मछोड्न हेन्छि टिटेशः भ्यमण्यास्तारः ष्मिन्क्तः डेनछगर्भ भीकत्र मानात्र छ। किक त्मार्थाम् व्यक्तियक किमर्भ मार्था क्नाप्रदाशात्र व्याप्तारमा मः। योक्षां मानाः त्मारे पाकर कत्तानः कर्तक क्षिष्टकाः तन्ताः तन्ताः क्षकानिविष्ताः किम्प्रक्रिक्षे शन्त्रींक व्यारित्रां हुए। स्थारि वदायन् अवश् त्याष्ट्रत्यानित्रकारक मा कन्नकि म मरम्बर्धाक रह महाराज् एक आधारण वृत्ता मा त्योतिवानि माजान हैव वानद्वानि । अमा पर कि वृत्तां विश्वाता क्षित मुस्टः स्पेर अन मन्तरानिका। जना तर नृत्य के राजन क्षाप्त क्षमात्रा क्षित्रानीकामीकामा कर गानम् । क्षाणुनक्कानाः क्रकानक्ष्मा वितिहः। यगव्धिक क्ष्मति वित्ता ब्रक्कनातिक्षिन-पार्थ यमिन्। विमुद्धान शेकि मुक्षकः । ७। ' जै मामाराम्बीम नीक्षेत्र महाम निवास महामास्त्रित्यक्त कमि सुका करू जावज्ञ एक एक्ट्रको निष्कार जावाना नामा विज्ञो एक विमायका। या नामा जान्या जान्या-माविक्राण्यक्षा नरमात्रक मात्राजन्यर मध्यानमात्रारमात्रीन माविक्राण्यात्रकृष्टिन रक्षित एकः न्याना

नवश्रक-दर्भ ।

त्रथम तरकार गिका ष्यपनास्त्रातः। शुरुषः त्रातः शक्रा क्रात्राक्षाक्रमानिका

अम्मत्या युर्ग क्षम्ममाक स्मारिका प्रयागार। एक व्रक्त्माक पर प्रथम पश्चिमात्राः गर्गकेम् अधियान नुवानाः याशा । ६ । ७ छक्टछन्सम् वक्तर टिन्धर विष्कटभारम् । क्रोजियानि । **河田司 明代日本日刊: 1. 年()年聚元 公本[5] ま|年刊原第1 1. 西省[近||本田刊 | 「石川南() 東南西) 1. 文章の||対於** द्रताः दिवशति शुरुषत सीकृता शिक्षा । छष्। कश्चन तम् व्यवाकः अधीवाः व्यक्तिः व्यक्तिमन्तिः व्यव कृति तमदेशक ब्राइक । महिमोता मैं व करत भविष्यं व्यानिति निष्क वाकाग्रतका भवत्वामः निम्नाम्ति अधि मर्थन है मानित व मानित क्षित क्षित अधिक मान मानित क्षित क्षितिक क्षित क्रमी (मानिवानि । दिश्र क्रियांत्रा भावनि यथावन् उप्रांट मृश्वित त्रावित्रम् । एक मक्ष्मी पुनार क्रमेर महाका के जातिया विकासिक के वास महामान के समापन के वस कर के किया के किस क महाराज्य करणा तह श्रेम्न एक कराहराज्य करणाताला महाराज्य करणा कारण करणाताल व्यवस्था वा व्यवस्था वा व्यवस्था निर्मात केल कि भूमों में स्थान के किसे के किसे अबस्थित किस्ति किसिस्ति क्षितिया में स्थान स्थान

समुद्रमार्थार एत्रोग्रिकिया हम्मोजि भूमंत्र मन्तः मानीहेत्र हेन्द्रिकः मम्मामान्याताः मानिमृत्रः मुन्छत्रात्र नानात्र कनाग्रिमरदर्शित छ धनक्षित्रान्त्रनाव्ताव्या नानत्रत्म त्राह्म नुवान्तिक हैं हि দলি পুন্ধা স্কু অভএর তে ধেত্তমী বিশুলগৈ অনানাকণগালিশী জেন দিন্দুস্থায়ে। বালে অচুচ্ছা এখেশ-रमधूर्यक चारम् । मार्गाह अमाहि अमारम् यथा जायम् जायम् । मार्गाक मा मार्गाक तह क्सीयम् एक जागाएमत क्सा मह तम्मीजनानि मान्मन हेव सानात्नानि । जन्म क्षा क्षा कि समात्र विभागमा जामिकामकवार मत्नावक मात्राजनम् कमञ्जनमात्रात्रान्त्रीम चामिकाम्बात्रारुत्रीय (देवतः छक: सम् क्षि मुत्का क्षा व्यव व्यवत्यावविद्या । खदा तर पूरन् हेर राज्य च्याय क्षामाजियानीव्यापा तक सन मानम् । श्रीपूर्वक्रम्पार क्रमान्त्रक् क्षितः। यहारतिक क्ष्मित्र विद्यानी दक्ष्म्पातिकिन-मः। खेळांका जाणः त्यारेषाकः कतातिः खरंक किकुकाः त्यतैः त्यताः च्छातिष्विषाः किम्बंभुक्षीरेष उन्ह्यांक्र नीकटत नामात्र छ। किक (माश्याम् महिलान्य किमक्षे नारता कमान्यातात्रात्र मार्टनीक्षाक-पर्व दिना । दिवसत्त शेष्ठ न्य छः । ०। ' छ नत्तारम् तै को छता करक नी छत्त मत्ता बिक्यन्य

फोडेरम भएता छवन्न भीखरम । भर व्यात्रस्थित्वम् नः स्वास्ता । १। 'खे क्यानिक्य चाक्रिन

मुखी नमाइ(कः)धः नथा। कत्रा महिहेदा हुछ। यासा। ৮। ६ टक्ट्र इर्धश्रदक्डर विरामा fen ge boging ach son d minfecabile quener anterbeite be den men. स्केट्डा टनटमा भन्। महामारत मह्महित्रकाथाः । ८० टक्टरा सम्कामसमाश्रमाः मध्मारका क्रमहिका কিণ্ডাপ্ৰপ্ৰিচিত ৰোগৰিত,খাৎ স্তাস্ত্ৰণ ভাষৰে চতুৰী। শংযোৱিতি শংশ্ৰাধ্ কং শংকাৰিভাঙ্ मिति के तमार क्रमेंस तमामत्यम क्षेत्रस तोमास्त राज्ञियत् छवा ६ मान्निकामस तमस्योगी त्यम्ब (मीमाबाम्यामद्रिका किष्ट्र्टिका म्यूर्तका): ब्राट्कट्व स्थात्त्रका: छत्। ष्रत्मात निर्मातका मुन्नागटकार स्था तक्त्रीत्रक किटकारम केटाण जगर । कारकहर करणगटम कृति वक्ष्यक्रमटेखक्यक्ष्मा भवा हे कि बिहेकामिण्यत्व मिणाहित्या वाटात्य छव्ताः कात्म व्यव्या । ज्यक्तिकि वाठात्यन मेखान्ति मम्बाद्रधाः हेटि वार्त्रह्हितायम्मीमधकः॥ ४॥ ्मवस्वित्रीकामि वात्राकः। अधिरह गांगः विनिधित्रमित्रकृष्टित्रमिकार्यः। जिः क्सीन् मर्वा। ममुत्याकाः त्रक्तः कांनः करन् म त्रक्ताः । The state of the s इस्ता व्यटलन्द्रम । समुमस्तिकाम्रथाः काका । ३।

हिन् नरकर्ववाना ।

menti: ! menterenti: neggieniet: | molfest mifesifer: gat nuffe ocertig-मिन्दियागः। छ त्मकातिकः टाक्न वकार टाक्न बळणीछर प्रभाग किरत्या शक्कः क्टिंड ट्रिक्ड श्रेमां श्रमां वात्मारिक्षिता माम् । अध्यात मिक्सामार जिल्ला जिल्ला त्यहेन विविद्यांतः। ७ महिएड व्यवस्त्याः। अहे मह्य कुछितात मिक्टित देनक्र उटकान यमास, निक्क जास, वज्ञनाय, वासरव, द्रद्वराय, जेनानास, अक्षरण, जनकास १०। शरत, वाष्ट्राक्टम्बर्खा व्यर्शित नात्राह्म, तत्री, गत्रक्षी, क्षी, भीतना, इत्रा ६ गणा काष्ट्रीखर अ नाताव्यात याहा, धरे कटम | त्याम कतित्व । भटत, कामूष्य छ छाताम अस्तिक क्यादम्म क्रिया, क्याश्रीन नहेंग्रा,—ध्रमानिट्य यिः मवित्रा त्मवेद्या व्यक्तिय्ये ক্রিবে। শুনশত কলাঞ্চিল বইয়,—প্রকাপ্ডিক্ষির্দিডিদেশত। উদকাঞ্লি সেকে स्कृटि व्यक्तिम भ्रमाष्ट्र क्रमान्त्रा मिट्ड। भूम्मा क्रमाझित तहेता, --शकाणिक-अधितम्-Mint Ce nifico ut butpantult bruggent manipapapitit ann bint: 1 Gui (e munte ce

भू*न करकाक्षणि-दशक*ः

সমুস্তি ৪১ এ ও অংকং বিশ্বাপা ৭) ছ বয়ঃ। বজুবিদং শতিক্ৰী ভাগনে বিনিষ্ডাং। বয়োদেবক চোবসঃ मर्जकृष्टिका या वक्कवां एकाम ।--क्डिनत्र क्यारमन कामान व्यासन क्या तहेता, ভাজনে বিনিয়েশাগা:। 'ও অংকং রিহাণা ব্যন্তব্যঃ'।২। এইমন্তে ঐ কুশার অংগভাগ ও निष्मः देशः सर्कमः प्राक्ताकाकः विश्वाना चायामग्रकः योषः चामग्रकः। विश्वाना केकि निरम्भित्रकारत्रन শক্ষিত্ৰক:। ব্যক্তি বুসিতি অভনফ্ষ্যশন্ধ্যিন্ন্ লোটসিণ্ড্ৰন: ছক্সীতি শংশ। সূক্।২। ও মতিদেবভা উদকাঞ্লি বেকে বিনিয়োগ:। ও অনুমতে অনুষ্যো। এই মতে স্থতিদের পশ্চিমে নৈশ্ তকোণ হ্ৰতি বায়ুকোণ পৰ্যন্ত কলধার।দিবে। গুনন্ধার কলাঞ্জনি শইয়া, – অঞ্গণতিভ বিং সরঘতী দেবতা উদকাঞ্লি সেকে বিনিয়োগঃ। ও সরঘত্য-फिडकार्य क्षिड केडड करकत मुक्रियाता थतिता,—धामाणिङ मिसंरता प्रयका मर्डकुणा-য়মংক্ষাঃ।১। এই মতো স্তিনের উভরে বায়ুকোণ ফ্টডে ঈশানকোণ পৰ্যন্ত कनभाना मिटन ।

যঃ পশুনামমিপভীক্ষজাজিচরে। রুখা। পশুনমাকংমা: হিংসী রেডক্জ ক্তং ভব। জয়টুরিয়ং কছে।

राषश्रक्ष मीत्रमा, मन्त्रमात प्रमुक्त कतित्रम, शकांभिष्टिम वित्रमृष्टे भ स्टम्म क्रम्ब्रद्रभाक्ति तिवछ। कर्तकृष्टिका रक्षाम विनित्त्राभः। ७ यः भन्नामिष्भेष्ठी-अध-क्षिक्तता क्ष्या. मुन्दिन वर्षाकरम मृद्धि भक्तम क्रमाबेट्य । गुमन्ह जे कुन्। जाभा मृद्धिमात्र जेकार्य मृद्धिभक्तम क्षाहित बर ' ७ जकर तिश्मा वाष्ट्रात: वर् मज्र हरे यात्र निहर । नहत, बे कूना

गम्माक्षाकर मा हिरमीतवजन्त इच्छ्य बाहा । ०। वह मत्त्र थे कृपाक्षांत महित्त क्षात्रका (बरणा शर्ककृष्टिकारकार विविश्तका । त्या कथा: गत्नार प्रवासीना: वार्षित्व: सन्नी क्रता: पाष्ट्रका त्यावन-ब्रह्माधि अवदेष व्यावि रदः हृत्य स्थम आपि त्याक् । विश्ववित्रक्षेत्री सम्प्रामक पणनीवब्राकात्र दिनिgmit. Affein herentan erminn wer eine meife famirenfe foutt unge ableich eitel ameneratententent get alen inden indente mern nat dereipfenibie i if wie er नमृत् कार्योत् का किसी जडड कर छताड कीकात होंजि त्यक्त १०१ वे श्रीशामा मध्य क्षार्थात त्याहेच मत्त्रदेश्यावर्षम्। व्यक्तिमार मः कन्त्रिक्षेत्र नमत्म कुरशाकि यत्रमुक्तिमार, मारेण (हात्त्र, नाः क्रक्र महाकि।

(हैं १ श्रेष, क्षेत्रजी उनके) त्वाकात याव-मृत न्यूड थाकित्व, । षठा, -- काकाभक्ति विकिताष् शिक्षि ।- वटम का मुख्मायति याति नामकत्रम शुक्क मादास्त धक्र मक्ता गीता, कमकाय नम्क थारूत कठ नहेंग्रा छेषांन कतिहद जन्द भक्तांनिष्ठ मध्य चिविष्ट्र शाजा बादा भूशीवृक्ति मिरव। बिवे मगरत तक्याम कार्यक व्यातक रक्षाता

गामक्षित्रकाः कटकाः एकष्ठा कनकामञ्ज पक्तीत धारतार्ग विभिष्मातः। धः भूगेरतामः वभारत शुरेशी ताहरैन क्रमिडि वत्रमध्य ममीजि। वत्र। हर्ष वन्मा ज्यि ज्योक बोहा । है। भीत, (श्रष्टा, वक्ष-मचक्रांगक श्र्रशाब मिरवन, वथा ;—श्र्रशाबायकन्न ज्वाकाग्र नगः, मक्ता गूर्वक, घरमाछा।कि-क्टेडडर षम्क कर्षाकरशमकर्पाव वसकर्षयाधिक्षाक

मिक्नोत्तक न्त्रीया ्रक्त-ज्ञाकार उक्तर कृष्णमश्र मध्यक्षामि। "अक्षेत्र क्यक्षे मटित कमधाना जम्माटक (क्नमन वन्ना श्रीमना मित्रा) विमर्कत कतिरव। "आरंध कर विवासिक विवासिक अपन वार वार वार वार विवासिक विवासिक व्यक्ति एक सभी करामीका वास अपन विवास रमिक्ति । कञ्चनप्रा यसवत्त्रम् हर्षा । त्यात्रातः हेल्यानित्राः यथः साध्यतः सीति चात्रत्ते यान-प्रत-कनियमानि

সমূলংগছা।" আহিতে জাল দিয়া বিসঞ্চন কয়িবে এবং 'পুণি ৰং শীতশাভাৰ।" बिना, क्रिक्टनत्र कैमीमटकारन हुई या वृषि किरय ।

विनित्रकाः। पाण किटना यशावतीनीत्व गोनीणाः। छक्षे गानात्रत्व। त्नादेनकार देवः - Heart उद्भार, क्य या कक् गाता मेमानाकान श्रेट मान्निक-श्राम मिलिक कम्मणात्री क्रियत अस्त अस्करम मक्यान अध्िक्रिक क्रियक मिटन। भरत, मध्यायामश्यत अधि जिनक क्षण्ड क्रिस, (चक्रणांन नात्राज्ञनरक मिंग,) ७ क्ष्णांन ब्राष्ट्रिंग, ७ करबाह्रम, ८७ वर वष क्यकु। ब्याह्मम हेिंक चान्झीर स्थान मनामाष्टा १६६ स्मान्तिक क्ष्येंडे स्थाकत्त्र नाउं नुसंक दीत्र ननाठ कठ दास्मूलक्ष स्वत स्रम्टड कम्मनः किना इष्टबराः द्रेषांनार नृत्याणीकायुन् इष्टबाकाश्रयनकांकी। क्षाताता। चनिष् । यथि न हैत्या हैजापि । नाइकाच्डल: हैबारदर्णानाः वममृत्य-ग्राइवर । ७ वतम्वानार जाड़िवर । ७ उटखरे जाडूबर । ६ reis feso: 新

बराहिडमिड: वामन: छन इरमिड: मिड

श्य विषेद्रमाः मक्ष्माः छन्। छान्नाः मन्त्रित्निः

मेडामि (अस्य गुर्वा) यहत्व महिक मिता,। छ। अकृत करचत्र मिस्मिक जर्म विधित्रीवधात्रवात रिक्ष्मा धानम कत्रित ।

সম্মান কাৰ্য শেষ হইলে, পত্তে, জামাতা বহু সহিত প্ৰশস্ত গৃহ সমীশে (আছাদিত fatte-cetante .

mentel git aufen nie, goffica geftre d nuv (volugens yn nies) viel een uftil gjevat, at erinfitt apocteute nieus volugen. De nie nie nieus e studikon menifia neak (nitak) facielifi cela pol diba, corce ninu sene menudikoninga friet aufe muten finife fange an unte arniunte fenenen mute wiefer eine ingung ATTENDED | CORT ECTOR | 4

त्मी म्याक् आकाण्डला मोडवा! जित्रावर्षकिता हैति ग्रमः ६०॥ हेति खेडमत्वक्तियिक्ष्करक क्रिकामान्यक्षतात्मा खन्मकावर म्याद्धः॥

তংশরে, জাম্ভার কোন বয়স্ত ব্যাহতকার হইয়া, পচুর জলশানী জনাশ্র হইতে विक्रणाक क्षांख क्षांकिका ममालम कतिरव ।

অধির শশ্চিম উভরভাগে সমীগত (সাইপান্ত।) মিলিড চারি অস্বলি পরিমিত इक्ट क्षेत्र। पूर्वतर जागमन नूर्तक कृष्ठशातित शूर्तकाटम जन्मिर बिक्स इक्ट निक्क আলেশৰৰ সম্ভিত একটি জলপূৰ্বকৃত্ত সংস্থাপিত থাকে এবং একটি সধৰ। খ্ৰীলোক खेखद्रांखिमुत्थ (मोनकार्य मधाद्रमान शक्तिय। ज्यभंत्र यक्षण भाकविका (भीकृषि) ्याकर्ष अञ्चाल म आज्ञात्रमान थाकात आथा एक्या मात्र ना, टक्यल व्यक्ति प्रिक्टि उँष ्छ क्रमण्ड् अक्कि क्ष अहता, यातित श्र्मणिक् घटेट्ड मिक्निट्राटम पातित्रा, 職の選の機器をおけるとうです。 こうしゅうけい मक्षा उपिकृष्ड थाकिया शास्त्राक्रीय कार्य ममास कताहेगा थाक्या। मारेगा के काटन मकाव्यान भाकित्व।

लाका गुरमंत्र डेमंत्र एव तक्ष त्राविट्य अवर उद्यम्बिट्य प्यावित्र (त्वाक्षा) मिक्छ मैला

श्कीध कतिया क्षांभन कतित्व। डिजात भिक्तम अधीर योबुतकाथ क्षेट्ड निभ रहाका भगेष विकास दिवास कर्मात होत । मन्नीर त्वना निर्मित कडेन्न मानन बन्नाम्बाषिक कतिमा

छर्मात, श्वित्तत्र भिन्दा कि श्रमास कामांडा श्रीम मिक्टन व्यक्षित विश्वोक (अक्टा क्रिक नह नह मार् कार्त मार्ट भारे नानकान प्राप्त ।) मह मार्ग भारा --शकार्णि-" विक्रिमाधीक्षमः अतिकाभितिद्वा त्वत्र । व्यत्मावन्न-अतिकाभटन विनिध्याभः। ७ मा मृत्य मखावाना क्रवाडा कक्षात्क लण्डार निविक गत्न भाडे श्रीक नववत्र शहादेखन, অক্তেমবুমুমা অভ্যত্ত বাশ্চ দেবোট্ডোট্ডো অভ্যত্ত । ভাষা দেবো ক্রমা म्त्राज्य क्रिंग्र

<u>ئ</u>

॰ पूर्ति शिक्तान मन्दिरः स्मानित्रिक निकृष्ठ मात्रन (माड्ड) गालिका, प्रकृत मनश्रम मनित्रनीरम सामाज्ञ पनिष्ठा सम्परण मोत्र मोत्रोज मोत्रोज एनग्र मान्त्रम आरम्भ करार क्षत्रा, आरप्तालम निमात्र कर्णा मन्त्रिम्दे मन्त्र मान्य कर्णा बाधिय सहि विशष्ट रहामानि कृतिरक्षम अक्षा भावकृष्ट महि जीत कृष्टित या शहम हिहे भागम हाहत्वहैं मधुरक्ष पर्माष्ट्रहित्त तक कांबाका क्षांतरम मिहत मिहत्तमा

मरबात्रवात्रवात्रवात्रवात्रात्र । १। दाकाणदिक मिन्द्रिके प्रकार निव्याणितिका म्बर्गका छक्त्रीय-वज्ञ-निवधानाम विनिध्यानः। ७ निवसक वज्ञ वानरेमनार मधामुन्तार

देश्यामः मंत्रिरत्य प्रवृत्तीयः प्रणाद्यत् कृतः। मञ्ज्यक्षि राज्यात्रम् (त्याषः) त्यत्नाधः १ क्रांस्थि मजुना न्यात्रणाष्ट्रणतीमः भविषद् यातः। मन्त्रीयः नविषान्ता विनित्रकः। नधियानिविद्या ्मरकार। वाः जित्रा हेन्र बक्षा भविषाणत्रमान् ष्रकृष्टन् किंक्सका प्रवाणि। 'पाण मानकृष्टका ्यक किम्मवादम । मर्गार उन्नमकांगर कृष्ठवहाः। यांक मञ्जय विश्वात्रिकवत्ताः। त्यंता त्यंत-एक कथा क था थार महत्रा महाख: यावर त्राराषक गतिशाणप्रका एक बाधुप्रकि एक कन्नाप्रविक्ति कंडिय मोटेर। क्या विकारत स्किन्दित एकडोडि नथमपुरुववस्थाराटेमक्या ।)। निवस्त हैकाहिन। विदे किया गरिका गरिका एक्टि: न्यतिवान्त्य विवित्का। एक क्रेमामाभिक्षाः वृत्रयमार कञ्चकार मन (श्रमम्बर्गानी। यो मक्कार्यन् यो भडर्ड योक त्याराहिकाम्बर्धार्ष्ट्रका धांकात्रात्या। महिसक महिसामहा: । छक्षा नाममा बरझन अमा रक भागहतः नद्यांतृहार कृष्टकः। क्रिक्क चारकार महिकायुकाः मधान् गर्ममक्तिः मन्तिः क्रियन्।एरं महत्य अधिकवकाः। का एष्याः (त्यंकाः)

क्रमू छ मित्रमानुः। माडक छोद मत्रकः स्वका वस्ति गिर्मानि छोदक्। का এই ফিডীয় মল্জে মজোপনীতের স্থায় উত্তরীয় বস্ত্র পরিধাণন করাইকেম 👟 🕫 🚉

मकाको सम्होता। यह पश्चिम सनाती तम वास्ताव आए। क्याबीव तक यह अन्य अन्य नम्बाह बच्छा वह सुबन् होन्छ, किन्ह पिकार सम्बद्धात प्रवाह नवनाती नामावत्त्रवे छण्डीय नाम्कृत आद्यालन अन्य में छण्डीय नव भावन्त्र अन्यत्र अन्यत्र । मिषशा त्रक्रमध सात्र निविष्ठ । चाळाव निश्रम चर्चार गुरुरहत ७०वर नर्जश त्रक्रमण देशज्ञिकाणि वन्न बादहात्र निविज् गीत्म कनत्म मध्यितका मात्र मना मत्त्रताहस्य। तम्तिक रा त्यामका यत्र मध्येषा क्षांचा।

नकारूकोः ठित्रकाननीतिनीः क्रमुक मित्राहः मीदः वस्कातः यादः जात्रः जात्रः इक्छः अवतः पनिवान्त्रज्ञात्त গাগগুনা ভাষেবাছ। হে কছকে শতক শবদ: শীব, শতং বৰ্গাণি দীব। সুবৰ্কা স্বকাশ্নি কাছি-महो। एक चार्षा ट्यांट न्यून बनानि दिख्यानि विख्य भीवन् भीवने नखास्त्रीमिष्टि भोत्रातिकार कीम् । विक्रमात्रीकि छम । ात्राः वर्गरात्रात्रवाकादक वकातः। त्याके मन्त्रप्रीविक्ठनः क्काानक শাসুই বিয়ং নোষ্টেগবডাকা পকুন কজাপিবিবলন হপে নিমিন্ত। ইনাং জাভমাভাযেৰ সোলো গজালায वस्ता स्वतीकि देखात्राय कर्मा । जीवत्रिकि निक्रवाज्ञास्य मुर्निक्छ।।२। छ त्राम स्कामि

मामांका वगुरक मह नाड़ा नाड़ाहेरवन, यथा ;--धाकानाजिस विवि नाकानाजीक्षक: नाजिधियक क्षणागिष्क वित्रमृष्टे गृष्टमः त्मात्मा त्मवडा भक्ताः कष्णागित्रममः कृत्न विनित्त्राभः त्नारमाश्रममाक्षमात्र गक्रत्वीश्ममत्रात् । देवक श्वार-कावाविश्विक्षप्रची हैपार । क भरत, बीब मिक्ता बिड कर्डेत बारछ यहुत मिक्न गाम धरक्त कड़ाहरूड

मिकांत्र क्रमण एक्सन त्मानाम्य अधिवनि धन्युक्तम्बिक्षिमाः मृष्टः एक्सन्। ् आप्यो हेकानि थिए । १ थे थर देशापि । विभाजमधीश पहित्रव्यामा पाम्यविधान विमिष्टा। ब्याह्मा रिड: पामी जा मण्डर नहा: गहांतर कड़ाडर खकरबाड्ड । या जान गोधा खहा: निया ज्यंतरहा जाडिडे त्वार्थः देशकृष्ठि श्राम्पन्नाः वस्त्रातामः। चम्मणिक सम्मान्न नम्नेन्ननसः कृत्री অহিণ্ডিজ গভিলোকং পতি কুকা প্রগ্নেরং প্রকর্মের সকারি। ইতি ব্রহিজেচ্পি । মিভানেন বোকা:। পতীতি জ্পাং স্ব্র্সিভাণিনাস্ক। যাইতি স্তীরাছানে ও मिड्यामिया जारमनः। नेश हेडि उटेनेव श्राबन जयः युः गरयम्मिति जिन्नानित्रिके

Z

कोजाक-धावर्डात विनिद्याणः। ४ थाम भठिना मः असाः कन्नाः कन्नाः निवास्तिष्टे। गत वर्ष भाठे मा करवम, छत्त्र क्र ग्रिकता नः गद्दाः कव्यकार निवाशिक्षे। अधिताकर गयााः । १८। इत्यभित्ते. यत् जिरवन, यथा , - शक्रामिडिक कि गीलिन मिक्रमाथार्ता करकेन भूसीर्घ छेगरवम् कविरवम, स्लन्ध कामाला वर्षत फेकरन्ड পিকিবেন। পরে, অক্টিত কপের হোমের আরম্ভ জন্য জামাত। একটি অমপ্রেক সমিধ गाँठे हेकि (कहिर। मार्च हेठि क्छ। यतः मरगर। मम्पाणार एकाः मार्च हेक्शित मार्चा रैक्सार क्षणा त्याचार । ३ व्याप्तिक हे छतानि । व्याचीत्रम्भित्वकाका व्यावारकाटम विनित्रका । শমিলেকু শাগজত ল্বীদমিশ বিবাহকশ্রণি কিং জ্তোহদৌ আখন: প্রানৃষ্তঃ ফ্তঃ দেবতাভাঃ ইয়োনিজন; আমাসভা চ নোইনি: এইত জাতা: কথায়া: পাজাং ভাবিনীং মুকাছে মোচসতু। কুল: সুসুগোলাৎ যমগালগভনাৎ ওলেডমুজুগোলাৎ বিমোচনমমিকত। আসং হাজা বজংবাংছমভভা: मिछटनाकर शटमजर। विमि मक्कारमाठः शूटकाक মজের পরিষত্তে জামাতা বয়ং পশ্চাং বিধিত মন্ত্র षि भीष्ट्रमधीष्ट्रमः भिष्टिष्यजा को भाष्ट्रायब्ह्

विक्-भदक्षीशामा

मिरक मित्रा, बदावामिकि काम (६२ गुर्का) कतित्वम । एक्लाइत, वर्ष मिन्न ७ जारितकु काचत्म रख्याता मधित मिन्नित्रम मार्ग मित्रित, जिस्तारे जे सार्य केन्द्रि याकार्यत

बरवंद्र क्री लीक्ष्ममा न त्रामार याहा।>। क्षेत्रांगष्टिकृति-त्रिष्णग्रजीकृत्मार्श्व-भवर मामाखा मृज्याता चात्रात एत्रक चाहि विद्यं, त्रज्ञवता,--टाकाणिड्यं वि-क्विकाकाः त्राक्ता क्षकार मुक्षाष्ट्र मुक्राणानाष्ठमत्र त्राका वक्रानास्त्रुयनाज्ञार (ति छि । कम्छी-क्टमार्शित्रका व्याकारशास विनिध्यातः।

मझ्चांताकू छवा करताकू। तथा वृंतः ब्री इचका त्योत्वावर श्वनविष्यानतः आत्ता स त्यातात. स्थार क्वनिक त्यावनः म क्यानिकारः। चटेक हेडि स्वात्र छूची। ब्रक्षांचिक गृष्टात्त्र ग्रेरिः हैमार केछार जानेनीहर्नछाः जानेहहाजिन्दैर नहीर बाग्रहार नाममू जानिहाजमुकार जन्निकि जान्त्रा अमिषिकि जिन्दर्ष लाएँ ॥ > ॥ ७ हेमान्नित्रकाणि । चक्किनकीयः चांबर्धनका चांबारकार विनित्रका निक बटेंड पार्जा: क्याता: दाक्ता: गर्जाल: क्यानिक क्यानकाष्ट्र क्रितायुक्ता: मग्जानका निर्णं अर्डः नक्जाक क्षा क्षेत्रधात्राक्ष्यार পেষ্ডা আভাহোমে বিনিয়োগ:। ও ইমাম্মিকায়ভাং গাহণ্ডা: প্রভামতৈ জর্-गींब्रामाष्ट्र हण्णाक्षिति(बरम्यान्तान्त्रिक्ष्ण भन्तार याता । ७। क्षणानिक्ष वित्रक्षिणानी-महिर क्रटमाष्ट्र । ज्यूटनागणका कीवठामक माठा लोकमानममञ्जूषाठामित्रर बाहा। २। प्नोटक गुर्के तक्कू वाबुक्त-मधितो छ। खनक्त-एक श्रुकान् गविङाण्डितक्षवादात्रतः टीकांणिटिकृतिः मर्कशेक्र्रमा वित्यत्मवा त्मवङा पाकारशास विनिष्ठाभः।

অকাং লাভাদি বাজনভানি ভানি ফজানে যা বিষয়াং ইত্যাশাভতে। অত ইয়াং কজাব্য সমস্যাধিনমানকং অভিব্যতাং আভিমূবোন বিবিষয়সভৰ্ত। ২ । ও দৌজে गुर्स रैकारिं। मंदरीक्षः निष्टारनी। ८६ कष्टाक कर गुर्कः गन्दास्कानः त्मोक्रारनात्वा बन्धकृ তথা গায়ুলশিনী চ জে অন অভি বৃক্তু। কিক জনজর: জনাধারান্তে তব পূতান্ শবিত। খামিতে। ধৃতিয়ক্তু আঘালন: শ্রিটান্ত্রান: পরিধানহোগ্যারা দশারা: আবিত্যথ: তথাৎ কালাৎ পতাৎ हिल्लीजिन्दियद्वताक काम् भूकान् व्यक्तिक्यः। यत्रमुत्र हेकि दाकारत्रन नन्तः श्रात्न नृ: १०॥ ७ ম। জে স্তের্ ইত্যাদি। অভিলগতীয়ং অব্যাল্যোদেবতাঃ। তে ক্তকে তব গ্তেব্ বেখ্যে নিশি

तारतो, त्यांन व्याजनकरः नवः श वेनादता जेतिकृ। जिल प्रस्थत प्राप्तिका, जनकाः क्रिकः क्षीतरम मन्ना के ह न व्यथन व्यवः क्षीत्रमृतिकः अकर नर्ताः परकाश्यक्षा वीरका न्तिः ज्यानिक इत्याश्माक्ता त्रवंडा व्याकारशास विनित्यांगः। ७ वदाकतार त्योक्षत्रकार नान्।न-मुख्या ज्यव् । मीकः अव्यत्मित्याम् । विषद्धाः अधिमृकामि भागः व्याव्। ६। श्रक्ताnitera unternangien finn erid nie begi men ni afiete en ungenugien gatieng. सकार नकडी मक्षीक केम्बाना किसूका दोगा: युननकानार स्टेडिका १०६ के प्रत्यक्ति हैकारिक छन्तिमाण्डिता एक क्षारक भाषाच्या करीता वक्षापा त्यामाळा भूळमण्डिमाणा प्रामीमाना श्रामित छेष्ठा व्यवकारी विषयाः अधिष्णावि नामः ब्रुम्माण्यमाः ब्रुक्षिणाधः । के गरेब्रब् निवाक भन्छी टीकार सुगनन्त्रमानार याता । ३। टाकान्डिक विक्रमतिहोत हुडी-गीडारः। करा बीरगत्रो बीरगण्डिका मत्री पर गडित्नारक गडिकूरन विश्रांक त्याज्य। किक्कुडा म्हत्माश्वाामस्या तमयज्ञा ज्यामग्रहास्य विनित्याभः। ७ म। ८७ ग्रहस्य मिनि त्याम डियामगांव वत्समंखाः म्रतिम्हा मा घर क्रम्बात-यात्रिको क्रीयगद्धि ग्रिटामारक

बङ्गाबीश्विति ।

()

3

পতিক বিবভাগিক ছদে। বৈবহুতে। দেবত। আজাহোমে বিনিমোগঃ। ও প্রৈজ প্রায়ক্ত ম আগাইৰবগ্রত। নোহভয়ং কুণোছু। প্রং মুভ্যোহ্মুপ্রেহি পাছ্য त्मां वीतान याहा। ७। वह श्रकात्त यज्ञाश्राष्टि त्याम श्रहेल, क्षामां यास हैकानि। अकुनित्र देवदम्ड (स्ट्टा क्छक्। जाणाछि। हि देवदम्ड मुखः मक्नाणाष्ट्र कृष्ट প্রৈকু মৃত্যুঃ পভাষ্যুৰো ভবকু নাছং ভিচে ইত্যুৰ্থঃ। ভৰা অনুভং আৰল্ভণং যে মৃত্যু আধাৰাখ্য আগৰাখ্যু । य बात्माहमा हेस्टाता (मयगानाककृषात्क भृषत्क एक बर्गीय मान नह खाकार जीतिया

रिक्-नदक्षमाना

ঞ্গা বৈব্যক্ষো যতঃ লোহতাকং জভাং ক্ৰোভু ভৱাকাৰং ক্ৰোভু। ইদানীং প্ৰভাকীক্তাস্তুচরেব र এ सिर्मदम्बर्गसम्भः गम्। हात्रा (मव्यानाटक्वगयानसः गिष्ट्राप हेडापः। किन छम्प्रांड गम्छः व्यविष्टित। ८१ मुटका मधः नत्रमञ्जः नहांत्रः षश्चनत्विक षञ्चनक्ता मधः नत्राष्ट्रां । नष्ट केडाबः। भूगत् मृत्कः व्यवक्षरेज्य ८७ स्वाक्त्यच्य व्यीमि व्यार्थता। त्याभ्याकर व्यकार श्रीतिषः व्यवकीताः প্রজাং প্রেণৌআ পিকাং যা কিংশীঃ। তথা মোত বীরান্ উত জাপাৰে বিকাল নানি পুক্ষান্ম किस्मैतिकार्थः। भद्या होट भद्यात्रिकि खांत्वा। उक्तपट हिन्स्बार्थ उक्सी। माजीवन हेटि निस्

गिक्न जाटन नुस्तर नुसांक्त्रिनी श्रुभाता मिटन। श्नाक श्रीकृत्म इस्वित्यू लहेश,- ' अं त्मामात्र वाश।' अहे मत्त्र व्यक्तित्र किशत भाक्तश्य । न्नांडि वह महिंड छैथान गूर्सक न्यात गुर्वत्वन वाता वहुड मन्मित बाहैश 'e जारत याहा !' এर मध्य जाति छण्त छत्ताराम भूकाधिमुनी कृष्णाता किर्द

बकुई वितः जन्नातिमत्ता जन्नाक्षित् वितिकृत्ता ११ कुक्ट वित्रभानः टाडीकः कृतिन जात्तीर रकृत चक्कि करण क्टिड रखवतक नितंत्र थात्रन कतिर्दन । गत्त, माठा चाँछ। किया चक्कि दाज्ञन वायश्रष्ट नयीन्य मिलिज नाकामहिङ पूर् तहेश, मिल् श्रष्टवीता यहत राटकाः पाविकानिकवार हाड अधाय्युक्टेषक्षहमः मार्यात्राक्ष्मियाकारः । ७ ॥ के हेमममान्यिकारि গ্ৰণ্ড পত্নীকে বামে নইয়া, ডিভকে অধির উজর পশ্চিম ভাগে স্থাপিত পেমনী সমস্থিত मैला त्रवीरन जातिया] कांबांडा उट्टता डिब्र्ट्स प्रखायमां वर्षेत्रा. चीत्र मिनम वर्ष्डवांती

জাঞোদ। কিঞ্জামাইব পায়াক ং দুঢ়া তব বিবস্থমমিবাং অপবা(রা)ধ্য স্কুর। তথা বিবভাষ্মীশামধে। अवश्रकार्यम मिन कु:। क आरमा हत्यात्रात ॥ ३॥ के हेबर के छाति। जैनित होत्का मिन प्रतीहर नोब रहारम मिन्स शामित जिलात स्थेत बाक्तम् कहादीरम् अन्तर्कान्ता अहेदारम् प्रहेदार छरभएत, यमूत व्यक्षनित छमत्र कामाछ। कङ्क वक्षांत प्रजीवन्त्र शक्ष क्रेटन, मूर्तीक वसूत्र मणि। जाजा वा जना बाजान के ज्ञानित केनत हातियोत (हातिमुष्टि) नाका मिटवन, क्षरंत्र प्रदेशत कामाण व्यमक्रम्णविक्त केश्वत शक्तात नांका (मंध्या क्षेरंत, त्यांत विविश्वकाः जात्वश्र जाविष्यवकाका गांचा छहे। बीह्यः। गक्तिकाछि। हेयर नात्री की खनकाक जात्यः भष्ड्रिक, वभा,—शकार्शकिव वित्रमृष्टे ग्रह्मार कार्यात्रवहा जभाक्षात्र विभित्रोत्रः। 6 हममन्त्रमारतार करमान वर विता छवः। विवस्त्रमन्त्रा ता का मान्छ प्र विवस्तामका नै मामान छैपत कांगीज। इजदिष्ट कुर्दात मिरदम्। डि्छर्गीत छोगद खदत रहेरल मांगांजा ज्यान क्रेंद्रांत "उदिक्रीकिरव, माक्राशांच मर्सव छ्छानांव जार्गव कावन मिरानं मनीरण् अंति किर क्रेमीनो माखान अत्यो बावनकी क्रिक्रमधित मोर्गामम तम अवि अवरम्भ

गान जिनमा हैन गान कईकुछार जिनमा निर्माताः कर्षकुछाः अधिकातसीकि स्पतिकात्रः। ज्ञा वस्ति गण्डिः। कञ्चा ८६ कटच क्रिन वागित षत्रा यहिका वयः विषयः गण्ने मानिकारक्षिक् मानिकारमसन् विश्वविक्षात्रमान्त्री मन्त्रती अत्यत्राज्ञामिक्षान्त्रिता अवक्षात्र कृत्रक्षीक्षात्रा निक्र कृत्रा दिवृद्धारिक। माठर वर्षानि कौवकू (य मम भिनित्रिनि श्रकृत्वम भन्नकः। किक धनकार कान्नद्रमा मम प्रकृता निम्यश्वामि विक्रियाः॥१॥ व क्षता निक्नाः हैजामि। जिहे विकः क्षारमक्षा क्षान्तिनिक्रत विनिष्णा। कष्णि कन्नना थार्ष नः निष्ठाः निष्क्नार। निष्णाकर निष्क्ना बर्जी नाक्ष् बहुत क्तिम, मञ्ज्यारे कतित्वम अवर डिस्टाम वर्ष माराम श्रुम्मरमाणिक मामा, मीमा उ मुन्तिकार मीकार वर्कतिया वर्गनायक्ता । व्यवहे हेहेवजी। मीकामात्मन देवराहिक्ज्यस्याहार्ड पुरे विरमम ।। भरत, भक्तिकृक मात्र भारे क्रेटन, तमु भक्ति-मरम्मुने स्मानन प्रवाहन मात्रा त्य भिष्ठः भाग्नः वर्षानि भीवत्ष्वभक्षार खाज्ञा गम यात्रा । १। जद्भात्र, भागाजा वर्षाक के मक्क नाका (क्ष्म कतिर्यन, मख गया, -- शकाभिक्ष वि-क्रभृतिष्ठारक्षा किष्मधीक्ष्मिष् ग्रिटिका मामरकाटम विनित्तामः। ७ हमर नार् । भवर उर्दर) मामानावनकी। मोबाबुत

কুন্ত প্রভৃতি দ্ব্য সমেত অগ্রিকে প্রশৃদ্ধি করিবেন, মন্ত্র থধা, একাশাতিৠ বি-বিষধ্প ছদাং কন্যা দেবতা কন্যা-পরিগম্পনে বিদিয়োগং। । ভ কন্যলা পিছভাঃ भि**उटमाकः गडीयम्थमोयम् । कम्ता छङ च्या वसः धाता उम्मा इवाधिभारहम**हि

পুনশ্চ পুৰ্ৰবং উভৱে ঘৰাস্থানে প্ৰত্যাবৰ্ডন পূৰ্বক বধু শীলাসমীলে এবং জামাতা উভ ताण्डिमृत्य में खात्रमान थाकिता, वध्ते खंखनि थीत भिक्त रखनाता थात्रन कतित्वन । भत्त, वाहीति गंदर्ग छन्त्रंत्य खन्तं व्यवसनक झिंदर नद्वित । जा व्यत्यात श्र त्यतः हेडापि। जैनाहिहार उक्जीतः जानरहारम निजिष्का। जर्षात्रा (सन्छ। यज्ञभश्रमार्छ। क्छ। श्रम्पर्यापर एकरः হীতি ছশিলাৎ নধুছো এফ ন জাৎ। অভিগাহেদহীতি গাঠে অভিপূৰ্কাৎ গাছ বিলোভনে। व्यक्तिक व्यवकृष्ट केंद्रेव्हाः। ः भक्कारियं भूकी (क्या नामात्क्षाणक्रमः छक्दार्रक्यं वित्यत्वानगरकात्रकः। শ চ. জাহীমা আলিক ভাটঃ সম্ কলাং হয়ং প্রিটমমানাং প্রেচঃ ইতঃ শিক্কুলাং প্রয়কাকু ভাকুকুলং শানিষ্ডু মাষ্চ: পঠিকুলাং মা আষ্ণাতু পতিকুলাৎ মা পুথক্ করোড় ইভাগ। পোড ইভাস

नामांका यम्दक जाट्य कतिया, श्रवंतर पिछीयतात्र जागि काजूकि कामिक कतिरचन धनर महा म् एस्र कन्त्रा अधिययक्ष । म हेमार प्रतार्थामा त्थाना मुकाष्ट्र मामुखः यांश (२) १८। क्षमातिकः वि-क्रमतिहोष् रजीष्टत्मार्यामा त्मयजा माक्राराम विनित्त्राथः। धः व्यक्षामनर লোক অংশ্যের কং ফিরাভর ক্ষিয়ন্ত্রশপ্রা(রা)ধ্য ম। চ জং ক্ষিত্যমধ্র (২)। এই क्ष्र भूक्षारी छ स्थ वह एक छ स्थात नामा तमल्या वह तम, मामाना के मामान छिषत ब्रहेराह एक क्षित्रा, मख शिष्ट्रतम अवर वर्ष श्रृत्रवर लांका बात्रा ह्यांम कतिरवन, मख बंबी,--মত্র পাঠ ফইলে, পতিদত্ত স্কৃতিবিদ্যুক্ত অঞ্চির উপর বধ্র মাভা আভা বা আন্তা আক্র शक्ताणिक विन्त्रपृष्ट, प्रकृतमार्थमा तमत्रका ज्यमाकायत्व विवित्राभाः। ७ हेमम्भानमा-निता मग्रक करन (मधाम्हत) व्याक्रमन क्यावेहतम, कामाना मज निह्दमन, यथा,--

नावरहाम ।

ফিতএশ্ৰত মুঞ্জিতানেন ব্যবহিত্যন্তেত্যনন সময়। মুক্ষামূজ্যতা বা ছক্ষ্মীতি দুৰ্ঘা ৪।

७ कमाना मिक्छाः भिरुताकः यहोत्रमभनीकामबद्धा कमा छेछ षत्रा यत्र यात्रा छेषना ्यूट्सत नाव शूनवात उच्चा टाजावक्न श्रवंक वर्षाश्चात वर्षाक वा मीना नत्रीरा Appointments form (2.) In the contract of the क्द्रिद्वन। शहत वध्त मांजा चांजा किया जना बाजाब वध्त मिल्ल शामकादा भीमा এবং জায়াতা উত্তরভিমুখে দণ্ডারমান থাকিয়া, বধ্র অঞ্জিত্তীয় দন্দিন হন্তদারা থারণ जाकमन क्रारेटन वयः कामजा मञ्ज পড़िर्यन, यथा, - अकाभिष्धिवित्रम्थे सम्बन्धिका भिष्टात्रमः तथा, नाशकाशिष्टभ मिनिवाहे, श्राष्ट्रमः क्राहा तम्तका क्रना। भविषद्धन विभिद्रमागाः

দেবত। অধ্যক্তমণে বিনিরোগঃ। ও ইম্মস্মান্মারোহাল্যের জং ফ্রিরা ভব বিষম্ভাশ্রাশ্য मा ह पुर विषठामधः ()। এই मज शांठ क्हेंटन, शिङकर्डक वधुत षष्टीनटि अक्वांक চতুৰ্বার নাকা দেওয়া হইলে, জামাতা উহার উপর অপর চুইবার গত দিয়া, মন্ত্র পড়িবেন क्षमण्ड मृख विष्कृत छेशत न न मांछ। खांछ। वा षाना बांमान कर्त्वक श्र्माशीज सूर्भ सहोर्छ ज्ञवर यम् जे मामाघाता शूर्मवर हाम कतिरतम, मञ्ज पथा, --- धमाणिक विक्रणिकशिष् क्रजी-

कतित्रा, शुर्ववद कृष्डीत्रवात्र षात्रि थामिका कतिरत्यम धवर मज पिछत्वम, घथा, - धाक्राणिक-अ वि-विक्षेण, इक्स कक्षा त्मवका कनामितिमात्रत विनित्यामाः। ध कमामा निष्काः गिडित्नाकर बड़ीस्त्रमामीकामब्हे। कन्ता डिड ब्रुस दहर भासा छमन्त हैवाडिनारक्ष्महि म हैमार (मयः भूमा (काटजा मुकाकु नामुकः याहा (७)। ६। कामांका वर्षत्क चार्या क्षमः शुरा (मवठा नाकरशस्य विभित्ताभः। ७ भूवनः मृतक्षः कमा अधिष्यक्षक THE STATE OF THE S

वर्षांशत्मावात्र विकृषांनवक्। नवनवाना त्यांनात्मा निकृषांतवक्। वक्नाविवाक्ति। त्वनक् रिक्सत्त र्वनमें के रिमनः इंछानि —। त्मोकीश श्रुत्वर । ता धकवित्व रिक्ष्यांनाक् । त्व केटक विक्षाना का छैनंत्र भूमन्ड घूरेवात कृडविन्द्र मिया, श्र्मत्व वष्त्र व्ह्नपात्रन श्र्मेक, — 'ड' बाबात चिक्रिक्राज बीनि जाणाव निक्षानकष्ट । ठकातिवारबाण्यांक निक्षानकष्ट। नक्षाण्यक्ता निक्षानकष्ट्र। टमबाटकित छैनत धक्यांत चूस्वर शुरु मित्रा, छादात छैनत ष्यांन्छ माखा ताबादेशा, छादात

যাহ।। " এই মন্ত পড়িয়া, স্পের অন্তভাগদারা লাজা হোম করাইবেন। । ভূতগোত্র ভাগিৰ প্ৰবন্ন ছইলে, সুপের উপর প্রথমে গ্তবিদ্দু ছুইবার দিতে হইবে, এই বিশেষ

मर्खणमीगमम ।--कामाछ। (ष्माकणरक वावश्व वनाढः ष्मावाकि) मैत्मत छणत मधाम-

হইলে, স্বব্যবহিত পূর্মবর্তী মগুলে স্তরাং বামপদ সংস্থাপন করাইতে হইবে। প্রডোক মগুল মানা বধৰ্কে সমীপে (केनान কোণে পিটালি ৰারা) অ্কিড সঞ্জমণ্ডলিকায় ধৰাকল্পে দক্ষিণ পাদ দারা আক্রমণ করাইবেন এবং কমশঃ দিতীয় প্রভৃতি সমীপবতী মগুলে পদ সংস্থাপন मिष्मित भामकाता प्राक्रमत काटन कामोडा वसरक मज्ज खनारेदन । मज्ज क्या, -- क्षकाशिड * वि-एतक्पाधित्राहे हाम्मा विक्षुत्मियङ। भामाक्रमत्व विनित्राभः। ४ विक्रमित्य विक्र-

बानम् । । बह मत्त्र ात्म मध्यत मिक्न भाम वर्ष कराहरत। वाकामिक्किन षि भाषिताहे इत्या विकृत्मवन भाषाक्रमत विनित्योगः। ७ त्य सिक् विकृष्णानम्। नामाक्रमान गिनिवृक्ता। एर क्रांक श्रक श्रक भागः था काः विक्रवानम् आक्रिमम् । क्रिम्सं हर् क्षांकोत्र क्षांत्रक्रामी क्षेत्र । मध्य तम् भाषा मानगर्य। जितक नमानाजात्र मार्कान मज्ञाता। जोति

ও ষ্ডারলোগায়ার বিফ্ল-ছানরত। ৩। প্রজাপতি শ্বিং সপ্রপাধিরাট ছলো বিফুর্ণেব্রু भागकियात विनिष्टिश्राभः। ७ ४ ४ बाहि मारियाच्यात्र विकृष्णानग्रङ् । ४ । क्षेकार्नाज्ञ विक णक्शामिताहे इत्मा विक्रूट्मवडा भामाक्रमत विनित्यानः। ७ पक्षण्कुट्डा विक्र-शानंत्रकु। ६। अकानिष्यं विः वहे नाषित्राहे इत्मा विकुरम्वजा नामाकमरन विनित्यायः। 8 जीवि बङात निक्-षानत्र । ०। समानिक किन्त्र माधिति हत्मा निक्रिन्त्र (अहे मट्या किनीस म शत्म किन मिक्न माम अर्भन कराहिंसा, ताम भम काथम महत्म बार्म माम कन्नाहरत)। काकान्यिक वि-जिनाषिता हे हरम। विक्रुरफ्वका नामाकगरन विनिरम्भः। भागक्रमत्व विभित्राभः। अ मखमखराज्या त्याबारज्या विक्र-खानग्रज्ञ। ।।

×

এইরপে ষধাক্রমে সঞ্জপদী গমন হইলে, সেই ছানে অব্দিশ্র বৃধ্ স্থকে জানাতা वकान पक्षकंपरित । ७ । ज्यानि मरिस्राज्यात रमोप्रदेशित्त । भक्षककाः भक्षद्रित । र

महेग्सिन अधिराणीया वनवासिरा १०॥ नंधनश्राबानाः विष्यास्या

सार्वा गत्र पिएटबन, यथा, - शकार्वाङक विः माधिको (माधको) शकु किन्द्रमा कमा क्ष्यका भागाक्रमणामञ्ज्ञमां गात्रात विनित्यागः। ७ मधा ज्ञणभागे छव ज्याह्य भागा

मधारख मा (यायाः मधारख मारवाधाः। ।। ७९ भरत, कामाछ। विवाइ श्रममंक कन्नान मधरक মাশাসনে বিনিগুঞ।। পভি: ক্সাং প্রাথমতে। হে ক্জে জং মম সধা সহচারিলী ভব। ড্রা সপ্রপদী मक्काय कुछक मज निर्देश, मथा, - शकानिक्य विश्विद्दे न् इम बामाज्यमाना त्मरका दिवाइ-ওঁ গৰা লগুণদীত ই ভগাদি –। সামিকী (মামকি) পছ কিনিয়া। কজা দেবতা পাদাক্রমণাসক্ষ-मखनमाकाङ्गाधित्यरम्त्यम् मह्हातिगी ध्वतकार्थः। मखनमीछि विष्टिष्टित्स्। किक मुश्रात्स भाष्मः नवार देनजीर एउ छवाहर मक्कानि नवा छव छत्वत्रमिछावः। किथ नवारक मा तावाः एक छन यता मह नवार द्यांनाः ज्ञित्तां या किनानि न्यंतः। उदा नवार स्थार काराधाः मधः स्थः उदाजावानः यारशाहर अख खरा बारपाहेगा: ख्षकाधिना: बित: भ्रा गरु यम मनार क्र्मिक्छि (नव: 1 > 1 के ज्यमनीतिक्यः हेट्याहि--। किहे क्यर (टीकककार्यमार्थ विभिष्का। आमाणमाम (मन्छ। ए (टीकक्तना हैम न्यू: স্মদ্দীঃ অন্ভয়দন। পরিণীত। যতঃ আহে। বৃষ্ণেয়দেভ সমাগভ্জে সমাগভা চ ইমাং পঞ্জ

ज्यित श्रीक्य क्रिक्ट व्यवधाता क्षमिक कटम मखनमी श्राम बारिता, यत कर्षक मज्ञ नाठे रहेटम, बरंत्रत भखर क श्र्मिश्विष्ठ कुछ रहेट छलाबाता जाजिरक कतिरव, मजा बबा,-गरैक मक्षा याषाखर विभाउड मारा भार, कमकूखमाती व्यक्त (बाजाद बामावाकि)

विश्वत्वकः न ह विक्रिया छत्र विभव्यत्वत्विकि विभया भूस मिनायात्काः छ क्षक्रक्रमाः ॥ १॥ के मम्बुक् हिल्लीम्बादः। वदा नद्राधिः हि ह्यांकका युत्रः कहेन होनाताः तथा बाद्धः गुरेर दाव। न ठ विरम्हत्यताः हेन्त्रामि—। असूके विष्ठः विरम्हम् वारम्हाः एक्षका मुक्षाण्डिकात विमित्रका। ८६ क्षांक त्यो मान्द्रश्रक्षकृत्रामि निरम्द्रमनाः ममञ्जक त्याष्ट्रक अक्तुरी कुर्मञ्ज। उथा आर्त्या कर्मानि उपा बार्डानिषी मक्ष कनारम्भः। क्षमम्नीति क्षम्नि रनित्ने वक्तर्ती के विष्यं के कातः। हाक्तम्बार काकागिङ्का विन्त्रपृष्ट् कृतमा विष्यतमया त्मयङ। मुक्काङ्गिद्यकृतम विनिद्धागः। व्ययम्बस्य व्यट्क त्मोकाश्रार मयात्र युरु व्यक्तः वर्षसः विनादक्षण गक्ष्क। विनायायी विनाव व श्रमात्रविष्टमित एकः। यक् हेकि छ । खठात्रा १ वर्ष । विशयकत्मिक भवाभून हेन भएको भवननार कि क

অংবহিত) দক্ষিণ কর্পুতে অংসুলি সমূতের মূলদেশ-সমীণে খীয় অপধোনিছিত দক্ষিণ কর-ভিলমুলি (বেউন করণের ন্যায়) ধারণ প্রকি ছয়টি মন্ত পাঠ করিবেন। মন্ত মুখা,— পাণিবাছণ। - काबाङ। পূর্বেকি সগুমগুলিকার অন্ত্যানে দগুরমান। বধুর (চিডভাবে

। इ. डवी याता खकाणिडः उथा वेटन्थी जिनाम् श्री त्याता अत्मराष्ट्र धकीकात्राष्ट्र। म्याण हेडाारमी वादिकशास्त्रीक वादिकश्चिमाथरमरेमय डिशमतीमथकः। उटमक्रीशाब जिममः भाषपृद्ध । ७। कि मुक्ति एक हेडामिना जिहे :: भागिशहरामा वितिश्वका। जगमितमबाका। एक कनाएक एड উৰ হতং গুড়াৰি গুছাৰি কিম্বং নোভগৰণৰ নেভিবিগাংশাৰনাৰ ৰয়া পড়া সহ করণটি-ক্রাক্ত: বাৰং प्रथमिः यथा स्टबमि । किम्पर्यः नानिः शृष्टः मि वमास्टाशाह्यामा मिन्छ। ठ पृश्कि त्राजीः এতে एनता त्म मकः या कार गार्थनेत्रात् मध्यंत्रक्राः। श्रुमामीति महात्मिक्त्मिनीति स्कापक समाप्ताः। त्मोक्रमधाध

चानिति यहात्व हरूकी। छवा क्रवनाः धनज्ञमानगः अवकीत्छक्षिती छवा बीज्ञः नदश्ख्यानेवी ওণ ভাবফুলীবদশতেটা দেবকাম। প্ৰমহাৰ্থজনত ভোনা স্থকালিও তথা নোহ্ৰাক্^ত স্থাজনৈ বিশিপে ग्राटम मः क्वानका विसी क्या छड्नारक ड मर अग्रतिकात्रक्यानकात्रिती क्व क्वानावटक । विभएन ७ चाकाकक्ष्मा जिल्लाविक्ता विकासि —। कन्मा दिवराज्यः विहे न्। ८ कन्नारक ज्यापात्र ज्यापात्र कार्यात्र अपूर्णिय প্ৰজ্ঞাপতিস্থায়ঞ্জগতীত্বদঃ প্ৰজাপতিক্ষৈবত। গৃহীতকনাাপানেঃ পত্যুচ্ছপে বিবিয়োগঃ। यसम्बद्धाः द्रमेष्ट्राः सम्बद्धाः त्रोसमायः व्यान स्थि भारकृतं सितिनियम् स्थानीति भारक्षां म युक्तः क्ष निङ्गी चनिष्याङिमी ह आरं छव। छषा निवा नखकाः नन्नार लामहियानीनार निवा स्यावश खब। सूत्रमाः सुर्वातः वित्रम्-जीवक्-त्मिवकामा त्मामा मर त्ना छव विभएतम्मर ष्ट्रकुणएष । र ॥ अतिक म स्थ का स्था हिमा आता ता ता ।। अका निष्य निष्य निष्य निष्य निष्य निष्य गुर्होध संत्रााभारमः न्यांकरम विमित्रागः। ७ षाषात ठक्त्रमञ्जापि मिया भक्ताः गृङ्गिमि एक त्रमोक्षणमास क्ष्यत यहा भाउन क्रमिष्टिय्नामः। कत्रमाक्ष्यमा प्रियं क्रामानिक में कि कि मिल्ला क्रमामरमा एमवाडा गृश्विक क्रमानारवा नकुर्मकरन विजित्तामा

ও আন: প্রজাৎ ভন্মতু প্রভাপতি-রাজ্নয়ায় সমমক্রিমা। মাছ্রিকনী পতিলোক-

निक्षा सरी त्यार्काणः श्रक्ता शृष्टानीत्रानिकानामान्यम् छैरनान्तम् व्यानकामा स्थानर्थातः। किन मानिम मात्रा कर विभएममा छड्जाए । ७ । शकाणि क्षतिमाष्ट्रे शक्ष वेटका (मयका गृथीक-দশাস্যাং প্রানাধেষি প্তিমেকাদশং কৃত ॥ ৪॥ প্রকাপতিশ্ব বিরমূট্পুছন্দ: কন্যা দেবতা भी म्यूनादन के कि छाक्रत क्यूनी हर । के जाना खेबार हैकापि -। बनकीयर कांबानका। बाबा-ण्डि खेलांग्रीमा (तक्षा मदत्रक राज्यक् वाक्ष्यक् वाक्ष्यक्तार कर्त्राक्त् । (ह क्ष्यत्व व्यम्तीः मक्ष्यवरक्ता त्यव्या ण गा मण् वक्षव्यक्षः क्षव्यं निक्ति। निक्याः वाविन। कावनप्रविक श्राहित्यान-गर्मी गर्फः । जांबतमात्र केडि ज्यात्रीकारत नद्र टाकृष्टिका-देकांव क्यांत्रा जनगरक्ति गर्कारक बाबन्ताविध नक्षार्वकाष्ट्रकाष्ट्रका छक्षी। यक्षीति प्रविधिकामः या क्ष्मीकि विभि भूक Antitos dant ufanfing: beithe : and fan den! ce der fan Granden-fale. अग्रीमामम्बेखिकः मृत् हेमार क्यार मुख्यार मर्श्यायामारा मृष्टमार गरिविशार मृति क्रमा किमा माणा कमाणारनः भकुरकट्टन विनिष्यानः। ७ हेमार क्षियम मीष्टः मृशुक्षार मृष्टि।

छत। नम्मति 5 मजाको (छत) मजाको जित्तमत्त्रु । १ ॥ टाकानिक विनिधि प्रकाश क्षानीयांना (नवेडा गृशेडकनार्गिरः: १९१६र्भ विनिधानः। ७ भम बर्ड कि समेत्र गृशिककागाणारवः अक्राक्टरण विनिद्यानः। ७ गणाको मुक्त एक मार्थाको मुक्तार

べいへ or bie andre. arteliais arteliais grafifo grafen. An die etlanien वीहाराम्डाक। विर त्यहत्व हेडाछ स्त्यो निमाजारक। मृक्यत्राकः नगरको सम्योकि क्षरा कृषीि निष्ठतिः छत षषाः नक्षाष्टिति कथा समाष्ट्रिति नक्षाणिकाः मधिराष्ट्रतु तमयदत्रत्। शूनः शूनः बार्शमान तम्बर्धाक। त्र क्रमत्क टिक्ट ख्रम्म मनः (ष्मत्वा क्र) मन उत्क्र क्रमीन मन्त्र अध्याप्तप्रकृता मशाङ् सम क्रिक्सम् क्रिक् एउटक । यम वाहरमक्रमा क्रयम् तरुम्माजिक्षा नियनक मधर्रा 🏓 क्छात्रार समारतान् प्रमानारधीर मर्थक्षणाः शुवान् वापात्रिक गान् प्रिकः क्रांतः मछा ध्वनीत्रीः ভव हेडग्राहि─ा अप्तरे विषय कम्रा (मरका। (ह कम्रतक मम्राक्षी व्यवानवामिनी (शृहणांविजा:) प्रकृति ফুকোরিকাণক বছলং ছক্সীতি বুক। অপুসুসুকুর্জাজ্লপীতি হেধিভাবঃ।৪। উস্মাজী খণ্ডরে नमानी बारण: त्री नर्गण: १०१ व व उत्त उत्त है छ। पिन कि निक् वार्षनी मा विनिक्त

छ< पटत, छैक्टत व्यक्ति व्यक्तियतमटन आमिता, कामा छ। (त्रतुत मिक्स्ति) छेशदबभम श्तिक षमञ्जक मित्रभ थारकण कतिया, नाक नमस्य गरानाग्रङ्जि रहाम (७२ थुडी) कतिरनम ।

• প্রকোনে, শানিবাছন কর্ম সেব হটনে, বিবাহ হাবের ঈশাব কোনে হিত রাজনের বাচীতে কিয়া বিবাহ হানে ঘ্রানুত বধু সহিত উপবিষ্ট কামাত। পুনশ্চ কৰ্মারজে অমত্রক সমিধ প্রকেপ পূর্বক ব্যক্ত সমস্ত ও জোন, নামবের মালীকে বর ক্রাকে দাইয়া হাত্যা হটত, দুন্তী নেই হানেই (শাসত গুবের ক্লান্ত) ব্রচরে বোনভারে भश्यांकिं छ हाम कतिया, भन्ठालिभिङ मत्त्र हरुषाता यथाकत्म ছत्रि ज्यां छ । नित्यम প্রদিধ কক্ষেণ্ডর কাবা পর্ডে অবছান ক্রিডেন, গরে, নক্রোচর হুইচেন, গুলত বহিছাপন প্রকি ছয়বার আভাহে।বাদি षक्षक कर्तुमन्त्राक्रिकार देन ायमञ्जयना ठारम् । अठष्टकक्षन्ति मम् अरख खन्तार मिरक्षीति । जाताक मध किसमूह (क खन किसमूख क्याक् जाबरजांख (क्रियक): क्यक्तिया । किस मम वाहर बाबीर आक-भनी: प्रममाएक जो: मुकी पूर्व (त्रवया। किया तुरुल्माकि: जुतुककः या प्रारं समर्थ नियुत्तकः निकाशाः स्टिसिक्सकुत्रकाका के त्रमश्मिकितु क्टार्मि—ः मक्तिशाम्बक्षे कार केन्द्रसका मक्कान्यालाक मक्त **डे**ड्रविवाहः *।

'क्षकाणिङ् कि त्रवृष्टे पृष्टमः कन्नात्मत् । উछत्रविदाह णानिधन्त्रकाकात्नात्म विनिधाणिः। এবং প্রভ্যেক জাভতি প্রদানের পরে, ফ্রব সংলগ্ন হত বিদ্ধু বধুর মন্তব্ধে দিতে হইবে। [क्ष्रि मटजुरे कृति क क्ष्मामि धक काकात] गज बथी, --

উত্তয়বিবাং শাবিএছণভাজাংহাবে বিনিষ্কাং কন্যা দেবভাকাঃ। হে কনাকে তে কর লেখানাছিত্র ণ্ৰাস্থ নেতাশিধানেষ্ আধংতিষ্ (সূত্ৰগুরাদিমু) কুষ্বের্ ছিলজনপ্থানবিশেষেষ্ অংশবিলেধু বা চকারঃ সম্চেরে क्ष्यमण्डवानि गानि ८७ स्ट स्टानि ८३ जुर्वाक्रा आखारश्यम मसीनारण्यानि फक्र नाविताक्ष्यः नयज्ञाति मामझिया। ।। (करमयु तक भाषकः हेडापिन-। कनाग्राः (करमयु हिक्दवयु केक्टिड मर्नात्म क्रियेड লুপ্তৈত্য গুট্তেত লোগ হত্তে লা, শালে এলুণা আতাৰ আহিছে। লগুএই মত্তৈৰ হতে অভাত্তালান মুনিক্লাণ বুমুৰ্শন कृतिराजन। अकार तमहे नक्या शावशत या बाकात जावा या विविधा साम्यातिक काची नक्या विविधाय। जायपार्ट्य हिविक् माहा। ।। दाकानिक मि—हेडापि। ७ त्करम्य यक भानक-मीक्षित क्रिक्टि हरिएक क्या जिमारत महामिन महेश। किन निम मःत्रक देनपुन हरियाताकासन छ कृतिएक कृषताति नगात नत्रन ও দেখাসভিত্র পক্ষথাবর্ষেত্র চ যানি তে। তানি তে পুণাক্ত্যা সর্বাণি শমরামাহৎ 田野日日で有1年 町田町 田田内 年末1 日本町 1

বং। ডানিতে পুৰ্ভিড্যা সৰ্কাণি শম্বাম্য্য স্বাহায় ২ ; প্ৰজাপজিত্ধ সি-। ও শীলে योश। ७। क्षकापिङ्क वि-। ७ व्यात्तात्क्यू 5 मरछत् इत्यत्ताः भामत्त्राक्त वेष । जीनि চ বচ্চ পাপকং ভাবিতে হাবিতে চ বং। ভাবিতে পূৰ্ণাভত্যা সৰ্বাণি শ্ৰয়াসাহং श्रीकटा। मन्त्राति नम्यतामारः यात् । ८। टाकापाटिकामि। ७ फेटन्साक्रभाद्यः জ্জায়ো: সকলেবুট বালিডে। ভানি তে প্ৰভিত্রা স্বানি শমরামাছং আহা । । একাপতিজ্ব নি। ও যানি কানি চ বোরাণি নর্বাদেষ্ তবাভবন্। প্রতিভিরাজ্যুক্ত

मक्षित कामानीमार वाशा ॥ ७॥ मक्षित्वाहत्त वर्तनीमर मागकः मागकः मानकः। हकादार रामि यामि भागकवनाक्ष्मीम जानि छ स्व সৃষ্ধীনি পূধাৰ্ত্যা লামামি। ২। ও শীলে চ বচ্চ পাপকং ইত্যাদি—। শীলে বৃচ্ছে চকারাদাভিক্রপ্যে ভাষিতে ভাষিতে ভাষিতে হসিছে স্বংন চকারাদ্যমেন চ যাক্সলক্ষ্যালীতি গতাৰ্থ। ও। ও আংসোকের চ हैड्यामि--। चारत्रास्क्यू मखा ा - हिटळाड् ठकात्रारमोग्नेत्राः मत्ख्यु मन्यान् । इन्छत्याः नामरत्रास्कृति 5कोबार अमुक्रको: गोजार्वर ॥ ४ डेट्सीक्रमरव हरामि—। डेस्निम मादेश्वः। त्मथात्रिकाहि-त्यक्ष्य् चात्रम् मभारम् ठकानाम् एक वाजनमभ्याति । वाजनमभ्याति । वाजनमभ्याति ।

₩. 00

माय छक्कात्रन कतित्वम । अन्याका शुनम्ह वश्तक नाष्ट्राह्मत्त, -- काम्रानिक्स मित्यहे न "अवस्क (मयमर्चारः, ख्रीयम्की (मयी बहेक्तान यधु जाळ नक्ति नाम नात, मीज ভংগারে, জামাভা বধুকে এই নত্র 🗢 পড়াইবেন, বধা,—প্রশপতিঅ'বিরস্থূপ্ণ.-ছালো দ্ধবো দেবতা ধ্রমদশনে বিনিয়োগাং। ও ধ্রমাসি ধ্রমাহং পত্তিকূলে ভূমাসম্। ১।

200 শ্লৈ বিলিগুকা। হে লক্ষতি লহাতত্তি কারবাহ মনোভীক্ষা বৃতাকি প্রিরেডি তাদণ্ধ্যক্ষতী अविभित्ति निववास्त्रास्त्र अम्बुलक्षर ३०३ ७ ७ व वस्त्रतात्वास्यति । अमुत्यार्वित्या লেখা হ্লৈ। [আনায় সর্বাল হত্ত পাঠানুল (প্রভিনিধিজনে) জামাতার পাঠ ক্যা ব্যহরে আন্তে।] যানি প্রকৃষ্টাপ্রক্রানিত ঘোরাণি কের্যাণি তব সর্বাদেশ্বকণাজভবন্ত।প্রস্তাশনং শাষ্তবাল্দি विविज्ञा । ए अप कर करममित्रिता ज्यमि कडा अञ्चलक्षामा स्थाप अञ्ज्ञ क्षामा भाषिताहरकाश्रमकार्थः १७॥ छ अन्यनि अनाक्र निकृत्न कृतानः। तक्तिमः अन्तिमकाः अन्तर्भाता একং নে সকল ঘাষ্টাৰালক মণ্ড: ৰুপ্ৰচলিত চ্ইলাহে, কেশন ঐ সকল স্ক্ৰিভিনিত পাঠ ব্যৰ্থাৰ পাক্ষি ভাৰ্থি • गुर्मी अहे ग्रह ७ गण्डानिष्ठ ग्रह गांडे कहाहेता, जावाठा न्यूष्य अन्त मण्डल अतः बह्मकृति नक्त तुर्माहरू जन

ছদেশ। বধুপেবিতা আরুক্তিতী দশ্লে বিনিয়োগঃ। ৬° অরুক্তাবক্ষাহম্পি।২। তপেবের, वशुरक पावतताकन भूतिक कामांता यत श्रीत्रतम, यथा, -- धाकाशित्रपृष्टे, श्राक्षमः कथा। रम्बला कनाम्बनकटन विनिद्यातः। ७ क्षतरिमा-क्षेत्रं पृषित्रो क्षतर विवर्षयम् कगरः। क्रवामः पर्का । महत्र क्रवा हो पव्टिकाल होता । ७।

ककारमन्त्राका। वथा केटाधाकाता। यथा धना किया का ग्रात्माकः वथा अन्य श्रीवृती वथा ह अन्यत मर्गत्त । २ । के अन्या त्थी-अन्या श्रीयती अन्यः निव्यित्तात्त्रात्ता । व्यक्षद्रतिकः व्यक्षप्रद्यतः विनित्रुक्ता मध्योऽताः हेण, व्यन्दः मधा ६ वन्दामः विद्याः भन्तकः हेत्यः त्रत्यतः छी भिक्तिता अस्य। ज्यविकि द्रन्यः। अन्तर्म केंकि काष्ट्रतमञ्जूक । ० । के कामभीत्वास मनिमा ठेडा कि --। अपन्ते तिकः कामका निम-मुख्या व्यवस्थितका । एक वर्ष ८० कर कि छः छकात् । विकास समग्रमध्ये कि इत्राह्म व्यवस्था । भक्षणारमम अक्षत्रमानक्षरमम भाषाद्वात र छःमत्रीक्षत्यः। मन्दिन्त्रोणमात्राः अविन। मक् मकाकृत्कन মণিলা মণিলামা আমামা সহ বছুত্তেন। কিঞ্গুলিনা বলুতি কিছুতেন আবস্তোল আশিস্মত্তো यक अमेरिक्षक मार्काकम मानः देव तम्याः भूगाकि तम्पि भूमज्ञिष करम्य विभिष्ठाक मार्कास्थिमा महाः ্ডৎপরে,বর্ প্ডিগোড উচ্চারণ মারা মামিকে অভিবাদন করিবেন, যথা,—"অভি-अष्यमुकी तमग्रहा छोश्डिवासरत् ।। भारत, भांछ यशुरक खाराजियामन कतिर्वन, वेथा,---यागरत अक्टूक त्याचा अभिस्की त्मयाङ्कत्यि छाः।ै छिरस्य मर्छ, अमूक त्यांचा

अमुष्टे अक्टकाक्षर प्रवज्ञा अप्रत्याकटन विनित्यातः। ६ अप्रशासन माणिन। व्यागमुर्जन ভোকনাকি ৷--কামাডা (অনাভিমত্রণ নিমিড) মত্র পড়িবেন,--প্রকাপডিঅ'বি-अर्पियामा एमवंडा मम्माट्डामिमरेयकाथाधीन विनियामः। ७ माम्बम्बमम् न्तिक इंडिटिंड आखा नवर बाता कम महेगा, वर्ष ६ वतरक अधिरत्रन कतिरवन। भरत्र, श्रीयन। वर्षायि मडाव्यक्तिमा घनम् समग्रक छ। ।। क्षामाभिष्यं वित्रपृष्टे भूष्टमः "आमुक्की छन त्रोटमा आजमुकीत्मयो।" भटत, त्कान मधया नात्री भूक्याभिष्ठ कत-कांगाडा भीष काक्सभ भूक्क वाख-ममख-महावास्तिड (हाम (५२ प्रकी) कविदयन।

अधिविष्य प्रकासक प्रकास । विषय । विषय । विषय है । विषय है । विषय है । विषय विषय विषय ।

ছুদ্দোহয়ং দেবত। অমল্ভতৌ বিনিয়োগঃ। ৫ অয়ং প্রাণ্য্য পঙ্কিংশ (পড়িবংশ) স্কেন उसके अन्तर गम। मनिकर अन्तर मम उनक अन्तर उतार। शकाशिक मिक्पिजिक गिक्किर जी

निनाहरत कुछीत जिन्दन भानाहत्राक्त शुरूक नकुरक महेता नजुहरू बायनन अपृत्ति कांदा वाश्तात माहे, त्यनन कवान्त्रकोत * এ যতে স্বোধনায়ত বধুনাম এতিয়াগ ক্তিৰ। এজাবে চবিয়াগ ভোজন এবং ভীজ্তীয়ত নতুকে প্ৰযাম এখং यशामि का आधिष्यकी क्षिति क याता। ७। भटर, लामाछ। (यानाटतात्रम कना) मञ्ज भिष्ट-

তাকা অধ্যোধন বিনিষ্কা আবংবাল দ্বৈকা; কবলিতাবং । ২ । ত আয়ং আবাস্থ গঙ্কিংশ (পড়ি-काण्योरकम मन्नामि चाटनी। विभाव्यक्ततीयः समक्षरकी विनितृष्का समहावयकात। हर वधु समः पाननीयः প্ৰাণ্ড ৰাষুৱাল্ড গঙ্জিংশঃ (পজ্ঞংশঃ) বনুনং বডেছিতজেন ছ। ছাং জনে) আছং ভৰ্জা বগ্লামি বনী-নংমোসারজোর অকার সোগাছর গুর্কিশো (পড়ি বংশো) বছনে লোকোজায়কগেওরোরিডাভিধান-करतामि । नश्किम शैकि नटक्षित्मस्य म् समनीजि स्यानगः निनाङननार उपनि क्षानास्य हेकि ह स्राप्त कोकः ६०६ ७ विक्रिकक्रक्रिक्याणि—। जिल्ले विवार अया (वास) (आक्षा विस्तिष्का। कछाएमवर्षका मत्र नाई क्या रह, देश नूटमें जिलिशाहि।

क्षंक गथी एक। क्रींक स्वीकाविष्या केनाकाता । जक्काव्य (गाव्य) कका। ए स्वी ए वर्ष বঞ্ছং বাজং রখং জাগ্রোক আক্রোম। জাবিতাক্ত পদীব আবিতাক রথং কিছুতং শাসুলিং শাসুলিপুশবিব মুল্লভং। মুক্তিকং শোভনপ্রাজগুলাকে রক্ষ্যিতাও:। ভগা বিষয়পং নামাবর্ণ মুবর্বরণ কাক্ষন-কালিং অকৃতং অইকুকং অচিকাং আগলগোগতে। অস্তত পানীতে নাতিষ্ণাবিভানং এতচ্যুক্তং ভ্ৰতি । তথাপোৰ প্ৰশোধাণ্ডনবধান্তান্থপতিযানং ভ্ৰতিত্যি। কিক তোনং সুধং পতে काबिटम अगुष क्षमः। प्रदर्शाक प्रवास्थितकावार हान् बखना में कि हान्। ६। 🎳 बानिसन् हैकामि--। নাজিং জ্যোনং পট্ডা বহন্তং কুৰ্ছ। ৪। চিতুলগ্ৰামজন মন্ত্ৰ যথা;—এজাপতিক'ৰি-त्रमुद्धे ल्हमः लक्षात्मा त्मवङा हङ्ब्लाथाम् ग्रामुत्व दिनित्याभः। उत्या विमन् अतिभिष्टिना ওঁ শুকিং শুকং শাক্ষালিং বিষক্তপং সূবৰ্ণবৰ্ণ সুক্তং সূচকং। আরোহ সূর্যোহ্মতক্ষ त्यत, यथा,---शकानिष्धि तिश्चित्रे न्हमः कछाएनवङ। यानात्त्राहत विनिध्याभः। য আসীদৃত্তি দক্ষ্যী। সুগোতিছু গ্মতীতামপথাজ্যাত্য:। ৫।

अ. प्रदेतिक अकुणायात्र । विशिष्टका पश्चात्मा त्यक्षाः। तः गृष्टामः कृत्यो कृष्णकी दप्रदक्षी प्रशेषर

(** KA)

| ब्रह्मार्थायम् वन् प्रमु पार्ट | शकार्थाटक मित्रपूर्ण करमा भवाष्ट्रा मित्रा জন্তুচচশোপ্রেশ্যে বিনিরোগঃ। ও ইহ পাবঃ প্রস্থায়ধামিহাছ। ইহ প্রমা ইহে त्रक्ष मिक्टनीकि श्रिता चित्रीम् । ७।

হতঃ কাৰ্যাক কাণ্যজ্ঞ । পুৰিপাছ্ন হ'কি জ্ঞানি প্ৰিনাছি প্রিপরিযোপ্রায্যাকরীতি ইনিঃ। হতে জালগুলিছিলতে জাগাল পাছসুহোমান বিদন্দাল লিজ চালিজ । কিংজ চালেনীবা স-জানীদালি বে জবজন্তি সপৌভারিতি স্বাধেন গ্মাচেইছ্রেতি সূত্রেছ্গিকরণে ইতি তঃ বছলং ছন্দ্রীতি ঐদ্ন ভবতি। ছুর্মান্তি किक प्रतिकः स्वतिमः मारेनेत्रं क्षत्रार्थम् । किकास्मान्त्रे । किकास्मान् পুর্ববছঃ। । । কৃষ্ণাবঃ ইতাদি --। অত্তু নিয়া গৃহপ্রেশে হিনিমুক্ত। গ্রাণ্ডো দেবতাঃ। ইচ্ অধিন্দু নত্তাহোঃ দছদিনি গুলে ছে পাবঃ ধূরং প্রজায়পেণ পূর্ণপৌতানিস্ছতিছারেণ প্রস্তা ভবত। ছকা চ গোধনানি বছুনি উৎ াল্মিবনাশ্যে। তথা অখাতথা পুক্ষা: পুতাদ্য: উৎপদাস্থামিতি टमार । के मामण्यत् मंकाखद्य का कति कार्य । हेरू कर्मित् श्रुरू जुरू । तरका नियोषकु छेश्तिमकु । किक्स सहसामिक्त माम्यास्य । कम्प्राम् प्रमासम्बद्धाः जीवासम्बद्धाः अन्तरम् माम्यासास्य ।

डेपरमन कत्रावेश, खबात करच कन मुनामि छक्षन कछ फिरनम। परत, काघाणा निष्धरक ভংশারে, সধ্য। রাজানীগণ বধূব জোড়ে দেনি অক্তচুড় গশাস্ত রাজান কুমারকে

डेडाड्या, श्रंड ह्यायानि कतित्वन ।

काभाछ।,--"সংধ জং ধতিনামাদি" এই ক্রমে অগ্রিনাম: করণ ও আবাহনাদি

श्रुं छ-८श्य

ক্রিয়া, দমিধ প্রকেশ পুর্কক ব্যক্ত সমস্ত মহাব্যাক্তি হোম (৬২ পুষা) করিয়া, স্বত্থারা

महेतात मधे मटज आंखि मिरवम

| अब घटडात्रे कातापि मामात्र व्यर्भ धक थाकात्र]।

💣 ইছ গুতি বিছ লগুভি লিছ গুহি (গুঙি) বিহ লম্য। মুলি গুতি মুলি পুণু ভিশুনির বামা মুলি রম্য। আন্ত विका कृष्डाः त्रुर्मन्डाकाः पृष्टिकायं विकिष्काः । ह्र त्रृ हेर् जाजन् शृष्ट् छत् धृत्किम् अमारिना छद् ।

उथा शक्क कम्दिन अक्र वक्क व्यक्ति है के इंडि. उम्बर को का उसक मेशा मरहि डि. एमदः। किक्स मिन अखि विवि

ও ইছরমধ বাছা। গুণুরি গুডিঃ বাহা। গুনুরি মুগুডিঃ বাহা। ৬। **७ देश् प्रक्रियात् । ऽ। ७ देश्यश्रक्षियात् । १ वर्ष्ट्रत्रिक (त्रक्षिः) योहा। ५** মতা বথা ;—া প্রকাপতিক মির্হতীছনেশ। বর্দেবত। গ্রতিহোমে বিনিয়োগ। ७ मित्र त्याः यात्। १ । ७ मित्र दमन् यात्। ৮। তংপরে, কামাতা চত লাকিত দ্মিধ অম্ত্রক অগ্রিতে দিবেন এবং বধু ব্রোজ্যেই-षिगरक अकि-रगारजारमं भूकंक यांज्यामन (कानाम) कतिरवन, यथा ,-ष्यमुक रामाजा अधिषमुकी प्रती एका कांक्टिवास्त । भरत, कांमांका वास्ट-ममस्ट महावान्निकि द्याम (७२ शुष्टा) कतिरत्म ।

्राटिः ख्या भित्र द्रद्रशा छव बृष्टित्रक मित्र यधुनिः पण पत्रीय्य बस्वत्य ह 4一二日 杜林

ভাগ "হিন্দুগৎকৰ্মালাহ" আকাবে তুলটকাগজে নূতন জকরে প্রায় তিনশত চৌষটি পৃষ্য মূডিত ইহা গুহে রাখাও গুহুছের বিশেষ মদ্দন জনক, কিন্তু ইহা এপধ্যস্ত স্ববির্বসম্পাল ও বিশুষ্ত্রশে সংশ্বরণ বিস্তৃত টীকা ও ঐ টীকাসমত প্রকাশকরত মূলাগুমারী সরল অমুবাদ নহ (মূল চঙী) বিশুষ দ্ধে সপ্তম-হয় নাই, এই বিবেচনায় জনেক্তর অন্থরোধে বথাদাধ্য বিস্তৃত ও বিশুদ্ধ করিয়া, ইহা প্রকাশ করা नः क्षित्र क्र कर के मण्डेक एक निष्टिक मिस्स क्षा है। जी महत्या निष्टे हो कुछ । उन्हें निष्टे । माझे হইয়াছে। নৰ্পরসভাৰসম্বিত সৰ্কাভিইপ্রদায়ক চণ্ডীয় ভায় ভক্তিপূৰ্ণ শেষতম ছোত্তায় আছি নির্কা জাদ, ধানে ও পুগ এনং সক্লেকার মতামত সহসিত ব্যুৱ্যাদি, ভাগলা ও কীলকস্তর, বৃহ্ৎক্ষ্ত, देशटक छजी बाज्ञिक माधावन भूतान भाठे बनाती, जादु जिस्यास्थाती छजी नाई कम, छ छोत्र माथ्य, হইল। দাধারণের অধিধার জন্য মূল্যও বথাদাধ্য সূত্রভান জানা মাত্র ধাধ্য হইজাছে। ঞ্চ চথীই কেবল দীকা ব্যতীত সমস্ত আছে। । আট আনা।

কেলিখিতীয় "মৃদ" মৎকত মুলাহ্যায়ী তেকিল প্ৰকার পতাহলে অন্তনাদ ও পুদাদি এবার কিছত দিতীয় সংকরণ "সত্যনারায়ণ এত" ০/০ ছই আন।। . अर्थः निक्रक के महत्त्र निवा हर्षेत्रात्त्र।

ন্দাল ভাতংশ ৰূম্বাণ ও পূজাাদ এবার ক্ষিত্ত শ্রীযন্তবনাথ স্থতিরত ভটোচার্য। কনিকাতা,—পোঃ, ব্রাহ্নগর, পালগাড়া-উত্তশারী।